महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 202 | उज्जैन, गुरुवार 1 जनवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

हर दिन किसी न किसी भय पर विजय प्राप्त करें, बेहतर जीवन का रहस्य मिल जाएगा

न्यूज ब्रीफ

यूपी-बिहार के लोगों को योगी सरकार की सौगात, कुशीनगर में 715 करोड़ से बनेगा पुल

पनियहवा/ जीएनएस। नारायणी नदी के दोनों तरफ बसे यूपी-बिहार के लोगों के लिए प्रदेश सरकार ने नववर्ष की सौगात दी है। खड्डा विधायक विवेकानंद पांडेय की ओर से किए गए प्रयास फलीभूत होने लगे हैं। भैंसहा घाट पर प्रस्तावित पुल को शासन की व्यय वित्त समिति (ईएफसी) ने स्वीकृति स्वीकृति दे दी है। लगभग 715.73 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह दियारा क्षेत्र में विकास की राह खोलेगा। यूपी-बिहार व नेपाल तक का आवागमन आसान हो जाएगा। उत्तर प्रदेश शासन के अनु सचिव अभय प्रताप श्रीवास्तव की ओर से लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष को पत्र भेज कर आगे की कार्यवाही शुरू करने को कहा है। पत्र का हवाला देते हुए विधायक ने बताया कि भैसहा घाट पर पुल का निर्माण हो जाने से खड्डा विधानसभा क्षेत्र के लोगों का सपना पूरा होगा। दियारा के लोगों का बरसात में नावों पर निर्भरता से राहत मिलेगी। बेहतर आवागमन की सुविधा से किसानों, मजदूरों, छात्रों और व्यापारियों के लिए विकास का नया द्वार खुलेगा। दियारा के जवाहर, रमेश शुक्ला, राकेश गुप्ता, राजेश, बेचन, आनंद कुशवाहा, इजहार अंसारी ने विधायक को साधुवाद दिया। कहा कि दियारा आजादी के बाद से बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। बरसात में मुख्य मार्ग से संपर्क टूट जाने से शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार प्रभावित होते थे। पुल निर्माण से हमारे गांवों की तस्वीर बदल जाएगी। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि विपणन और रोजगार के अवसर सुलभ होंगे। यूपी-बिहार के गांव विकास की मुख्यधारा से जुड़ जाएंगे।

दुष्कर्म के झूठे मामलों पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त, कहा-निर्दोषों पर जिंदगीभर के घाव छोड़ते हैं ऐसे आरोप

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली हाईकोर्ट ने झूठे दुष्कर्म मामले दर्ज कराने को बेहद गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा है कि ऐसी गलत शिकायतें न सिर्फ न्याय व्यवस्था को प्रभावित करती हैं, बल्कि निर्दोष आरोपितों पर भी जिंदगीभर के लिए गहरे घाव छोड़ जाती हैं। अदालत ने कहा कि झूठे आरोपों के कारण प्रतिष्ठा खोना, जेल जाना, सामाजिक कलंक और मानसिक आघात जैसी पीड़ाएं ऐसी होती हैं, जो अक्सर कभी नहीं भर पातीं। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि जैसे वास्तविक यौन उत्पीड़न के मामलों में पीड़िता के सम्मान और शारीरिक स्वायत्तता पर गहरा असर पड़ता है, वैसे ही झूठे आरोपों से निर्दोष लोगों की पूरी जिंदगी प्रभावित हो जाती है। केवल आरोपित का बरी होना या सहानुभूति जताना पर्याप्त नहीं है, क्योंकि नुकसान इससे कहीं अधिक गहरा होता है। हाई कोर्ट ने कहा कि जब गंभीर आरोप लगाए जाते हैं और फिर बिना किसी ठोस कारण के वापस ले लिए जाते हैं, तो इससे वास्तविक पीड़ितों के मामलों पर भी अविश्वास बढ़ता है। समाज में यह संदेश जाता है कि ऐसे मामले झूठे भी हो सकते हैं, जिससे असली पीड़ितों की आवाज कमजोर हो जाती है। इसलिए झूठी शिकायतों को हल्के में नहीं लिया जा सकता और कानून के तहत सख्त जांच और कार्रवाई आवश्यक है। यह टिप्पणियां हाई कोर्ट ने उस मामले में कीं, जिसमें एक महिला ने नौकरी दिलाने के बहाने बुलाकर तीन लोगों पर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप लगाया था, लेकिन बाद में ट्रायल के दौरान अपने बयान वापस ले लिए। ट्रायल कोर्ट ने तीनों आरोपितों को बरी कर दिया था। दिल्ली पुलिस ने इस फैसले को चुनौती दी, लेकिन हाई कोर्ट ने 15 दिसंबर को अपील खारिज कर दी। हाई कोर्ट ने यह भी चिंता जताई कि कुछ मामलों में दिल्ली पीड़ित मुआवजा योजना 2018 के तहत मिलने वाला अंतरिम मुआवजा लेने के बाद महिलाएं आरोप वापस ले लेती हैं या गवाही से मुकर जाती हैं। अदालत ने कहा कि यह सार्वजनिक धन का दुरुपयोग है और इससे योजना की विश्वसनीयता कमजोर होती है।

हर किसान के खेत तक पहुँचेगा सिंचाई के लिए जल : मुख्यमंत्री

प्रदेश में सिंचाई का रकबा 100 लाख हैक्टेयर करने का लक्ष्य

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की किसानों की खुशहाली की परिकल्पना को साकार करते हुए मध्यप्रदेश में सिंचाई का रकबा तेजी से बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा प्रदेश को दी गई तीन बड़ी परियोजनाओं से मध्यप्रदेश में सिंचाई का रकबा 100 लाख हैक्टेयर तक करने में सफलता मिलेगी। साथ ही प्रदेश की अन्य निर्माणाधीन सिंचाई परियोजना? भी लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होंगी। प्रदेश में गत दो वर्षों में सिंचाई क्षमता में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है। किसानों की तरक्की और खुशहाली हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कृषि के अतिरिक्त पेयजल, उद्योगों, विद्युत उत्पादन आदि के लिए जल की उपलब्धता कराये जाने के प्रयास निरंतर जारी हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई के नदी जोड़ो अभियान के सपने को साकार करने का कार्य प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ। इस परियोजना से पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र की तस्वीर एवं तकदीर बदल जाएगी। इस परियोजना से न केवल सिंचाई अपितु पेयजल एवं विद्युत उत्पादन का लाभ भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की दूसरी महत्वपूर्ण पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना है। इससे प्रदेश के बड़े हिस्से में सिंचाई, पेयजल, उद्योगों आदि के लिए पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध हो सकेगा। प्रदेश में आकार ले रही तीसरी महत्वपूर्ण परियोजना तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना है, जो कि विश्व में अपने आप में एक अनूठा प्रयास है। इस परियोजना अंतर्गत वर्षा के दौरान ताप्ती नदी के अतिरिक्त जल को नियंत्रित तरीके से भू-जल भरण के लिए उपयोग किया जाकर भू-जल स्तर में वृद्धि की जाएगी। परियोजना के क्रियान्वयन के लिये मध्यप्रदेश एवं महाराष्ट्र राज्यों के मध्य सहमति बन चुकी है।

मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री श्री मोदी की पर ड्रॉप मोर क्रॉप की अवधारणा को मूर्त रूप देने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। सिंचाई प्रबंधन में मध्यप्रदेश देश में सर्वोच्च स्थान पर है। प्रदेश में सिंचाई के रकबे में निरंतर वृद्धि हो रही है। माइक्रो सिंचाई पद्धति में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी राज्य है। जल संरक्षण एवं संवर्धन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिये म.प्र. को राष्ट्रीय जल अवार्ड भी मिला है।

केन-बेतवा राष्ट्रीय परियोजना- परियोजना की लागत 44 हजार 605 करोड़ रूपये है। इससे सिंचाई 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर में हो सकेगी। परियोजना से बुन्देलखण्ड के 10 जिले छतरपुर, पन्ना, दमोह, टीकमगढ, निवाडी, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा एवं सागर के लगभग 2 हजार ग्रामों के 7 लाख 25 हजार किसान परिवार लाभान्वित होंगे। साथ ही 44 लाख आबादी को पेयजल मुहैया हो सकेगा। परियोजना से 103 मेगावॉट विद्युत (जल विद्युत) और 27 मेगावॉट सौर उर्जा का उत्पादन होगा। भू-जल की स्थिति में सुधार, औद्योगीकरण, पर्यटन एवं रोजगार के अवसर में भी वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने परियोजना का भूमि-पूजन पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसम्बर 2024 को किया। परियोजना का कार्य प्रारंभ हो चुका है।

पार्वती-कालीसिंध-चंबल राष्ट्रीय परियोजना- परियोजना की कुल लागत 72 हजार करोड़ रूपये है। इसमें मध्यप्रदेश का हिस्सा 35 हजार करोड़ रूपये का है। परियोजना से मालवा एवं चंबल क्षेत्र के 13 जिले गुना, शिवपुरी, मुरैना, उज्जैन, सीहोर, मंदसौर, देवास, इंदौर, आगर मालवा, शाजापुर, श्योपुर, ग्वालियर एवं भिण्ड में 6.16 लाख हेक्टेयर में नवीन सिंचाई एवं चंबल नहर प्रणाली के आधुनिकीकरण से भिण्ड, मुरैना एवं श्योपुर के 3.62 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा हो सकेगी। साथ ही लगभग 2 हजार 94 ग्रामों की 40 लाख आबादी लाभान्वित होगी। मध्यप्रदेश की 19 सिंचाई परियोजनायें इसमें शामिल की गई हैं।

मेगा तापी रीचार्ज परियोजना- पारंपरिक जल भंडारण के स्थान पर भू-गर्भ जल पुनः भरण वाली इस परियोजना की कुल लागत 19 हजार 244 करोड़ रूपये है। इसे 10 मई 2025 को महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश के मध्य राष्ट्रीय परियोजना के रूप में निर्मित किये जाने की सहमति प्रदान की गई। परियोजना से बुरहानपुर एवं खण्डवा जिले की 1 लाख 23 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो सकेगी।

अटल भू-जल योजना से भू-जल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के 06 जिलों सागर- दमोह छतरपुर- टीकमगढ़-पन्ना एवं निवाडी के 09 विकासखंडों की 670 ग्राम पंचायत क्षेत्रों में जन सहभागिता से जल सुरक्षा योजना तैयार करने हेतु भारत सरकार की सहायता से 314.44 करोड़ राशि की योजना 2020 से अक्टूबर 2025 तक क्रियान्वित की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन सभी राष्ट्रीय एवं राज्यीय परियोजनाओं से प्रदेश में सिंचाई के रकबे को बढ़ाने और हर खेत तक पानी पहुँचाने में सफलता मिलेगी। राज्य सरकार ने सिंचाई क्षमता बढ़ाने के लिए आगामी 3 वर्ष की कार्य योजना भी बनाई है, जिसे अमल में लाना शुरू कर दिया है।

बंगाल के लिए निर्णायक होगा चुनाव, कार्यकर्ता सम्मेलन में बोले अमित शाह

कोलकाता/ जीएनएस। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीन दिवसीय बंगाल प्रवास के अंतिम दिन बुधवार को कोलकाता के साइंस सिटी में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए साफ कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव बंगाल के लिए निर्णायक हैं और पार्टी को हर स्तर पर पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरना होगा।

बंद कमरे में हुए इस सम्मेलन के दौरान शाह ने जमीनी हालात की समीक्षा करते हुए संगठन में तालमेल और अनुशासन पर विशेष जोर दिया। सम्मेलन में पार्टी के वरिष्ठ नेता, संगठन पदाधिकारी और चुनावी रणनीति से जुड़े प्रमुख चेहरे मौजूद रहे। शाह ने इससे पहले सुबह में पार्टी नेताओं के साथ सांगठनिक बैठक में राज्य संगठन की मौजूदा स्थिति, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करने के बाद दिल्ली रवाना होने से पहले गृह मंत्री ने ठनठनिया कालीबाड़ी मंदिर में जाकर दर्शन और पूजा-अर्चना की।

इधर, सांगठनिक बैठक के दौरान प्रदेश भाजपा के नेताओं द्वारा स्ढ्ढक्रको लेकर शरणार्थी मतुआ समुदाय के लोगों में चिंता के सवाल पर शाह ने पार्टी नेताओं से स्पष्ट कहा कि यह प्रसंग मुझ पर छोड़ दें।

लाल आतंक के गढ़ पर वार, पत्थर मन को लोहे की तरह पिघलाकर गढ़ रहे हैं नव जीवन

गढ़चिरौली/ जीएनएस। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के घने जंगलों के बीच बसे लायड्स के परिसर में कदम रखते ही आपको अहसास होगा कि यहां सिर्फ धरती से लोहा निकालकर, गलाकर उसे सुघड़ता के साथ अलग-अलग आकार नहीं दिया जा रहा है, बल्कि बंदूक की भाषा कहने वाले माओवादियों के दिलों को पिघलाकर तराशा जा रहा है।

मशीनों की अनवरत घड़-घड़ के बीच इन्हें फिर से गढ़ा जा रहा है। इन्हीं में से एक हैं 40 वर्षीय सुरेश चमरू हिचामी। इस स्टील प्लांट में काम करने वाले सुरेश अकेले आत्मसमर्पित माओवादी कार्यकर्ता नहीं हैं। उनके जैसे 80 से अधिक लोग यहां काम करते हुए अब अपनी सामान्य जिंदगी जी रहे हैं।

इकहरी काया और मझोले कद के सुरेश को गढ़चिरौली के अत्याधुनिक लायड्स मेटल्स एंड एनर्जी लिमिटेड (एलएमईएल) में काम करते हुए देखकर कोई अनुमान भी नहीं लगा सकता कि कुछ वर्ष पहले तक ये माओवादी संगठनों के लिए खतरनाक हथियार लाने-ले जाने का काम करते थे।

कभी माओवादियों के लिए कूरियर का काम करने वाले सुरेश वर्ष 1999 में संगठन में भर्ती हुए थे। सही-गलत का अहसास दिलाने वाला कोई नहीं था। बहन की शादी एक पुलिसकर्मी से हुई। बहनोई को शक होने लगा। बहन और परिवार के भविष्य की खातिर सुरेश मुख्यधारा में लौट आए।

बंगाल में SIR पर घमासान के बीच चुनाव आयोग से मिला टीएमसी प्रतिनिधिमंडल, एक-दूसरे पर लगाए आरोप

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम बंगाल चुनाव मे तो चार महीने का वक्त है लेकिन उसकी गरमी दिल्ली तक पहुंच गई है। बुधवार को स्ढ्ढक्र में संदिग्ध मतदाताओं की सुनवाई और चुनाव प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग और तृणमूल कांग्रेस के बीच घमासान हुआ। चुनाव आयोग में ढाई घंटे तक चली बैठक में दोनों ओर से एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए गए।

तृणमूल कांग्रेस के सांसद और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी संदिग्ध मतदाताओं की सुनवाई के दौरान बीएलओ-दो की मौजूदगी पर अड़ गए। वहीं चुनाव आयोग ने साफ कर दिया कि चुनावी प्रक्रिया शामिल किसी भी अधिकारी को डरा-धमकाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। तृणमूल कांग्रेस के 10 सांसदों व पश्चिम बंगाल के मंत्रियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ अभिषेक बनर्जी पूर्ण चुनाव आयोग (मुख्य चुनाव आयुक्त व दो चुनाव आयुक्त) के सामने अपनी बात रखने पहुंचे। शुरूआत में 60 साल से अधिक उम्र के संदिग्ध मतदाताओं की सुनवाई उनके घर पर करने की मांग पर चुनाव आयोग ने जल्द फैसला लेने का भरोसा भी दिया। लेकिन पूरी तरह से टकराव के मूड में आए अभिषेक बनर्जी ने चुनाव आयोग पर आरोपों की झड़ी लगा दी। बनर्जी ने चुनाव आयोग को यह बताने को कहा कि जिन 58 लाख मतदाताओं के नाम ड्राप्ट सूची से हटाए गए हैं, उनमें कितने बांग्लादेशी और रोहिंग्या हैं।

चुनाव आयोग ने साफ कर दिया कि यह बताने का काम उनका नहीं है और वे सिर्फ मतदाता सूची के शुद्धिकरण की कोशिश कर रहे हैं। सबसे बड़ा टकराव संदिग्ध मतदाताओं की सुनवाई के दौरान बीएलओ-दो की मौजूदगी को लेकर हुई।

2026 में चुनावी वादे होंगे पूरे! रोजगार, उद्योग और कृषि में दिखेगा बदलाव

पटना/ जीएनएस। राज्य के लोगों के लिए 2026 इसलिए उम्मीदों से भरा है कि विधानसभा चुनाव के समय केंद्र और राज्य सरकार की ओर से की गई घोषणाएं जमीन पर उतरने लगेंगी।

सबसे अधिक उम्मीद उन्हें है, जो वर्षों से सरकारी नौकरी और रोजगार की प्रतीक्षा कर रहे हैं। एनडीए ने अगले पांच वर्षों में एक करोड़ लोगों को नौकरी और रोजगार देने का वादा किया है।

इसकी शुरुआत 2026 से ही होगी। पांच वर्षों के इस लक्ष्य को अगर वर्षवार बांटें तो 2026 में कम से 20 लाख युवाओं के चेहरे पर खुशियां आ सकती हैं।

ग्रामीण महिलाओं को भी उम्मीद - चुनावी घोषणाओं पर अमल का असर ग्रामीण महिलाओं पर भी पड़ेगा। राज्य सरकार ने जीविका समूह से जुड़ी डेढ़ करोड़ से अधिक महिलाओं को कारोबार के लिए 10-10 हजार रुपया दिया है।

एकजुटता का मंत्र, जातिवाद पर भी निशाना; छत्तीसगढ़ में क्या बोले RSS प्रमुख भागवत?

नई दिल्ली/ जीएनएस। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित हिंदू सम्मेलन में सामाजिक सद्भाव और एकता पर जोर देते हुए कहा कि देश सबका है और किसी को भी जाति, भाषा या धन के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए। भागवत ने भेदभाव मिटाने के लिए मंदिरों को सभी के लिए खोलने की अपील की। उन्होंने परिवारों की एकजुटता पर भी जोर दिया ताकि अकेलापन और नशे जैसी बुराइयों को रोका जा सके। साथ ही पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी उत्पादों के इस्तेमाल और संविधान का पालन करने की अपील की।

तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान बुधवार को रायपुर जिले के सोनपैरी गांव में हिंदू सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि लोगों को जाति, धन या भाषा के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए। देश सबका है और यही भावना सच्चा सामाजिक सद्भाव है। सामाजिक सद्भाव की दिशा में पहला कदम अपने मन से अलगाव और भेदभाव की भावनाओं को दूर करना और सभी को अपना मानना ही होगा।

नए साल पर योगी सरकार में होंगे फेरबदल, कैबिनेट से संगठन तक क्या है तैयारी

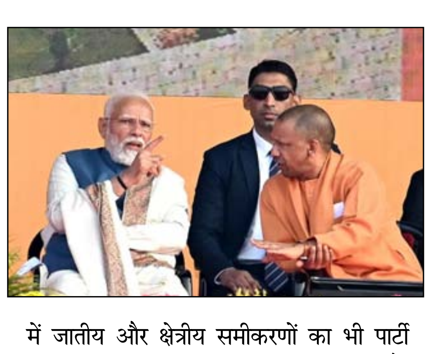

नई दिल्ली/ जीएनएस। नए साल पर उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में कुछ फेरबदल देखने को मिल सकते हैं। मंगलवार को मुख्यमंत्री के आवास पर ही एक मीटिंग हुई, जिसमें कई सीनियर नेता मौजूद रहे। इसके अलावा नए बने प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी मीटिंग में शामिल थे। इस बैठक में संगठन से लेकर सरकार तक में कुछ बदलाव किए जाने पर चर्चा होने की खबरें हैं। कहा जा रहा है कि पहले कैबिनेट का विस्तार होगा और फिर संगठन में भी बड़े पैमाने पर फेरबदल होंगे। पंकज चौधरी नए प्रदेश अध्यक्ष बने हैं और वह अपने स्तर पर संगठन में कुछ बदलाव करेंगे और नई टीम तैयार करेंगे।

कुछ नेताओं का समायोजन संगठन में हो सकता है तो वहीं कुछ लोगों को सरकार में हिस्सेदारी मिल सकती है। इन दोनों ही फेरबदल में जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों का भी पार्टी ख्याल रखना चाहेगी क्योंकि फिलहाल सीएम और प्रदेश अध्यक्ष दोनों ही पूर्वांचल से हो गए हैं। ऐसी स्थिति में वेस्ट यूपी, अवध और बुंदेलखंड क्षेत्र को अच्छा प्रतिनिधित्व मिल सकता है। इस मीटिंग में संगठन महामंत्री धर्मपाल भी मौजूद थे। योगी सरकार के कैबिनेट विस्तार को लेकर आखिरी फैसला दिल्ली में होना है और जनवरी के पहले सप्ताह में ही इस संबंध में ऐलान हो सकता है। हालांकि शपथ समारोह मकर संक्रांति के बाद ही होगा। फिलहाल इस बात पर चर्चा हुई कि किन नामों को दिल्ली भेजा जाए।

इस मीटिंग में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। संघ से भी इस संबंध में राय ली गई है। पूरे दिन योगी आदित्यनाथ लखनऊ में ही रहे और इस मीटिंग के बाद उन्होंने अलग-अलग भी कई नेताओं से बात की। बता दें कि अब तक यूपी अध्यक्ष रहे भूपेंद्र चौधरी को भी कैबिनेट में जगह दी जा सकती है। वह जाट समुदाय से आने वाले नेता हैं और पश्चिम यूपी में इस समाज का मजबूत प्रतिनिधित्व है। ऐसी स्थिति में जाट बिरादरी के एक नेता को कैबिनेट में लेकर संदेश देने की कोशिश होगी।

नववर्ष को लेकर सतर्क इंदौर पुलिस, बी.डी.डी.एस. टीम द्वारा शहर के प्रमुख स्थानों पर सघन जांच

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नववर्ष के आगमन एवं शहर में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है। शहर में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशानुसार महत्वपूर्ण स्थानों की सुरक्षा जांच, निरीक्षण एवं आपातकालीन तैयारियों का लगातार जायजा लिया जा रहा है।

इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) श्री आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (आसूचना एवं सुरक्षा) श्री राजेश व्यास के मार्गदर्शन में दिनांक 30 दिसंबर 2025 को इंदौर पुलिस की सुरक्षा शाखा एवं बी.डी.डी.एस. टीम द्वारा शहर के विभिन्न प्रमुख एवं संवेदनशील स्थानों पर विशेष और सघन चैकिंग की गई। इस दौरान रेलवे स्टेशन, सरवटे बस स्टैंड, गंगवाल बस स्टैंड, रणजीत हनुमान मंदिर, अन्नपूर्णा मंदिर, खजराना गणेश मंदिर, आर.आर. कैट राजवाड़ा, प्रमुख मॉल सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर संदिग्ध वस्तुओं की गहन जांच की गई। चैकिंग के दौरान पुलिस डॉग स्क्वॉड की सहायता ली गई तथा एच.एच.एम.डी. सहित आधुनिक सुरक्षा उपकरणों का उपयोग कर हर गतिविधि पर बारीकी से नजर रखी गई। पुलिस द्वारा यह भी सुनिश्चित किया गया कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए संबंधित विभागों एवं संस्थानों की तैयारियां पूर्ण रूप से सक्षम रहें।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा की जा रही यह सघन चैकिंग एवं सुरक्षा कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी, ताकि नववर्ष के दौरान शहरवासियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सके और किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को समय रहते रोका जा सके।

आबकारी विभाग की सतत कार्रवाई जारी

दो मामले में कुल 61 हजार रुपये से अधिक की अवैध मदिरा जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नववर्ष के अवसर पर कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से कलेक्टर श्री शिवम् वर्मा, सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी के आदेशानुसार आबकारी विभाग द्वारा ढाबों एवं बारों की सघन जांच की गई। जांच अभियान के दौरान दीपश्री ढाबा स्थान सिलिकॉन सिटी की जांच के दौरान 30 बोतल अलग-अलग ब्रांड की मदिरा जप्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 28 हजार 500 रुपये है।

एक अन्य जांच अभियान के दौरान महाराजा ढाबा राऊ बायपास स्थित दीपश्री ढाबा की जांच की गई। उक्त कार्यवाही में कुल 17 बल्क लीटर माल्ट व 21.6 बल्क लीटर स्पिरिट जब्त की गई, जिसकी कीमत लगभग 32 हजार 620 रुपए होना पाया गया है। ढाबा संचालकों एवं शराब पीने वालों पर आबकारी अधिनियम 1915 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए।

अभियान का उद्देश्य नववर्ष के दौरान अवैध मदिरा की बिक्री, अनियंत्रित शोर एवं अनुशासनहीन गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। यह जांच अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

चेकिंग में खुली कार की डिक्की, नोटों के बंडल देखकर पुलिस के उड़े होश

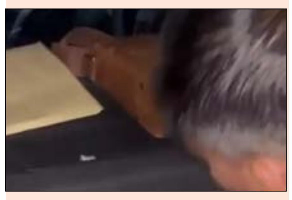

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस ने सोमवार देर रात वाहन चेकिंग अभियान के दौरान एक कार से 1 करोड़ 18 लाख रुपए की भारी नकदी बरामद की है। कनाड़िया थाना पुलिस बिचौली मर्दाना ब्रिज के पास वाहनों की जांच कर रही थी, तभी एक टाटा नेक्सॉन कार को रोका गया। कार की डिक्की की तलाशी लेने पर पुलिस को एक बड़े बैग में रखे नोटों के बंडल मिले। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने तुरंत इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी। कार में सवार तीन युवकों राजेश यादव, प्रभात अग्रवाल और आनंद से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि यह पैसा प्लायवुड कंपनी के मालिक सनद अग्रवाल का है। युवकों के अनुसार, मालिक ने उन्हें यह बैग एक फार्म हाउस पर पहुंचाने के निर्देश दिए थे। बताया जा रहा है कि सनद अग्रवाल की सेफ्लेक्स इंटरनेशनल लिमिटेड और मंत्रम टेक्नो फेब प्राइवेट लिमिटेड नामक दो कंपनियां हैं। पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह के निर्देश पर 31 दिसंबर के मद्देनजर शहर के बाहरी इलाकों में अवैध शराब और तस्करी रोकने के लिए विशेष चेकिंग चलाई जा रही है। इसी दौरान मिली इस बड़ी रकम के बारे में जब कारोबारी से पूछताछ की गई।

भागीरथपुरा में गंदा पानी बना मौत की वजह, मेयर ने अफसरों पर देरी का ठीकरा फोड़ा; कांग्रेस का प्रदर्शन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के भागीरथपुरा में गंदा पानी पीने के कारण हुई पांच मौतों व बीमार लोगों की चिंता अब सरकारी महकमे ने शुरू कर दी है, लेकिन लापरवाही किसकी है। यह सामने नहीं आई है। मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि महापौर परिषद के स्पष्ट निर्देश हैं कि जिन इलाकों में गंदे पानी की शिकायत है, वहां तुरंत पेयजल लाइन या ड्रेनेज की लाइन बदली जाए। भागीरथपुरा में भी नई लाइन डालने के निर्देश दिए गए थे, इसमें अफसरों की तरफ से देरी हुई। इस मामले में जो भी जिम्मेदार है, उनके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। मेयर ने कहा कि नर्मदा पेयजल के सैंपल लिए हैं, लेकिन प्राथमिक दृष्टि से आशंका है कि पेयजल लाइन में गंदा पानी मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि बस्ती में तीन लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है, लेकिन उनकी मौत की वजह क्या है, यह स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट से पता चलेगा। चाय पर चर्चा बंद करो, गंदे पानी पर चर्चा करो- गंदे पानी की बोतल लेकर कांग्रेसी पहुंचे मेयर हाउस गंदे पानी की बोतल लेकर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता मेयर हाउस पहुंचे। वे नारे लगा रहे थे- चाय पर चर्चा बंद करो, गंदे पानी पर चर्चा करो। वे नारेबाजी करते रहे और मेयर से मिलने के लिए भीतर जाने की कोशिश की, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उन्हें गेट पर ही रोक दिया। वे कर्मचारियों को ही गंदे पानी की बोतल भेंट कर आ गए।

नगर निगम को हादसों का इंतजार रहता है- शहर युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमित पटेल का कहना था कि गंदे पानी की शिकायत शहर की कई बस्तियों में है। कई बार इसकी शिकायतें हो चुकी हैं, लेकिन नगर निगम को हादसों का इंतजार रहता है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे भी इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती मरीजों से मिलने पहुंचे थे।

रिकॉर्डों का शहर इंदौर, अब भ्रष्टाचार की नई ऊँचाइयों को छूने की तैयारी में

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर नगर निगम दिन-प्रतिदिन नए कीर्तिमान स्थापित करता जा रहा है। कभी स्वच्छता में देश में नंबर-वन बनने का जश्न, कभी एक दिन में लाखों पेड़ लगाने के दावे, तो कभी पर्यावरण और विकास के नाम पर विश्व रिकॉर्ड। लगता है कि रिकॉर्ड बनाने की सूची अब लगभग पूरी हो चुकी थी, इसलिए अब नगर निगम ने एक नए क्षेत्र में अपनी प्रतिभा आज़माने का मन बना लिया है–भ्रष्टाचार में रिकॉर्ड बनाने का।

बड़े-बड़े प्रोजेक्ट हों या गली-मोहल्ले का छोटा सा काम, बिना झोल-झाल के मानो कुछ भी संभव नहीं रहा। काम की गुणवत्ता पर सवाल उठना अब आम बात हो गई है और कई जगह तो ऐसा प्रतीत होता है मानो काम सिर्फ कागज़ों में ही पूरा हो गया हो। कहीं किए गए कार्य को दोबारा तोड़ा जा रहा है, तो कहीं बिना काम हुए ही बिल पास होने की कहानियाँ हवा में तैर रही हैं। यह सब आखिर किसके पैसों से हो रहा है–उसी टैक्स देने वाली जनता के, जो उम्मीद करती है कि उसका पैसा विकास में लगेगा, प्रयोगशाला में नहीं।

गार्डन रिनोवेशन के नाम पर अच्छी-खासी बाउंड्री वॉल का प्लास्टर उखाड़कर दोबारा प्लास्टर करना भी अब विकास की श्रेणी में गिना जाने लगा है। शहर भर में इस तरह के नवाचार धड़ल्ले से चल रहे हैं, मानो यह सब किसी अदृश्य प्रतियोगिता का हिस्सा हो।

और इस पूरे तमाशे में शासन और प्रशासन की भूमिका भी कम दिलचस्प नहीं है। सब कुछ देखते-सुनते हुए भी हालात ऐसे हैं जैसे वे गाँधी जी के तीन बंदरों की भूमिका निभा रहे हों–न कुछ देखना, न कुछ सुनना और न कुछ कहना। सवाल बस इतना है कि क्या यह चुप्पी भी किसी रिकॉर्ड की तैयारी है, या फिर जनता को ही इस नए विकास मॉडल की आदत डालने की कोशिश?

इंदौर में प्रभावित नागरिकों के परिजन को दो-दो लाख रुपए की सहायता राशि

अस्वस्थ व्यक्तियों के समुचित उपचार के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इंदौर शहर के भागीरथपुरा क्षेत्र में हुई घटना बेहद दुखद है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उपचार रत प्रभावितों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

परिवारों को दी जाएगी आर्थिक सहायता- मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मृतकों के परिवारजन को 2-2 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। इसके साथ ही निर्देश दिए गए हैं कि मरीजों के इलाज का पूरा खर्च सरकार वहन करेगी।

पेयजल के संक्रमित या दूषित होने के कारण नागरिकों का स्वास्थ्य बिगड़ने की स्थिति पर नजर रखने और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश यथा समय संबंधित अधिकारियों को दिए गए ।

भागीरथपुरा की घटना पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रभावितों के समुचित और गुणवत्तापूर्ण इलाज के दिये निर्देश दिए ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घटना को गंभीरता से लेते हुए इंदौर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी प्रभावितों का समुचित, त्वरित और गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा ,उपचार में कोई कमी ना रहे- मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा है कि उपचार व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रखी जाए, इस बारे में पूर्व में ही निर्देश दे दिए गए हैं। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि पीड़ितों को आवश्यक दवाइयां, विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं और सभी जरूरी संसाधन तत्काल उपलब्ध करवाई जाएं, ताकि किसी भी मरीज को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

प्रशासन द्वारा सतत निगरानी - कलेक्टर इंदौर श्री शिवम वर्मा ने बताया कि इंदौर जिला प्रशासन द्वारा सतत निगरानी रखी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग को उपचार की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ यादव के निर्देशों के बाद इंदौर प्रशासन और स्वास्थ्य अमला पूरी तत्परता के साथ उपचार में जुटा हुआ है। घटना के कारण पता करने के लिए विस्तृत जांच करवाई जा रही है।

भागीरथपुरा में जल संक्रमण प्रभावितों के बीच पहुंचे मंत्री जी और महापौर, हालात का लिया जायजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में जल संक्रमण के कारण उल्टी-दस्त से पीड़ित रहवासियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंगलवार सुबह नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय तथा महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव स्वयं मौके पर पहुंचे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र में लगाए गए स्वास्थ्य शिविरों और संजीवनी क्लीनिक का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा उपचाररत मरीजों से सीधे संवाद कर उनकी स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर स्वास्थ्य कर्मियों की अनुपस्थिति पाए जाने पर महापौर ने मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी को तत्काल व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रभावित क्षेत्र में चौबीसों घंटे पर्याप्त चिकित्सकीय स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि किसी भी मरीज को उपचार में परेशानी न हो।

मंत्री जी और महापौर ने जल संक्रमण की स्थिति, मरीजों की संख्या तथा उपलब्ध उपचार सुविधाओं को लेकर स्वास्थ्य अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। इसके पश्चात उन्होंने भागीरथपुरा में स्थानीय नागरिकों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं और आवश्यक सुझावों पर गंभीरता से विचार किया।

इस अवसर पर मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय एवं महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि नगर निगम पूरे मामले पर लगातार नजर बनाए हुए है। प्रभावित रहवासियों को त्वरित और प्रभावी उपचार, स्वच्छ पेयजल एवं आवश्यक नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, ताकि हालात शीघ्र सामान्य हो सकें।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल ने रचा समयपालनता का नया कीर्तिमान, 2026 की नई समय सारणी में 63 ट्रेनें हुईं स्पीड-अप

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम मंडल में यात्रियों की सुविधा बढ़ाने और ट्रेनों की समयपालनता को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में पश्चिम रेलवे द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2025 के दौरान जहां ट्रेनों के परिचालन समय में उल्लेखनीय सुधार किया गया, वहीं 01 जनवरी 2026 से लागू होने वाली नई समय सारणी में भी 63 ट्रेनों को स्पीड-अप कर समयपालनता की नई मिसाल कायम की गई है।

पश्चिम रेलवे Western Railway

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मंडल रेल प्रबंधक के कुशल मार्गदर्शन और परिचालन विभाग के अधिकारियों के प्रभावी निर्देशन में समय सारणी तैयार करने वाले पर्यवेक्षकों ने ट्रेनों के लिंक और संसाधनों का बेहतर उपयोग किया।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं के 4,767 रिक्त पदों हेतु आवेदन आमंत्रित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों की बाल विकास परियोजनाओं में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं के पूर्णतः अस्थाई, मानदेय आधारित एवं मानसेवी रिक्त पदों की पूर्ति हेतु पात्र महिलाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2025 (फेज-2) के अंतर्गत की जा रही है। इच्छुक एवं पात्र आवेदिकाएँ MP Online द्वारा विकसित चयन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी।

प्रदेश के विभिन्न जिलों में कुल 1,573 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं 3,194 आंगनवाड़ी सहायिका पद, इस प्रकार कुल 4,767 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें दिसंबर 2025 तक के रिक्त पदों के साथ-साथ जनवरी 2026 से जून 2026 तक संभावित रिक्तियाँ भी सम्मिलित हैं।

आवेदन की प्रक्रिया 31 दिसंबर 2025 से प्रारंभ होकर 10 जनवरी 2026 तक चलेगी। आवेदन पत्र में त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि 12 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे, ऑफलाइन आवेदनों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जाएगा।

निर्देशानुसार आवेदिका का उसी ग्राम अथवा नगरीय वार्ड की निवासी होना अनिवार्य है, जहाँ रिक्त पद की पूर्ति की जानी है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका पद हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हायर सेकेंडरी (12वीं उत्तीर्ण) निर्धारित की गई है। साथ ही 01 जनवरी 2025 की स्थिति में आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होना आवश्यक है।

आवेदन के समय समस्त आवश्यक प्रमाण पत्र PDF प्रारूप में अपलोड करना अनिवार्य होगा। आवेदन शुल्क 100/- एवं 18 प्रतिशत जीएसटी निर्धारित किया गया है। आवेदिकाएँ स्वयं MP Online पोर्टल पर जाकर या अधिकृत कियोस्क के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। रिक्त पदों का परियोजना एवं आंगनवाड़ी केंद्रवार विवरण, भर्ती से संबंधित नियम, शर्तें, पात्रता एवं अन्य आवश्यक जानकारी चयन पोर्टल तथा विभागीय वेबसाइट mpwcdmis.gov.in पर उपलब्ध है। MP Online से संबंधित किसी भी तकनीकी समस्या के निराकरण हेतु हेल्पलाइन नंबर 0755-6720208 जारी किया गया है।

हाई स्कूल स्तर पर आयोजित गणित एवं विज्ञान विषय में ओलंपियाड परीक्षा परिणाम घोषित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा हाई स्कूल स्तर पर गणित एवं विज्ञान विषय आधारित ओलंपियाड परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिये गये हैं। प्रदेश में कक्षा 9वीं और 10वीं के विद्यार्थियों की गणित एवं विज्ञान विषय में रूचि संवर्द्धन की दृष्टि से शिक्षण सत्र 2025-26 में ओलंपियाड परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा का पहला चरण 7 दिसम्बर 2025 को सम्पन्न हुआ। यह परीक्षा विकासखंड स्तर पर आयोजित की गई थी, जिसमें लगभग 70 हजार विद्यार्थी शामिल हुए थे। परीक्षा का आयोजन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा किया गया था। ओलंपियाड की द्वितीय चरण की परीक्षा संभाग स्तर पर 28 दिसम्बर 2025 को हुई थी। संभाग स्तर पर प्रत्येक विषय में ऐसे विद्यार्थी शामिल हुए थे, जिन्होंने विकासखंड स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया था। संभाग स्तर पर गणित विषय में कुल 373 और विज्ञान विषय में 395 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे।

परीक्षा से संभाग स्तर पर परीक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को राज्य स्तर पर ओलंपियाड़ विजेता के लिये चयन किया गया है। पुरस्कार स्वरूप प्रथम पुरस्कार के लिये 51 हजार रूपये, द्वितीय के लिये 31 हजार रूपये और तृतीय पुरस्कार के लिये 21 हजार रूपये और सांतवना पुरस्कार स्वरूप 2-2 छात्रों 11-11 हजार रूपये की राशि दी गई है।

विज्ञान पुरस्कार- विज्ञान विषय में पहला पुरस्कार अलीराजपुर जिले के भाभरा बलॉक के शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल सेजवारा के परेश गनावा और सतना जिले के नागोद ब्लॉक के शासकीय बालक हायर सेकण्डरी स्कूल के दर्श त्रिपाठी को संयुक्त रूप से दिया गया है। द्वितीय पुरस्कार मुरैना जिले के पोरसा ब्लॉक के शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल राजोधा के आर्यमन सिंह को और तीसरा पुरस्कार मुरैना जिले के कैलारस ब्लॉक के शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल के विष्णु शर्मा को एवं सांत्वना के 2 पुरस्कार इंदौर जिले के शासकीय हायर सेकण्डरी एक्सीलेंस बाल विनय मंदिर के छात्र लोकेश श्रीवंश एवं मुरैनाजिले के अम्बाह ब्लॉक के शासकीय हायर सेकण्डरी एक्सीलेंस स्कूल अम्बाह के प्रद्युम्न शर्मा को संयुक्त रूप से दिया गया।

गणित पुरस्कार- गणित विषय में पहला पुरस्कार मुरैना जिले के कैलारस ब्लाक के शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल कैलारस के विष्णु शर्मा को, द्वितीय पुरस्कार भिंड जिले के रौन ब्लॉक के शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल के अनुराग हिनारिया को, तृतीय पुरस्कार मुरैना जिले के पोरसा ब्लॉक के शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल राजोधा के आर्यमन सिंह को एवं 2 सांतवना पुरस्कार अलीराजपुर जिले के भाभरा ब्लॉक के शासकीय हायर सेकण्डरी स्कूल सेजावरा के परेश गनावा और अनूपपुर जिले के जैथारी ब्लॉक के शासकीय हायर सेकण्डरी एक्सीलेंस स्कूल के अवनीश कुमार को संयुक्त रूप से दिया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्दौर में दूषित जल आपूर्ति से संक्रमण को लिया गंभीरता से

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनसामान्य का स्वास्थ्य, राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित जल आपूर्ति से नागरिकों के संक्रमित होने की घटना को अत्यंत गंभीरता से लिया गया है। घटना में लापरवाही पाये जाने पर जोन क्रमांकङ्क4 के जोनल अधिकारी, सहायक यंत्री एवं प्रभारी सहायक यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। प्रभारी उपयंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। मामले की गहन जांच के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की समिति भी गठित कर दी गई है।

धोखाधड़ी से बचें–टाइगर रिज़र्व में सफारी MPOnline.gov.in से ही करें बुकींग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश के टाइगर रिजर्व में सफारी टिकटों की बुकिंग केवल MPOnline के माध्यम से ही अधिकृत है। इसके अलावा किसी भी निजी वेबसाइट, मोबाइल ऐप या डिजिटल प्लेटफॉर्म को सफारी बुकिंग की अनुमति नहीं दी गई है।

ऐसे किसी भी प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जा रही बुकिंग अवैध है। विभाग ने पर्यटकों से अपील की है कि वे अत्यंत सतर्क रहें और केवल अधिकृत MPOnline पोर्टल के माध्यम से ही सफारी बुकिंग करें। विभाग की अपील है कि यदि किसी पर्यटक ने इन अनधिकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सफारी बुक कराई है और वह धोखाधड़ी का शिकार हुआ है, इससे किसी प्रकार का नुकसान हुआ है अथवा बुकिंग संबंधी कोई अन्य शिकायत है, तो वह तत्काल संबंधित कार्यालय को इसकी सूचना दे। शिकायतों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिये राज्य साइबर पुलिस सेल को भेजा जाएगा। विभाग इस प्रकार की अनियमित और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने के लिए तत्पर है।

वर्ष 2026 में भी अनवरत रहेगी इंदौर के विकास की यात्रा, आईडीए ने तय किए बड़े लक्ष्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर के नियोजित, आधुनिक और भविष्य उन्मुख विकास की दिशा में इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) द्वारा निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालिक अधिकारी डॉ. परिक्षित झाड़े ने बताया कि वर्ष 2025 में आईडीए ने बहुआयामी नगरीय अधोसंरचना और विकास परियोजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया है, वहीं वर्ष 2026 के लिए भी व्यापक और महत्वाकांक्षी विकास लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

वर्ष 2025 के दौरान शहर की यातायात व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण फ्लायओवर और सड़क परियोजनाएं पूरी की गईं। संत श्री सेवालाल जी महाराज फ्लायओवर के निर्माण से प्रतिदिन लगभग दो लाख वाहनों को निर्बाध आवागमन की सुविधा मिल रही है। इसके साथ ही भंवरकुआं, श्री गणेश सेतु खजराना और लवकुश फ्लायओवर जैसे प्रमुख प्रोजेक्ट्स के माध्यम से शहर के कई व्यस्त चौराहों को सिग्नल मुक्त किया गया है। मास्टर प्लान के अंतर्गत लगभग 87 किलोमीटर सड़कों का निर्माण कर कनेक्टिविटी को नया आयाम दिया गया। इन परियोजनाओं में भूकंपरोधी तकनीक, स्टील गर्डर, सौंदर्यीकरण और लैंडस्केपिंग के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता दी गई, जिसके तहत हजारों वृक्षों का प्रतिस्थापन और रोपण किया गया।

परिवहन अधोसंरचना के क्षेत्र में श्री टंट्या मामा भील अंतराष्ट्रीय बस टर्मिनल का विकास शहर के लिए एक बड़ी उपलब्धि रहा। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त यह टर्मिनल न केवल यात्रियों को बेहतर सुविधा प्रदान कर रहा है, बल्कि मेट्रो कनेक्टिविटी के साथ शहर के ट्रांसपोर्ट सिस्टम को नई मजबूती दे रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में सांदीपनी विद्यालयों के निर्माण से आधुनिक शैक्षणिक ढांचा विकसित हो रहा है, जिनके पूर्ण होने की संभावित तिथि मार्च 2026 निर्धारित की गई है।

सामाजिक दायित्वों के अंतर्गत स्नेह धाम परियोजना तथा जल संरक्षण और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए अहिल्यामाता बावड़ी का जीर्णोद्धार भी आईडीए की उल्लेखनीय पहल रही है। इन परियोजनाओं ने न केवल सामाजिक सरोकारों को मजबूती दी है, बल्कि शहर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को भी संरक्षित किया है।

वर्ष 2026 के लिए इंदौर विकास प्राधिकरण ने शहर के विश्वस्तरीय विकास को गति देने के लिए व्यापक योजनाएं बनाई हैं। इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन के प्रभावी क्रियान्वयन में आईडीए को विकास का प्रमुख सारथी बनाया जाएगा। मास्टर प्लान सड़कों के निर्माण, नगर विकास योजनाओं, नई थीम आधारित टीपीएस योजनाओं और प्रमुख सड़क परियोजनाओं के माध्यम से शहरी ढांचे को और सुदृढ़ किया जाएगा।

150.84 करोड़ लागत से 40 वार्डों में 280 किमी लम्बाई की सीवर लाइन बिछेगी

सीवरेज योजना का राज्यसभा सांसद गुर्जर, पूर्व विधायक सिसौदिया, नपाध्यक्ष रमादेवी आदि ने किया भूमिपूजन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बुधवार को नगरपालिका द्वारा गांधी नगर में मंदसौर नगर की बहुप्रतिष्ठित सीवरेज याजना अंतर्गत सीवर लाईन बिछाने एवं चेम्बर निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। अमृत 2.0 योजना अन्तर्गत लगभग 150.84 करोड़ रूपये की लागत से पूरे मंदसौर नगर के सभी 40 वार्डों में लगभग 280 कि.मी. की लम्बाई की सीवर लाइन बिछाई जायेगी और हर तीन मकानों (घरों) के बीच एक चेम्बर बनेगा। इस निर्माण कार्य का भूमिपूजन समारोह में वार्ड नं. 39 के गांधीनगर क्षेत्र में राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया के मुख्य आतिथ्य में एवं नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर की अध्यक्षता में किया गया। भूमिपूजन समारोह में पूर्व भाजपा जिलाध्यक्षगण मदनलाल राठौर, नानालाल अटोलिया, अनिल कियावत, मुकेश काला, भाजपा जिला महामंत्रीगण विजय सुराना, शिवराजसिंह राणा, पूर्व नपाध्यक्ष राम कोटवानी, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष निर्मला गुप्ता, नपा नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी, भाजपा पिछड़ा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार, भाजपा मण्डल अध्यक्षगण अरविन्द सारस्वत, विनोद डगवार, भाजपा जिला मंत्री एवं पूर्व नपा सभापति पुलकित पटवा भी विशेष अतिथि के रूप में मंचासीन थे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद भारती पाटीदार, सभापतिगण निलेश जैन, कौशल्या बंधवार, निर्मला चंदवानी, जलकार्यसमिति सदस्यगण कमलेश सिसौदिया, गोवर्धन कुमावत, माया भावसार, राकेश भावसार, पार्षदगण कमलेश सोनी लाला, प्रीतम पंचोली, ईश्वरसिंह चौहान, राजेश सोनी ऐरावाला, नरेन्द्र बंधवार, शैलेन्द्र गोस्वामी, आरिफ अंसारी, युसुफ गौरी, बब्बु पमनानी, दीपक गाजवा, राजेश गुर्जर, नपा कार्यपालन यंत्री पी.एस. धारवे, उपयंत्र. रोहित कैथवास, शाहिद मिर्जा, समयपाल पंकज साकी, स्वास्थ्य अधिकारी हेमचंद शर्मा, गैरेज सहायक जाकिर भाई, जलकार्य शाखा लिपिक मो. शाहिद आदि भी उपस्थित थे। सीवरेज योजना अंतर्गत बनने वाले 24 एमएलडी क्षमता के 1 एसटीपी प्लांट एवं विभिन्न क्षमताओं वाले 9 आईपीएस प्लांट का भूमिपूजन नपा परिषद के द्वारा आगामी समय में किया जावेगा।

राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि लगभग डेढ़ सौ करोड़ रू. की यह योजना मंदसौर नगर के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। योजना पर व्यय होने वाली 10 प्रतिशत राशी लगभग 15 करोड़ रू. नपा भी वहन करेगी। योजना के अंतर्गत 100-125 मीटर की खुदाई करके सीवर लाईन बिछाई जायेगी और उस सड़क को रिपेरिंग करने के बाद ही आगे कार्य शुरू किया जायेगा। योजना पर काम करने वाली एजेंसी अहमदाबाद की है। योजना के अंतर्गत जो एसटीपी प्लांट बनेगा उसका भी शीघ्र ही भूमिपूजन कराया जायेगा। इस प्लांट में नगर का गंदा पानी स्वच्छ किया जायेगा तथा उसे औद्योगिक क्षेत्र, उद्यान विकास एवं अन्य कार्य में उपयोग लिया जायेगा। बपूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया ने कहा कि लगभग डेढ़ सौ करोड़ रू. की राशि स्वीकृत हुई है। शिवना शुद्धिकरण योजना एवं अमृत 1.0 योजनान्तर्गत भी मंदसौर को सौगाते मिली है। इसका श्रेय भी भाजपा की केन्द्र व प्रदेश सरकारों को जाता है। जिन्होंने मंदसौर नगर के विकास के लिये भरपूर राशी दी। लगभग 35 वर्षों से भाजपा की नपा परिषद ने नगर के विकास के लिये कोई कसर नहीं छोड़ी उसी का परिणाम है कि आज मंदसौर नगर महानगरों की तर्ज पर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

नगर परिषद सिंगोली से सेवानिवृत्त होने पर गब्बर भाई टांक का सम्मान समारोह कर दी भावभीनी विदाई

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद सिंगोली में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत गब्बर भाई (कैलाश) टांक सेवानिवृत्त होने पर नगर परिषद जनप्रतिनिधियों एवं कर्मचारीयों द्वारा सम्मान समारोह आयोजित कर उनका तिलक,साफा,माला, शाल,श्रीफल ,गिफ्ट भेट कर भावभीनी विदाई दी गई गब्बर भाई (कैलाश) टांक ने अपने सेवा काल में आमजन व किसी भी जनप्रतिनिधि को कोई शिकायत का मौका नही दिया व अपनी जिम्मेदारी का ईमानदार से निर्वाह किया गया जनप्रतिनिधियों द्वारा उनकी सराहनीय सेवा के लिए आभार व्यक्त कर उनके उज्वल भविष्य कि कामना की व उनके कार्य अनुभव को साझा किया सम्मान समारोह दोपहर 2 बजे आयोजित किया जिसमें नगर परिषद सीएमओ करमचंद मुसले अध्यक्ष , उपाध्यक्ष मोतीलाल धाकड़,पार्षद सुनील सोनी,पार्षद निसार पठान, पार्षद प्रतिनिधि संजय सुतार,गोपाल धोबी एवं सोनु तिवारी,दिलीप शर्मा,सागर सेन,कंवरलाल प्रजापत, कमलेश जंगम,सचिन टांक सहित सभी कर्मचारियों व बाहर से आये परिजनो द्वारा बारी बारी सम्मान किया तत्पश्चात नगर परिषद से ही ढोल व बैण्ड बाजो के साथ उन्हें घर तक ससम्मान ले जाया गया रास्ते में उनकी सेवा से प्रभावित हो जगह जगह उनका मुंह मिठा करा साफा शाल भेट कर नगरवासियों ने जगह जगह उनका अभिनन्दन किया गब्बर भाई (कैलाश) टांक ने अपनी सेवा से आमजन नगरवासियों में अपनी कार्यशैली व्यवहार से सबका दिल जीता है उनकी सेवा सदैव नगरवासियों के दिलो में चिरस्थायी बनी रहेगी उनकी सेवानिवृत्त होने से हर कोई भावुक नजर आया व भावभीनी नम आँखों से उन्हें विदाई दी !

सभी विद्यालयों में समान संसाधन, अतः बेहतर परिणाम देना सबकी जिम्मेदारी-कलेक्टर अदिति गर्ग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिति गर्ग की अध्यक्षता में डाइट सभागार में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं हाई स्कूल के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनुकूल जैन, जिला शिक्षा अधिकारी सहित जिले के समस्त शासकीय हाई स्कूल एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान कलेक्टर गर्ग ने निर्देश दिए कि जिन विद्यालयों में अभी तक शैक्षणिक कोर्स पूर्ण नहीं हुआ है, वे तत्काल कोर्स पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने विद्यार्थियों से विगत 5 वर्षों के प्रश्न पत्र अनिवार्य रूप से हल करवाने, नियमित मॉक टेस्ट आयोजित करने तथा मॉक टेस्ट में महत्वपूर्ण प्रश्नों को प्राथमिकता से शामिल करने के निर्देश दिए।

चांदी के भाव बढे तो गिरवी रखी डेढ किलो चांदी व्यापारी ने हडपी, एसपी को शिकायत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच में सर्राफा व्यापारी सूदखोरी और प्याजखोरी में भी लिप्त है। सोने–चांदी के आभूषण गिरवी रखकर सूदखोरी को अंजाम दे रहे है। एक पीडित किसान ने आज बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज करवाई। चांदी के भाव बढ गए है तो व्यापारी ने गिरवी रखी डेढ किलो चांदी हडप कर ली। पीडित ने पुलिस से उसकी चांदी वापस दिलाने की मांग की है।

पीडित किसान जयसिंह पिता नगाजी बंजारा निवासी टाटियाखेडी, थाना नीमच सिटी, जिला नीमच मध्यप्रदेश ने शिकायत में उल्लेख किया किरूपए की आवश्यकता होने पर डेढ किलो चांदी (पाट की चांदी, डली के तीन टुकडे) नीमच के घंटाघर के पास सोने–चांदी के व्यापारी राजू सर्राफ के यहां 35000 (अक्षरी पैंतीस हजार रूपए) में दो रूपए सैकडा के हिसाब से गिरवी रखी थी। चार तक प्रत्येक साल का ब्याज 8 हजार 400 रूपए भरा, सालभर पहले व्यापारी राजू सर्राफ की नियत में चांदी के भाव बढने के कारण खोंट आ गया। रकम छुडाने के लिए बैसाख अप्रैल 2024 को पहुंचा तो वह टलाता रहा कि रकम कहीं पर रखी है, ढूंढता हूं। इस तरह से वह चक्कर लगाता रहा। आज दिनांक 31 दिसंबर 2025 को दोपहर 12ः30 पीडित और उसका जमाई पन्नालाल निवासी टाटियाखेडी के साथ राजू सर्राफ की घंटाघर स्थित दुकान पर गए तोजहां राजू सर्राफ मिले, मैने कहा कि अब तो मैरी रकम जो गिरवी पेटे रखी थी दे दो, तो उन्होंने साफ मना कर दिया कि कौन सी रकम, मैं तुझे जानता नहीं हूं। मुझे दुकान से भगा दिया।

आवेदन में उल्लेख किया कि राजू सर्राफ ले 33 से 34 हजार रूपए ब्याज के रूप वसूल कर चुका है। जबकि कुल 35 हजार में डेढ किलो चांदी रकमें रखी थी, राजू सर्राफ ब्याजखोरी व सूदखोरी तो करता ही है साथ ही मैंरी डेढ किलो रकम हडप कर चुका है। वर्तमान में डेढ किलो रकम 3 लाख 45 हजार रूपए की बन रही है। राजू सर्राफ इस तरह से कई किसानों और गरीबों की रकमें खा चुका है।

जमालपुरा में प्रशिक्षण कार्यक्रम : समूहों के माध्यम से छोटे स्वरोजगार एवं उद्यम शुरू करने हेतु किया प्रेरित

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नाबार्ड के तत्वावधान में स्वयं सहायता समूह की महिला पदाधिकारियों के लिए एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना तथा स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से छोटे-छोटे स्वरोजगार एवं उद्यम शुरू करने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक योगेंद्र सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की भूमिका, वित्तीय अनुशासन, बैंकिंग लिंकज तथा नाबार्ड की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक धरम प्रताप सिंह ने समूहों को बैंकिंग प्रक्रियाओं, ऋण सुविधा एवं समय पर ऋण चुकाने के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। वहीं मंदसौर जिले के अग्रणी जिला प्रबंधक संजय मोदी ने स्वयं सहायता समूह के माध्यम से आजीविका संवर्धन एवं सूक्ष्म उद्यम विकास पर प्रकाश डाला। एनआरएलएम के ब्लॉक परियोजना प्रबंधक अल्केश कटलाना ने समूह सुदृढ़ीकरण, रिकॉर्ड संधारण तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जानकारी दी। कार्यक्रम में संस्था अरुणोदया सर्वेशवरी लोक कल्याण समिति के परियोजना अधिकारी जितेन्द्र कसेरा एवं जिला परियोजना समन्वयक प्रवीण शर्मा भी उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को छोटे-छोटे व्यापार जैसे डेयरी, बकरी पालन, हस्तशिल्प, खाद्य प्रसंस्करण एवं अन्य आजीविका गतिविधियाँ शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया तथा सफलता की कहानियाँ साझा कीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समूह की महिला पदाधिकारी उपस्थित रहीं, जिन्होंने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए भविष्य में स्वरोजगार अपनाने का संकल्प लिया।

130 बच्चों ने सीखी अष्टप्रकारी पूजा, बही पार्श्वनाथ तीर्थ पर संस्कार, साधना और संयम का अनुपम संगम

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बही पार्श्वनाथ तीर्थ पर आयोजित पाँच दिवसीय बाल संस्कार शिविर के तीसरे दिन धर्म, संस्कार और साधना का अनुपम दृश्य देखने को मिला। शिविर में भाग ले रहे 130 बच्चों ने विधि-विधान के साथ अष्टप्रकारी पूजा का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इस अवसर पर संघ हित चिंतक आचार्य निपुणरत्न सूरीश्वर मसा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि मंदिर में श्रद्धा और विधिपूर्वक की गई पूजा से मन के भाव शुद्ध होते हैं, कर्मों का क्षय होता है और आत्मा को सकारात्मक ऊर्जा एवं शांति की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि बाल्यावस्था में प्राप्त संस्कार ही जीवन भर व्यक्ति का मार्गदर्शन करते हैं। आचार्य ने बच्चों को दैनिक जीवन में धार्मिक अनुशासन अपनाने की प्रेरणा देते हुए कहा कि प्रतिदिन प्रातःकाल जागरण के साथ नवकार मंत्र का जाप करना चाहिए, माता-पिता के चरणों में वंदन कर उनका आशीर्वाद लेना चाहिए तथा शुद्ध मन और पवित्र भावों के साथ भगवान की पूजा करनी चाहिए। उन्होंने बच्चों को अपने घर से पूजा सामग्री लाकर नियमित रूप से अष्टप्रकारी पूजा करने का संदेश दिया। आचार्य ने चंदन, केसर, धूप, दीप, अक्षत, नैवेद्य एवं फल से की जाने वाली अष्टप्रकारी पूजा का आध्यात्मिक और व्यवहारिक महत्व विस्तार से समझाया। उन्होंने बच्चों को विधि-विधान के साथ पूजा करवाई और बताया कि इस प्रकार की पूजा से मिथ्यात्व का विसर्जन होता है और सम्यक ज्ञान की प्राप्ति होती है, जिससे जीवन में सदाचार, संयम और विवेक का विकास होता है। तीर्थ अध्यक्ष अशोक कुमठ ने बताया कि प्रातः 9 बजे सभी आराधक बच्चों ने मंदिर पहुंचकर सामूहिक चौत्य वंदन किया, जिसके पश्चात अष्टप्रकारी पूजा का विधान संपन्न हुआ। पूजा के दौरान सभी मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान नागेश्वर भाई दियावत वालों ने कराए। बच्चों ने पूर्ण एकाग्रता और श्रद्धा के साथ पूजा-अर्चना की। कुमठ ने बताया शिविर की दिनचर्या अत्यंत अनुशासित एवं प्रेरणादायी है। सभी बच्चे प्रतिदिन प्रातः 5 बजे जागरण कर प्रतिक्रमण, ध्यान और अन्य धार्मिक क्रियाएं करते हैं। तीसरे दिन कई बच्चों ने एकाशना एवं उपवास भी किए, जिससे उनमें संयम, आत्मनियंत्रण और साधना के प्रति रुचि स्पष्ट रूप से दिखाई दी। संस्कार शिविर के संपूर्ण लाभार्थी भंडारी परिवार के शैलेन्द्र भंडारी ने बताया कि यह पाँच दिवसीय संस्कार शिविर का समापन 2 जनवरी को होगा। समापन अवसर पर तीर्थ पेढ़ी द्वारा सभी सहभागी बच्चों का बहुमान एवं सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

उन्नत कृषि, पशुपालन के साथ ही किसान जैविक खेती की ओर बढ़े-श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में प्रारंभ किए गए नीमच दुग्ध समृद्धि अभियान को शासन ने प्रदेश में प्रारंभ किया गया है। यह नीमच के लिए गौरव की बात है, कि नीमच जिले से प्रारंभ हुआ यह अभियान सम्पूर्ण प्रदेश में चलाया जा रहा है। इसका लाभ पूरे प्रदेश के पशुपालकों को मिल रहा है। पशुपालक और किसान उन्नत कृषि व पशुपालन के साथ ही अब जैविक खेती की और आगे बढ़े। यह बात कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने बुधवार को नीमच विकासखण्ड के ग्राम बमोरा में दुग्ध समृद्धि सम्पर्क अभियान के तहत पशुपालक सोनू पिता कवरलाल पाटीदार के डेयरी फार्म पर पशुपालकों से संवाद करते हुए कही। इस मौके पर एसडीएम श्री संजीव साहू, उप संचालक पशुपालन डॉ.राजेश पाटीदार, डॉ.ए.आर.धाकड़, तहसीलदार श्री यशपाल मुजाल्दा व अन्य अधिकारी, पशु चिकित्सा विभाग का अमला एवं पशुपालक उपस्थित थे।

पशुपालन से खेती की तुलना में अधिक कमाई- कलेक्टर द्वारा बमोरा में पशुपालक कवरलाल पाटीदार के यहां की गई गृह भेट के दौरान प्रगतिशील पशुपालक श्री कवरलाल ने अवगत कराया, कि उनके पास 17 बीघा कृषि भूमि है और 13 उन्नत नस्ल के गायों का पशुपालन कर रहे है। परंतु वे 17 बीघा जमीन से प्राप्त आय से ज्यादा पशुपालन से कमाई कर रहे है। पशुपालन से वे प्रतिमाह 1.20 लाख रूपये का दुग्ध विक्रय कर रहे है।

पशुपालक सोनू पाटीदार ने बताया, कि उन्होने 2015 में दो गायों से पशुपालन का कार्य प्रारंभ किया था, वर्तमान में उनके पास 13 दुधारू गाय है। इससे वे प्रतिदिन दो समय सुबह शाम कुल 2 क्विंटल दुग्ध उत्पादन कर रहे है। उत्पादित दुध 37-38 रूपये प्रति लीटर के भाव से सांची दुग्ध समिति कुचडौद को विक्रय कर रहे है, इससे उन्हें हर माह 1.20 लाख रूपये की आमदनी हो रही है। वे पशुओं को सांची का सुदाना पशु आहार खिलाते है। उन्होने अपने डेयरी फार्म पर पशुओं के लिए पेयजल, पशुआहार व दुग्ध निकालने के लिए मशीन की समुचित व्यवस्था कर रखी है। दुग्ध उत्पादन कर सोनू पाटीदार एवं उनका परिवार आर्थिक रूप से समृद्ध हो गया है।

इस मौके पर उप संचालक पशुपालन डॉ.राजेश पाटीदार ने पशुपालकों के लिए संचालित विभागीय ऋण एवं अनुदान योजनाओं की जानकारी देकर उनका लाभ उठाने की प्रक्रिया बताई तथा पशुओं के स्वास्थ्य की देखभाल, पशु प्रजनन के बारे में भी बताया। उन्होने पशुपालकों को नस्ल सुधार के लिए पशुओं में सेक्स सोर्टेड सीमन से कृत्रिम गर्भादान करवाने के बारे में भी जानकारी दी।

विवाह सम्मेलन 20 फरवरी को, 121 जोड़े का लक्ष्य, 61 के हुए पंजीयन, लाभ उठाएं-पंडित पाराशर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रोटी राम गोशाला बेहपुर में दूसरा सबसे बड़ा हिंदू समाज का मुख्यमंत्री विवाह सम्मेलन 20 फरवरी को आयोजित होगा। जिसका लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्तियों को कैसे मिले उसके लिए हम सभी का प्रयास होना चाहिए। यह बात भगवताचार्य पं. हरिओम पाराशर ने रविवार को आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही।

बैठक में विवाह सम्मेलन समिति के अध्यक्ष दशरथ बैरागी ने भी विवाह सम्मेलन की विस्तृत जानकारी दी और आयोजन को कैसे व्यापक बनाए, इसके लिए सभी मौजूद सदस्यों से सुझाव मांगे।

विदित है कि आगामी नव वर्ष में 20 फरवरी को जिले के बेहपुर गोशाला में दूसरी बार व्यापक तौर पर सर्व हिन्दू समाज का मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह सम्मेलन आयोजित होगा, जिसका 121 जोड़े का लक्ष्य रखा गया। विवाह सम्मेलन में 61 जोड़े का पंजीयन हो चुका , विवाह सम्मेलन समिति ने आव्हान किया कि इसको बड़े स्तर पर ले जाकर 121 जोड़े का पंजीयन प्रक्रिया जारी है। बैठक में प्रमुखरूप से सर्वश्री सचिव बापूलाल टांक, उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राठौड़, नागेंद्रसिंह सिसोदिया, वीरेंद्र सिंह देवड़ा, शेरसिंह सिसोदिया जनपद सदस्य, अर्चना टांक, माया मेडम मौजूद थे। बैठक का संचालन सचिव मोती सिंह ने किया।

तुलसी विवाह के लिए बोली जारी- सर्व हिन्दू समाज विवाह सम्मेलन के उपरांत तुलसी विवाह आयोजित होगा, जिसका जो सज्जन बहुमान लेना चाहते वे बोली लगा कर पुण्य कमा सकते है। ये बोली 51 हजार पहुंची थी और हर रविवार को गोशाला में आयोजित बैठक में पहुंचकर बोली लगा सकते हैं।

युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष श्याम टेलर का नीमच दौरा, विधायक दिलीप बापू के साथ कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष श्याम टेलर का नीमच आगमन शहर में उत्साह और जोश के साथ हुआ। उनके स्वागत के लिए विधायक दिलीप सिंह परिहार समेत कार्यकर्ताओं की भारी संख्या शहर में जमा हुई, जिससे राजनीतिक हलचल भी देखने को मिली।

युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने प्रदेशाध्यक्ष के स्वागत के लिए रंग-बिरंगे झंडे और बैनर सजाए। स्वागत समारोह के दौरान युवा नेताओं और कार्यकर्ताओं में सक्रियता और जोश स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने श्याम टेलर का फूल मालाओं से स्वागत किया और उन्हें नीमच की युवा शक्ति का प्रतिनिधित्व करते हुए सम्मानित किया। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के स्थानीय नेताओं ने आगामी योजनाओं और कार्यक्रमों को लेकर भी कार्यकर्ताओं को जानकारी दी।

नीमच में प्रदेशाध्यक्ष के आगमन से शहर में राजनीतिक गतिविधियों में उत्साह और ऊर्जा का माहौल बना रहा।

खाद्य सुरक्षा टीम ने तीन फर्मो का निरीक्षण किया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री यशवंत कुमार शर्मा ने बताया, कि खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में शिकायत के आधार पर 3 फर्मो की आकस्मिक जांच मंगलवार को रात्रि में की गई। इस जांच कार्यवाही में टीम द्वारा 6 नमूने लिए गये है। इस जांच कार्यवाही में टीम द्वारा 6 नमूने लिए गये हैं। जिन्हें जांच के लिए भेजा गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री यशवंत शर्मा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया, कि खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा श्री धानुका आयल प्रोडेक्ट कनावटी, श्री शाकम्भरी एग्रो इंडस्ट्रीज कनावटी एवं द शिवा बेकर्स हुडको चौराहा नीमच का निरीक्षण कर, श्री धानुका आयल प्रोडेक्ट से मूंगफली, खाद्य तेल के चार नमूने, फर्म श्री शाकम्भरी एग्रो इंडस्ट्रीज से सींगदाना का एक नमूना और द शिवा बेकर्स से चाकलेट ट्रफल केक का एक नमूना जांच के लिए लेकर राज्य प्रयोगशाला भेजा गया हैं। नमूनो को जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर, आगामी कार्यवाही की जावेगी।

प्रशासन गांव की ओर अभियान तहत नीमच जिले में 5 हजार से अधिक हितग्राही लाभांवित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में सुशासन की दिशा में अभिनव पहल प्रशासन गांव की और अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले में 22 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 तक ग्राम पंचायत कलस्टर मुख्यालयों पर विशेष शिविर आयोजित किए जाकर, हितग्राहियों को लाभांवित किया जा रहा है। बुधवार को आयोजित शिविरों में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा, राजस्व एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 5 हजार से अधिक हितग्राहियों को सेवाएं प्रदान कर लाभांवित किया गया है।

विशेष राजस्व शिविरों में 2606 आवेदन प्राप्त - 471 निराकृत- प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत बुधवार को जिले में आयोजित विशेष राजस्व शिविरों में कुल 2606 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 471 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शेष 2135 आवेदन लंबित रखे जाकर, संबंधित तहसीलदार द्वारा उनका समय सीमा में निराकरण करने की कार्यवाही की जा रही है। अभियान के तहत नामांतरण के 579, बंटवारा के 250, सीमांकन के 51, कब्जा विवाद के 21, रास्ता विवाद के 72, खसरे नक्शे में बटांकन के 233, राजस्व पुलिस के मध्यस्थता संबंधी 18 आवेदन प्राप्त हुए है। राजस्व रिकार्ड मे आदेश अमल के 193, बी1 वाचन उपरांत रिकार्ड सुधार के 482 आवेदन, ग्राम आबादी के प्रस्ताव 37, फार्मर रजिस्ट्री के 214, आरओआर केवायसी के 347, नक्शे में त्रुटिसुधार के 130 आवेदन प्राप्त हुए है। इनमें से कुल 471 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया है।

377 समग्र ईकेवायसी अपडेट, 362 आवास हितग्राहियों का सत्यापन- प्रशासन गांव की ओर अभियान के तहत बुधवार को जिले में आयोजित शिविरों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा 11 स्थानों पर वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। मनरेगा के 377 हितग्राहियों की ई-केवायसी अपडेट, प्रधानमंत्री आवास के 362 हितग्राहियों का चेकर सत्यापन, 102 आवास हितग्राहियों की समग्र सिंडिंग, 164 हितग्राहियों की समग्र आईडी समस्या का समाधान, पेंशन योजना के हितग्राहियों के 52 नये आवेदन प्राप्त कर, उनका सत्यापन, शौचालय निर्माण के नवीन 82 हितग्राहियों का चिंहाकन, संबल कर्मकार के 43 नये हितग्राहियों का पंजीयन किया गया है। अमृत सरोवर, डगवेल, खेत तालाब , मां की बगिया के 22 कार्यो के मस्टर जारी कर मजदूरी की बुकिंग, 10 कार्यो की मटेरियल देयकों की बुकिंग की गई। शिक्षा विभाग द्वारा संकुल स्तर पर आयोजित शिविरों में 655 विद्यार्थियों के नये जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए आवेदन तैयार किए गए।

नीमच कृषि मंडी में बीस साल बाद मुकाबला सीधा या आरपार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि उपज मंडी व्यापारी संघ चुनाव के लिए अध्यक्ष पद के लिए सीधा मुकाबला है,वहीं कार्यकारिणी के लिए 23 उम्मीदवार मैदान में है। सभी ने जीत के लिए प्रयास शुरू कर दिए है। लोगों की निगाहें इन दिनों अध्यक्ष पद के मुख्य मुकाबले पर टिकी हुई है। राकेश भारद्वाज अफसर और गोपाल गर्ग (जीजी) अपनी-अपनी जीत की जुगत में लग गए हैं। इसके लिए व्यापारियों की मनुहार होने लगी हैज्कृषि मंडी व्यापारी संघ के चुनाव में इस बार सियासी सरगमी तेज है।

सम्पादकीय

नल से ज़हर, मंच से पुरस्कार- यही है विकास का सच?

मध्यप्रदेश का इंदौर शहर, जिसे वर्षों से देश की स्वच्छता राजधानी कहा जाता रहा है, आज एक ऐसी पीड़ा का प्रतीक बन गया है जिसने इस तमगे की सच्चाई पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। जिस शहर को ÷स्वच्छ भारत अभियान÷ का आदर्श मॉडल बताया जाता है, वहीं भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने से लोगों की जान जाना केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि व्यवस्था की गहरी विफलता का प्रमाण है। पानी, जिसे जीवन का आधार माना जाता है, जब वही मृत्यु का कारण बन जाए तो यह पूरे तंत्र के लिए आत्ममंथन का क्षण होना चाहिए। चमकती सड़कों, पुरस्कारों और प्रशस्ति पत्रों के पीछे छिपी यह सच्चाई आज सामने आ चुकी है कि स्वच्छता का अर्थ केवल दिखावा बनकर रह गया है। एक ओर शहर की छवि चमकाई जाती रही, दूसरी ओर नलों से ऐसा पानी बहता रहा जो नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हुआ। यह त्रासदी केवल कुछ घरों तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे प्रशासनिक मॉडल पर प्रश्नचिह्न है।

इस घटना की जड़ें अचानक नहीं उभरीं, बल्कि वर्षों की उपेक्षा और लापरवाही में छिपी हैं। जानकारी के अनुसार जल आपूर्ति व्यवस्था में सीवेज का पानी मिल गया, जिससे संक्रमण फैला और बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़े। यह केवल तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि सतत निगरानी के अभाव का नतीजा है। नगर व्यवस्था जिन पाइपलाइनों के सहारे लाखों लोगों को पानी पहुंचाती है, उनकी नियमित जांच और मरम्मत अनिवार्य होनी चाहिए थी, लेकिन इसे लगातार टाला गया। परिणाम यह हुआ कि एक सामान्य परिवार का सदस्य, जिसने रोज़ की तरह नल से पानी पिया, अस्पताल के बिस्तर तक पहुंच गया। किसी घर में बुजुर्ग की हालत बिगड़ी, कहीं महिलाएं और बच्चे उल्टी-दस्त से जूझते दिखे। अस्पतालों में अफरा-तफरी मच गई। यह दृश्य उस शहर के लिए शर्मनाक है जो खुद को जल प्रबंधन में अग्रणी बताता है। सवाल उठता है कि जब प्रमाणपत्र और दावे मौजूद थे, तो ज़मीनी हकीकत इतनी भयावह कैसे हो गई?

यह त्रासदी प्रशासनिक जवाबदेही की कमजोर कड़ी को भी उजागर करती है। घटना के बाद कुछ अधिकारियों पर कार्रवाई की घोषणा कर देना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। जब किसी व्यवस्था की लापरवाही से नागरिकों की जान जाती है, तो जिम्मेदारी केवल निचले स्तर के कर्मचारियों तक सीमित नहीं रह सकती। पूरी श्रृंखला की जवाबदेही तय होनी चाहिए। नगर प्रशासन और राजनीतिक नेतृत्व, जिनके अधीन जल आपूर्ति तंत्र संचालित होता है, उनकी भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठते हैं। यह पहली बार नहीं है जब दूषित पानी की शिकायतें सामने आई हों। पहले भी अलग-अलग इलाकों से ऐसी चेतावनियाँ आती रही हैं, लेकिन उन्हें या तो नजरअंदाज किया गया या अस्थायी मरम्मत कर मामला दबा दिया गया। यही लापरवाही धीरे-धीरे एक बड़े संकट का रूप लेती चली गई। स्वच्छता पुरस्कारों की चमक ने असली समस्याओं पर परदा डाल दिया और बुनियादी सेवाएं हाशिये पर चली गईं।

इस पूरे मामले में एक गहरी सामाजिक असमानता भी स्पष्ट दिखाई देती है। अक्सर देखा गया है कि संपन्न इलाकों में फिल्टरयुक्त पानी, निजी टैंकर और वैकल्पिक व्यवस्थाएं उपलब्ध रहती हैं, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग पूरी तरह सरकारी आपूर्ति पर निर्भर होता है। जब वही आपूर्ति जहरीली बन जाती है, तो सबसे अधिक नुकसान इन्हीं वर्गों को उठाना पड़ता है। यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि सामाजिक अन्याय भी है। स्वच्छता और सुरक्षित पानी यदि अधिकार हैं, तो वे सभी के लिए समान रूप से होने चाहिए। किसी शहर का मूल्यांकन उसकी सड़कों या रैंकिंग से नहीं, बल्कि इस बात से होना चाहिए कि उसका सबसे कमजोर नागरिक कितना सुरक्षित है। यदि गरीब बस्तियों में रहने वाले लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं, तो किसी भी तरह का वाटर प्लस का तमगा खोखला साबित होता है।

इस घटना ने लोकतंत्र में नागरिकों की भूमिका पर भी गंभीर चर्चा छेड़ दी है। सवाल पूछना नागरिक का अधिकार है, अपराध नहीं। जब लोग अपने स्वास्थ्य और जीवन से जुड़े मुद्दों पर आवाज उठाते हैं, तो उन्हें विरोधी या साजिशकर्ता बताकर खारिज करना खतरनाक प्रवृत्ति है। शिकायत करना व्यवस्था को बेहतर बनाने की पहली सीढ़ी होती है। जिन इलाकों में यह हादसा हुआ, वहां पहले भी लोगों ने पानी की गुणवत्ता को लेकर चेतावनी दी थी, लेकिन उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लिया गया। अब जब हालात बिगड़ चुके हैं, तब जांच समितियों और आश्वासनों की बाढ़ आ गई है। इतिहास गवाह है कि ऐसी समितियां अक्सर समय के साथ निष्क्रिय हो जाती हैं और दोषियों तक बात नहीं पहुंचती। पीड़ित परिवार मुआवजे के भरोसे छोड़ दिए जाते हैं, जबकि मूल समस्या जस की तस बनी रहती है। यह स्थिति प्रशासन और जनता के बीच विश्वास को गहरा आघात पहुंचाती है।

सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर उठ रही आवाजें इस असंतोष का प्रतीक हैं। लोग सवाल कर रहे हैं, जवाब मांग रहे हैं और पारदर्शिता की अपेक्षा कर रहे हैं। यह लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है, बशर्ते इसे दबाने के बजाय सुना जाए। प्रशासन को आलोचना को चुनौती नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में देखना चाहिए। जब सवालों से डर पैदा होता है, तब यह संकेत मिलता है कि व्यवस्था के भीतर कुछ छिपाने की कोशिश हो रही है। स्वस्थ लोकतंत्र वही है जहां सत्ता जवाब देने के लिए तैयार हो और गलतियों को स्वीकार कर उन्हें सुधारने की इच्छाशक्ति रखे।

अब समय आ गया है कि इस त्रासदी से ठोस सबक लिया जाए। केवल बयान, जांच और निलंबन पर्याप्त नहीं हैं। जल आपूर्ति प्रणाली का व्यापक और तकनीकी सुधार आवश्यक है। पाइपलाइनों की नियमित जांच, आधुनिक सेंसर आधारित निगरानी, समय-समय पर जल परीक्षण और उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करना अनिवार्य होना चाहिए।

नव वर्ष द्योतक है, परिवर्तन, प्रगति और विकास का

संपूर्ण विश्व इस समय नव वर्ष के उल्लास से ओतप्रोत है। प्रत्येक व्यक्ति नई ऊर्जा, नए संकल्पों के साथ नव वर्ष का स्वागत करना चाहता है और यह उत्साह होना ही चाहिए। पर इस वर्ष एक संकल्प स्वयं से स्वयं की पहचान का भी किया जाना चाहिए।जैसा कि सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने अपनी अमृतवाणी में वर्णित किया है कि, जीवन एक चक्र है। यदि चक्र नहीं है तो जीवन भी नहीं है और चूंकि चक्र शुरू होता है, इसलिए एक नए साल की शुरुआत भी करनी पड़ती है। जीवन है तो प्रकृति में भी परिवर्तन देखा होगा। ऐसा ही होना है क्योंकि अगर बीज को विकसित होना है तो उसे वृक्ष बनना है, वृक्ष को फल बनना है, और फलों को बीज बनना है। परिवर्तन हर समय होता है और परिवर्तन प्रगति, विकास, जीवन को ही दर्शाता है।

इसलिए, जीवन की कविता हर समय खुद को, अपने मिजाज, अपने स्वर को तब तक बदलती रहती है, जब तक कि वह उस बिंदु तक नहीं पहुंच जाती जहां उसे लगता है कि वह अपनी सुंदरता को अपने पूरे तरीके से प्रकट कर सकती है। और वह समय आज आ गया है क्योंकि यह आत्मज्ञान का युग है और इसलिए ज्ञान को आना ही है। हमें यह समझना होगा कि यह जीवन इस प्रकार क्यों बना है, वे कौन-सी अंतर्धाराएँ हैं जिन्होंने इस जीवन का निर्माण किया है। हम यहां कैसे हैं? ये अंडरकरंट्स हमारे भीतर कैसे काम करते हैं? ये केंद्र और चक्र, जिन्हें नग्न आंखों से नहीं देखा जा सकता, कैसे कार्य कर रहे हैं? अब लोगों ने इसके बारे में लिखा है, इसके बारे में बात की है, इसके बारे में कहा है लेकिन किसी ने इसे महसूस नहीं किया है। तो, यह आत्मज्ञान का युग है जहाँ आप उन्हें महसूस करते हैं, जहाँ आप समझते हैं कि वे आपके भीतर न केवल मानसिक रूप से मौजूद हैं बल्कि आपके भीतर एक वास्तविक अनुभव की तरह भी मौजूद हैं।

नव वर्ष में राष्ट्रीय हित, राष्ट्र गौरव और राष्ट्रीय स्वाभिमान प्राथमय

नव वर्ष 2026 का आगमन हो चुका है, आप सभी को अनंत शुभकामनाएं ।अब हमारा कर्तव्य बन जाता है कि तन मन धन को स्वस्थ रख एक सशक्त ऊर्जावान शक्तिशाली राष्ट्र का निर्माण करने में अपना समग्र योगदान प्रदान करें। मानव जीवन में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन होता हैद्य मनुष्य यदि स्वस्थ्य नहीं रहेगा तो वह न तो परिवार व समाज में रचनात्मक भूमिका निभा सकता है और ना ही राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकता हैद्य तन के स्वस्थ रखने के साथ मानसिकता यानी मन को स्वस्थ रखना होगा अन्यथा उसका जीवन निराश एवं कुंठा ग्रस्त रह सकता हैद्य इसीलिए स्वास्थ्य को जीवन का अनमोल रत्न माना जाता है या यूं कहें कि स्वास्थ्य ही धन होता हैद्य इसीलिए भारत में 2019 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर फिट इंडिया अभियान की शुरुआत की गई, जिसके माध्यम से लोगों को खेल और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाना है जिससे स्वस्थ भारत स्वच्छ भारत और सशक्त भारत का निर्माण हो सकेद्य भारत को एक प्रगतिशील एवं मजबूत राष्ट्र बनाने की आवश्यकता हैद्य इसी संदर्भ में भारत सरकार द्वारा एक महत्वकांक्षी योजना बनाकर इसके माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना हैद्य इस अभियान को जन आंदोलन के रूप में पूरे भारत में विस्तृत कर पूरे भारतीय जनमानस को स्वास्थ्य के प्रति स्वच्छता के प्रति लगाव पैदा कर पूर्व संपूर्ण भारत को स्वस्थ बनाने का धीरे लेकर आगे बढ़ना होगाद्य फिट इंडिया मूवमेंट आगामी कई वर्षों तक संचालित रहेगा स्वास्थ्य को लेकर अलग-अलग विषयों पर अभियान चलाया जाएगा शुरुआत शारीरिक फिटनेस से,फिर भोजन की आदतें, तीसरे वर्ष पर्यावरण अनुकूलता और जीवन शैली पर प्रभाव,फिर रोगों तथा बीमारियों को दूर करने के तरीकों के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा भारत सरकार की स्वास्थ्य रिपोर्ट के अनुसार 1990 से लेकर 1920 के बीच गैर संक्रामक बीमारियां बढ़ने की दर 55त्न हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कुपोषण के आंकड़े और भी ज्यादा गंभीर है। भारत सरकार की स्वास्थ्य रिपोर्ट के अनुसार हार्ट फेल, टी बी,अस्थमा डायबिटीज और क्रॉनिक किडनी डिजीज की वजह से देश में सबसे ज्यादा मृत्यु होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सबसे स्वस्थ्य देशों की सूची में भारत का प्रदर्शन काफी निराशाजनक है। इस रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य की सूची में स्पेन पहले नंबर पर है और भारत 120 वें नंबर पर है। भारत के संदर्भ में यह आंकड़े अत्यंत प्रतिकूल हैं,यह दर्शाते हैं कि भारत की आम जनता स्वास्थ तथा फिटनेस के प्रति कितनी गैर जिम्मेदार है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही के कारण हर साल भारत में हजारों लोग मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं। स्वास्थ्य गत कमी के कारण लोगों की मृत्यु तो होती ही है, साथ में आर्थिक क्षति की बहुत बड़ी होती है। इतनी ज्यादा मृत्यु तथा आर्थिक क्षति से देश की प्रगति तथा विकास में भी बाधा उत्पन्न होती है। भारत में वस्तुतः सभी प्रकार की बीमारी का मूल कारण भारतीय जनमानस की अनियमित जीवन शैली है। लोग अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देते, व्यायाम करने की जगह आराम करना पसंद करते हैं,जिस कारण भारत में स्वास्थ्य संकट दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है और इसीलिए फिट इंडिया मूवमेंट के संचालन की आवश्यकता बढ़ गई है, जिससे लोगों को उनकी सेहत के प्रति जागरूक किया जाना अत्यंत आवश्यक है। पूरा विश्व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक है पड़ोसी देश चीन ने स्वस्थ चाइना मिशन 2030 तक चलाने का एक कार्यक्रम बनाया है। ऑस्ट्रेलिया ने भी वर्ष 2030 तक अपने नागरिकों को आलस भगाने तथा शारीरिक गतिविधियां बढ़ाने का मिशन चलाया है। जर्मनी ने फिट इनडीड ऑफ फैट अभियान चला रखा है। अमेरिका भी एक विशाल देश है जहां 32 करोड़ जनसंख्या है, उसने भी अपने नागरिकों को स्वस्थ तथा फिट रखने का अभियान चलाकर लोगों को फिटनेस ट्रेनिंग मुहैया करा दी है। मूलतः स्वस्थ रहने से अनेक बीमारियां स्वतह दूर चली जाती हैं, एवं बीमारियों में होने वाला खर्च की बचत भी होती है। इसके अलावा स्वस्थ व्यक्ति की कार्य क्षमता अत्यधिक बढ़ जाती है। स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन राष्ट्रीय निर्माण में सहायक होता है। नियमित व्यायाम तथा योगा करने से हार्ट, डायबिटीज,ब्लड प्रेशर आदि की बीमारियों से बचा जा सकता है हिंदुस्तान में ह्रदय रोग डायबिटीज और ब्लड प्रेशर के लाखों मरीज क्ष्हैं, और सबसे ज्यादा इलाज में इन्हीं लोगों में धनराशि खर्च की जाती है अतः जनमानस को स्वस्थ रखकर इन बीमारियों से दूर रखने के लिए भारत सरकार ने क्षिट इंडिया मूवमेंट चला रखा है जिससे जनमानस का स्वास्थ अच्छा रहकर विकास तथा प्रगति की राह पर इनके योगदान को बढ़ाया जा सके। शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार व्यक्ति के जीवन में पारिवारिक व्यक्तिगत संबंधों एवं व्यवसाय तथा आर्थिक गतिविधियों एवं हर सामाजिक पहलू पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च को भी कम करके आप परिवार तथा समाज में सहायता प्रदान कर सकते हैं, एवं इससे आपको आर्थिक लाभ का भी फायदा होता है। भारत में यदि स्वस्थ्य जनमानस होगा तो सकल घरेलू उत्पाद में 2 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है उत्पादकता और आय में बढ़ोतरी होगी क्योंकि स्वास्थ्य में सुधार होने से बीमारी में होने वाले खर्च में बहुत कमी होने की संभावना होती है। इस तरह राष्ट्रीय परिपेक्ष में आमजन को स्वस्थ रहना सरकार की सफलता ही होगी। क्योंकि व्यक्ति से समाज बनता है और समाज से राष्ट्र बनता है एक व्यक्ति का मस्तिष्क तथा शरीर यदि स्वस्थ रहें तो संपूर्ण समाज स्वस्थ रहेगा और इस तरह संपूर्ण राष्ट्र स्वस्थ रहेगा और स्वस्थ रहने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार पूरे देश में होगा। इस तरह राष्ट्र की प्रगति तथा विकास द्रुत गति से होने लगेगा, अतः स्वस्थ रहें मस्त रहें और यह समझ ले कि स्वास्थ ही एक बड़ा धन होता है।

-संजीव ठाकुर

अरावली पर सुप्रीम कोर्ट की रोकः पर्यावरण संरक्षण के नजरिये पर पुनर्विचार का मौका

सर्वोच्च न्यायालय ने 20 नवंबर के अपने उस निर्णय पर रोक लगा दी है जिसमें सरकार की विशेषज्ञ समिति द्वारा दी गई अरावली पर्वत श्रृंखला की परिभाषा को बरकरार रखा गया था। यह कदम देश में पर्यावरण संरक्षण को लेकर गहरे दोषपूर्ण नजरिये में सुधार का अवसर प्रदान करता है। सर्वोच्च न्यायालय के तीन न्यायाधीशों वाले एक पीठ ने, जिसकी अध्यक्षता देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत कर रहे थे, पर्यावरण कार्यकर्ताओं और सामाजिक नागरिक समूहों के तीव्र विरोध के बाद इस मामले का स्वतः संज्ञान लेने का निर्णय लिया। यह समीक्षा इस स्वीकारोक्ति को दर्शाती है कि जरूरी नहीं कि कानूनी वर्गीकरण आवश्यक रूप से पर्यावरण संरक्षण के अनुरूप हो, जो विश्वभर में हरित नीति का एक महत्त्वपूर्ण तत्त्व बनकर उभरा है।

नवंबर में सर्वोच्च न्यायालय ने सरकार की उस सिफारिश को स्वीकार कर लिया था जिसमें अरावली की एक समान परिभाषा दी गई थी। कहा गया था कि ऐसी पहाड़ियां स्थानीय जमीन से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंची हों, तथा पहाड़ी समूह और वे ढलानें जो एक-दूसरे से 500 मीटर की दूरी के भीतर स्थित हों, उन्हें अरावली पर्वत श्रृंखला के तहत माना जाएगा। यह तब था जबकि भारतीय वन सर्वेक्षण के आंकड़ों ने पहले ही संकेत दिया था कि ऐसी परिभाषा अरावली क्षेत्र के 90 फीसदी से अधिक हिस्से, जिसे ऐतिहासिक रूप से गुजरात से दिल्ली तक फैला हुआ माना जाता है, को कानूनी संरक्षण से बाहर कर देगी और इस प्रकार उसे खनन और पत्थर खदानों के लिए खुला छोड़ देगी। इस परिभाषा को अपनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने अपने पूर्ववर्ती विचारों का ही विरोध किया।

जिस परिभाषा का सुझाव दिया गया, वह राजस्थान सरकार द्वारा लागू मानदंडों से मेल खाती थी, जिन्हें देश की सबसे बड़ी अदालत ने 2010 में अस्वीकार कर दिया था। इसके बजाय, अदालत ने भारतीय वन सर्वेक्षण को निर्देश दिया था कि वह पूरे अरावली क्षेत्र की सैटेलाइट इमेजिंग करे, न कि केवल उन हिस्सों की जो 100 मीटर की सीमा से ऊपर हैं, और अवैध खनन का पता लगाए। सर्वेक्षण में यह सामने आया कि राज्य की 128 अरावली पहाड़ियों में से 31 खनन और पत्थर खदानों के कारण गायब हो चुकी थीं। अदालत द्वारा गठित केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति ने भी निष्कर्ष निकाला कि परंपरागत और स्थानीय समझ के अनुसार केवल ढलान और ऊंचाई के मानदंडों का उपयोग करके अरावली को परिभाषित करना 'समावेशन त्रुटियों' की ओर ले जाएगा, क्योंकि अरावली का पूरा भूभाग, जो 34 जिलों में फैला है, पहाड़ी नहीं है।

सर्वोच्च न्यायालय को शायद अपनी समीक्षा में और आगे जाना चाहिए था। उसके आदेशों के बाद सरकार ने समूची अरावली श्रृंखला में नए खनन लाइसेंसों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। परंतु पहले से ही दिखाई देने वाली पर्यावरणीय क्षति को देखते हुए, सभी प्रकार के खनन और पत्थर खदानों पर प्रतिबंध लगाना बेहतर होता। पीठ ने एक उच्चस्तरीय समिति गठित करने का प्रस्ताव रखा है।

-धनंजय राजौरा

पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, वैश्विक समाधान समझें

वैश्विक परिवार दिवस, शान्ति और साझेदारी का एक दिन, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रतिवर्ष 1 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दी समारोह, 'शान्ति में एक दिन' से विकसित हुआ। समग्र विश्व एक वैश्विक ग्राम है और हम सभी इस बृहत्-परिवार का हिस्सा हैं। भारत ने तो वसुधैव कुटुम्बकम् का उद्घोष करते हुए समूची दुनिया को एक परिवार ही माना है। वैसे भारत की परिवार परम्परा दुनिया के लिये अनुकरणीय है। हम सभी एक परिवार हैं, चाहे हमारी नागरिकता, धर्म, जाति, सीमाएं या नस्ल कुछ भी हो। समग्र मानव जाति को एक साथ आना चाहिए और प्रेम और शान्ति में विश्वास करना चाहिए और विश्व में सुख और आशा लाने हेतु इसका अभ्यास करना चाहिए। संसार संघर्षों, युद्धों, उपद्रवों, कष्ट और पीड़ा से भरा पड़ा है। यदि हम सभी एक साथ आएं और दुनिया को प्रेम और धैर्य से ठीक करें, तो हम सभी खुशी से और अपने हृदयों में आशा के साथ रह सकते हैं। वैश्विक परिवार दिवस विविधता एवं एकता और विश्व शान्ति और अहिंसा महत्त्व के बारे में जागरूकता लाता है।

इस दिवस की शुरुआत 1997 में हुई जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने नव सहस्राब्दी के पहले दिन से विश्व के बच्चों के लिए शांति और अहिंसा की संस्कृति के अंतर्राष्ट्रीय दशक की शुरुआत की। लिंडा ग्रोवर ने अमेरिका में इसे बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसे बढ़ावा देने के अन्य प्रयासों में 'वन डे इन पीस - जनवरी 1, 2000' जैसी पुस्तकें शामिल थीं। यह पुस्तक भविष्य में एक ऐसे दिन की अवधारणा पर आधारित थी जहाँ केवल शांति हो और कोई युद्ध न हो। हालांकि, यह एक नए शांतिपूर्ण विश्व की शुरुआत मात्र थी और 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों को उस वर्ष के पहले दिन को शांति निर्माण की रणनीतियों को विकसित करने के लिए समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए, संयुक्त राष्ट्र ने 2001 में वैश्विक परिवार दिवस को वार्षिक आयोजन घोषित कर दिया।

प्रत्येक वर्ष परिवार की भूमिका, उसकी बदलती संरचना और सामाजिक प्रासंगिकता पर विचार करने का अवसर देने वाला वैश्विक परिवार दिवस आज के समय में केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि वह आधुनिक समाज की सबसे गहरी विडंबनाओं और चुनौतियों को उजागर करने वाला एक चिंतन-दिवस बन गया है। परिवार मानव जीवन की वह मूल इकाई है, जहाँ व्यक्ति का भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक निर्माण होता है। भारतीय संदर्भ में परिवार केवल रक्त-संबंधों का समूह नहीं रहा, बल्कि वह संस्कारों की पाठशाला, शांति, सहयोग एवं सौहार्द की प्रयोगभूमि और जीवन-मूल्यों का आधार रहा है। इसी परिवार-परंपरा ने भारत को सदियों तक सामाजिक स्थिरता, अहिंसा, सहिष्णुता और मानवीय करुणा का देश बनाए रखा। आज विडंबना यह है कि जिस भारतीय परिवार व्यवस्था को दुनिया एक आदर्श मॉडल के रूप में देख रही है, उसी भारत में वह धीरे-धीरे उपेक्षा और विस्मृति का शिकार होती जा रही है।

वैश्वीकरण, शहरीकरण, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावादी जीवनशैली ने परिवार को सुविधा-केंद्रित इकाई में बदल दिया है। संयुक्त परिवारों का विघटन, एकल परिवारों का बढ़ना और रिश्तों में औपचारिकता का प्रवेश इस परिवर्तन की स्पष्ट पहचान है। माता-पिता दोनों के कार्यरत होने की स्थिति में बच्चों के साथ समय बिताना एक चुनौती बन गया है। परिणामस्वरूप बचपन, जो कभी परिवार के स्नेह, संवाद और अनुभवों से संवरता था, आज स्क्रीन, अकेलेपन और भावनात्मक रिक्तता के बीच पनप रहा है। बच्चों के जीवन में माता-पिता की अनुपस्थिति केवल समय की कमी नहीं है, बल्कि वह सुरक्षा, संवाद और मार्गदर्शन की कमी भी है। परिवार का वह सहज वातावरण, जहाँ प्रश्न पूछे जा सकते थे, गलतियाँ स्वीकार की जा सकती थीं और भावनाएँ साझा की जा सकती थीं, आज धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। बुजुर्ग, जो कभी परिवार की धुरी हुआ करते थे, अनुभव और संस्कार के संवाहक थे, आज कई घरों में हाशिये पर खड़े दिखाई देते हैं। उनके पास समय नहीं, धैर्य नहीं और कभी-कभी सम्मान भी नहीं बचा। यह स्थिति केवल पीढ़ियों के बीच दूरी नहीं बढ़ा रही, बल्कि समाज को उसके नैतिक आधार से भी वंचित कर रही है।

दूसरी ओर, यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि वैश्विक स्तर पर आज परिवार की भूमिका को नए सिरे से समझा जा रहा है। पश्चिमी देशों में, जहाँ अत्यधिक व्यक्तिगत स्वतंत्रता ने सामाजिक अकेलेपन को जन्म दिया, अब परिवार, साझेदारी और सामूहिक जीवन की पुनर्स्थापना पर गंभीर विमर्श हो रहा है। इसी क्रम में वैश्विक परिवार दिवस को केवल परिवार के रूप में नहीं, बल्कि शांति, सहयोग और साझेदारी के प्रतीक के रूप में भी देखा जाने लगा है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में इस दिवस को शांति और साझेदारी के वैश्विक दिवस के रूप में भी परिवार और मानवीय संबंधों के महत्व को रेखांकित किया जाता है। यह संकेत देता है कि परिवार केवल निजी जीवन की इकाई नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और सामाजिक संतुलन की आधारशिला भी है।

दुनिया भर में संस्कृतियाँ और धर्म अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि पूरी मानव जाति एक बड़ा परिवार है जो एकजुट होकर ही जीवित रह सकती है। इस वर्ष वैश्विक परिवार दिवस की थीम परिवार, शिक्षा और कल्याणः आज और भविष्य इस तथ्य की ओर संकेत करती है कि परिवार की भूमिका केवल बच्चों को पालने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह शिक्षा का पहला केंद्र और कल्याण का स्थायी आधार है।

वैश्विक परिवार दिवस की प्रासंगिकता इसी बिंदु पर सबसे अधिक उभरकर सामने आती है कि परिवार केवल रहने की व्यवस्था नहीं, बल्कि जीने की संस्कृति है। परिवार में बिताया गया समय निवेश है, व्यय नहीं। बच्चों के साथ संवाद, बुजुर्गों के साथ सहभागिता और रिश्तों के बीच संवेदनशीलता समाज के दीर्घकालिक स्वास्थ्य की गारंटी है। यदि आज परिवार टूट रहे हैं, तो उसका प्रभाव केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह सामाजिक असंतुलन, मानसिक तनाव और मूल्यहीनता के रूप में व्यापक रूप से सामने आएगा। इस संदर्भ में आवश्यक है कि हम परिवार को नए दृष्टिकोण से देखें। आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। कार्य और परिवार के बीच प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण हो। डिजिटल सुविधाओं के साथ मानवीय संवाद को भी उतना ही महत्व दिया जाए। बच्चों के लिए समय निकालना दायित्व नहीं, बल्कि भविष्य के समाज में निवेश के रूप में समझा जाए। बुजुर्गों को केवल सहारा नहीं, बल्कि मार्गदर्शक के रूप में पुनः स्वीकार किया जाए।

वैश्विक परिवार दिवस और शांति व साझेदारी का वैश्विक संदेश हमें यह सिखाता है कि परिवार जितना सशक्त होगा, समाज उतना ही शांत और सहयोगी बनेगा। परिवारों में संवाद होगा तो समाज में टकराव कम होंगे। परिवारों में साझेदारी होगी तो राष्ट्रों के बीच भी सहयोग की भावना मजबूत होगी। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, बल्कि वैश्विक समाधान के रूप में देखे। अंततः वैश्विक परिवार दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। यदि परिवार सशक्त हुए तो शांति, साझेदारी और मानवीय मूल्यों का भविष्य सुरक्षित रहेगा। भारतीय परिवार परंपरा आज भी प्रासंगिक है, आवश्यक है कि हम उसे समयानुकूल रूप देते हुए अपने जीवन के केंद्र में पुनः स्थापित करें, क्योंकि मजबूत परिवार ही मजबूत समाज और शांत विश्व की आधारशिला होते हैं। प्रेषकः

-ललित गर्ग

सिर्फ़ जश्न नहीं, ज़िम्मेदारी भीः नया साल, नई सोच

हर नया साल एक सवाल लेकर आता है – क्या हम सिर्फ़ अपनी ज़िंदगी बदलेंगे या दुनिया को भी बेहतर बनाएँगे? जिम, किताबें और बचत जैसे संकल्प हर बार दोहराए जाते हैं, पर 2026 हमसे कुछ बड़ा मांग रहा है। अब समय आ गया है कि हमारा संकल्प केवल ÷मैं÷ तक सीमित न रहे, बल्कि ÷हम÷ और ÷धरती÷ तक पहुँचे। जलवायु संकट अब भविष्य की आशंका नहीं, हमारी रोज़मर्रा की सच्चाई बन चुका है। बाढ़, सूखा, जंगलों की आग और पिघलते ग्लेशियर साफ़ चेतावनी दे रहे हैं कि प्रकृति अब चुप नहीं है। ऐसे में यह वर्ष हमें पुकार रहा है – ग्रह के रखवाले बनने के लिए। यह संकल्प निजी नहीं, वैश्विक है; साधारण नहीं, बल्कि परिवर्तनकारी है। छोटे-छोटे कदम मिलकर इतिहास बदलते हैं। आज ग्रह को बचाना कोई विकल्प नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी बन चुका है।

आज पूरी दुनिया बाढ़, सूखा, जंगलों की भीषण आग, प्रदूषण और तेज़ी से पिघलते ग्लेशियरों की मार झेल रही है। मौसम का बिगड़ता संतुलन अब किसी रिपोर्ट या भविष्यवाणी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि हर देश, हर शहर और हर इंसान के जीवन को सीधे प्रभावित कर रहा है। भारत जैसे देश में इसके असर और भी गंभीर हैं – कहीं पीने के पानी की विकट कमी है, तो कहीं ज़हरीली हवा लोगों की साँसों पर भारी पड़ रही है। ऐसे दौर में नया साल केवल उत्सव और संकल्पों का प्रतीक नहीं रह जाता, बल्कि जिम्मेदारी निभाने का अवसर बन जाता है। अब हमें ऐसे संकल्प लेने होंगे जो केवल व्यक्तिगत लाभ तक सीमित न रहें, बल्कि पूरी पृथ्वी के भविष्य को सुरक्षित दिशा देने वाले हों।

सबसे पहला और सबसे प्रभावशाली संकल्प हो सकता है – प्लास्टिक से मुक्ति का संकल्प। आज सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर्यावरण का सबसे ख़तरनाक दुश्मन बन चुका है। यह न मिट्टी में घुलता है, न पानी में, बल्कि सदियों तक ज़हर की तरह बना रहता है। भारत में हर वर्ष करोड़ों टन प्लास्टिक कचरा नदियों और समुद्रों में पहुँचकर जलीय जीवन को नष्ट कर रहा है। मछलियाँ, पक्षी और असंख्य जीव इसकी कीमत अपनी जान देकर चुका रहे हैं। हमें यह सच्चाई स्वीकार करनी होगी कि सुविधा के नाम पर इस्तेमाल किया गया हर प्लास्टिक बैग प्रकृति पर एक अतिरिक्त बोझ है, जिसका भार आने वाली पीढ़ियाँ उठाएँगी।

इस नए साल में हम तय कर सकते हैं कि स्टील की बोतल, कपड़े का थैला और टिकाऊ सामान अपनाएंगे। बाज़ार जाते समय आत्मविश्वास से दुकानदार से कहेंगे कि हमें प्लास्टिक बैग नहीं चाहिए। दोस्तों और परिवार को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। सोशल मीडिया पर जागरूकता फैलाएँगे और दूसरों को चुनौती देंगे। यह छोटा-सा कदम देखने में साधारण लगता है, लेकिन इसका असर गहरा होता है। जब आसपास कचरा कम होता है, नदियाँ साफ दिखती हैं और सड़कें स्वच्छ होती हैं, तब बदलाव का एहसास सच में महसूस होता है। यही वह संकल्प है जो धरती को राहत देता है और हमें ज़िम्मेदार नागरिक बनाता है।

दूसरा अहम संकल्प है – ऊर्जा बचत को जीवनशैली बनाना। आधुनिक जीवन में बिजली हमारी आवश्यकता बन चुकी है, लेकिन इसका अंधाधुंध उपयोग पर्यावरण पर भारी पड़ रहा है। भारत में आज भी बड़ी मात्रा में बिजली कोयले से बनती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है। हमें यह समझना होगा कि हर जलता बल्ब और हर अनावश्यक चालू उपकरण प्रकृति पर दबाव बढ़ाता है। समाधान कठिन नहीं है – एलईडी बल्ब लगाना, बिना जरूरत लाइट और पंखे बंद करना, चार्जर प्लग में न छोड़ना और सोलर विकल्प अपनाना छोटे लेकिन असरदार कदम हैं।

ऊर्जा बचत का सबसे सुंदर पक्ष यह है कि इससे केवल पर्यावरण ही नहीं, हमारा जीवन भी बेहतर होता है। बिजली का बिल कम होता है, संसाधनों की कद्र बढ़ती है और आत्मनिर्भरता का एहसास होता है। कभी-कभी शाम को मोमबत्ती या हल्की रोशनी में परिवार के साथ समय बिताना रिश्तों को भी गहराई देता है। यह एहसास दिलाता है कि सादगी में भी सुख है। आज ऊर्जा बचाना कोई लग्ज़री नहीं, बल्कि नैतिक ज़िम्मेदारी है, जिसे हर नागरिक को अपनाना चाहिए।

तीसरा शक्तिशाली संकल्प है – पेड़ों से दोस्ती करना। पेड़ केवल हरियाली नहीं, जीवन का आधार हैं। वे ऑक्सीजन देते हैं, कार्बन डाइऑक्साइड सोखते हैं, पक्षियों को घर देते हैं और धरती का तापमान संतुलित रखते हैं। फिर भी विकास के नाम पर सबसे पहले उन्हीं की बलि दी जाती है। ऐसे में ÷एक व्यक्ति, दस पेड़÷ जैसा संकल्प क्रांतिकारी साबित हो सकता है। नीम, पीपल, बरगद, आम जैसे देशी पेड़ स्थानीय जलवायु के अनुकूल होते हैं और लंबे समय तक लाभ देते हैं।

अपने मोहल्ले, स्कूल, कॉलोनी या किसी खाली ज़मीन पर पेड़ लगाइए। बच्चों को इस प्रक्रिया में शामिल कीजिए, हर पेड़ को नाम दीजिए और उसकी देखभाल को जिम्मेदारी बनाइए। आज कई ऐप्स और प्लेटफॉर्म उपलब्ध हैं जो यह बताते हैं कि आपका लगाया पेड़ कितना कार्बन अवशोषित कर रहा है। जब आप वर्षों बाद उस पेड़ की छाया में खड़े होंगे, तो गर्व महसूस होगा कि आपने भविष्य को कुछ लौटाया है। पेड़ लगाना केवल पर्यावरण कार्य नहीं, बल्कि भावनात्मक और नैतिक निवेश है।

चौथा ज़रूरी संकल्प है – जल संरक्षण को रोज़मर्रा की आदत बनाना। पानी के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती, फिर भी हम इसे सबसे अधिक बर्बाद करते हैं। भारत के कई शहर पहले ही जल संकट की चपेट में हैं। ऐसे में हर बूंद की कीमत समझना आवश्यक है। नल खुला न छोड़ें, बाल्टी से नहाएं, सब्ज़ी धोने का पानी पौधों में उपयोग करें और वॉशिंग मशीन हमेशा फुल लोड में चलाएँ।

वर्षा जल संचयन आज केवल विकल्प नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता है। छत पर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना एक समझदारी भरा निवेश है, जो आने वाले वर्षों में बड़ी राहत देगा। जब पानी बचता है तो झगड़े कम होते हैं, खर्च घटता है और जीवन सहज बनता है। सच कहा गया है – जल ही जीवन है। इसे बचाना धरती को दिया गया सबसे बड़ा उपहार है।

पाँचवाँ संकल्प होना चाहिए – स्थानीय और मौसमी भोजन को अपनाना। आज हमारा खाना हज़ारों किलोमीटर दूर से यात्रा करके थाली तक पहुँचता है, जिससे भारी मात्रा में ईंधन खर्च होता है और कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है। इसके विपरीत, स्थानीय बाज़ार से खरीदी गई सब्ज़ियाँ और फल न केवल ताज़ा होते हैं, बल्कि किसानों की आजीविका को भी मज़बूत करते हैं। मिलेट्स और देसी अनाज स्वास्थ्यवर्धक हैं और पर्यावरण पर कम बोझ डालते हैं।

स्थानीय भोजन अपनाने से स्वाद भी बदलता है और सेहत भी सुधरती है। परिवार के साथ नई-पुरानी देसी रेसिपी बनाना रिश्तों को जोड़ता है। किसानों से सीधे बात करने पर भोजन के पीछे की मेहनत समझ में आती है। तब थाली केवल पेट भरने का साधन नहीं रहती, बल्कि प्रकृति और समाज से जुड़ाव का माध्यम बन जाती है।

इसी क्रम में हरित परिवहन को अपनाना भी समय की माँग है। छोटी दूरी के लिए पैदल चलना या साइकिल का उपयोग न केवल पर्यावरण के लिए लाभकारी है, बल्कि शरीर को सक्रिय और स्वस्थ भी रखता है। लंबी यात्राओं में बस, मेट्रो या कारपूल जैसे विकल्प प्रदूषण घटाने में सहायक होते हैं। इलेक्ट्रिक वाहन भविष्य की दिशा हैं, जो शोर और धुएँ दोनों को कम करते हैं।

-प्रो. आरके जैन

घर घर में देव संस्कृति स्थापित करना गायत्री परिवार का लक्ष्य - कु. दिव्या तांबडे

देव संस्कृति विश्व विद्यालय हरिद्वार का सामाजिक विषयों पर लगातार मंथन चिंतन और समाधान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देव संस्कृति विश्व विद्यालय शांतिकुंज हरिद्वार से सामाजिक परिवीक्षा पर आई छात्राओं द्वारा गायत्री शक्तिपीठ देवास के माध्यम से नगर ग्राम के घर-घर में देव संस्कृति स्थापित करने एवं आम लोगों को देव संस्कृति से परिचित कराने के उद्देश्य से लगातार गायत्री महायज्ञ, दीपयज्ञ, उद्बोधन, संबोधन के आयोजन किए जा रहे है।

गायत्री परिवार के मीडिया प्रभारी विक्रमसिंह चौधरी ने बताया कि एक माह की सामाजिक परिवीक्षा के अंतर्गत देव संस्कृति विश्व विद्यालय शांतिकुंज हरिद्वार से आई छात्राओं द्वारा लगातार विद्यालय, महाविद्यालय एवं सार्वजनिक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहें है ओर अभी तक महज 12 दिनों में रिकॉर्ड 40 आयोजन सामूहिक रूप से स्कूल कॉलेज एवं नगर ग्राम में गायत्री महायज्ञ, दीपयज्ञ, उद्बोधन, संबोधन के आयोजन संपन्न

किए हैं। देव संस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज हरिद्वार की छात्रा कु. दिव्या तांबडे (महाराष्ट्र की बेटी) का कहना है कि गायत्री परिवार का लक्ष्य युवाओं को श्रेष्ठ नागरिक, समर्पित स्वयंसेवक और राष्ट्रभक्त बनाकर देव-मानव बनाना है, ताकि परम पूज्य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी का सपना मनुष्य में देवत्व का उदय एवं धरती पर स्वर्ग का अवतरण साकार हो सके, जिसमें भारतीय संस्कृति के आध्यात्मिक मूल्यों को वैश्विक स्तर पर फैलाकर वैश्विक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण लाया जा सके। यह शिक्षा के साथ चरित्र निर्माण, जीवन प्रबंधन और मानवीय मूल्यों के विकास पर केंद्रित है।

देव संस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज हरिद्वार की छात्रा कु. हर्षिता चौहान (छत्तीसगढ़ की बेटी) एवं कु. वर्षा कुमारी (बिहार की बेटी) का कहना है कि युवाओं को ऐसे नागरिक बनाना है जो मनुष्य में देवत्व उतारें। राष्ट्र और विश्व का मार्गदर्शन कर भारत को पुनः जगतगुरु बनाने और विश्व का मार्गदर्शन करने की दिशा में काम करें। गायत्री परिवार का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों का शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास कर आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक पुनर्जागरण कर भारतीय संस्कृति के उच्च आदर्शों को वैश्विक स्तर पर स्थापित कर एक बेहतर समाज, राष्ट्र एवं विश्व का निर्माण करना हैं। प्रज्ञापीठ संरक्षिका दुर्गा दीदी एवं युवा प्रकोष्ठ जिला समन्वयक प्रमोद निहाले ने संक्षेप में बताया कि देव संस्कृति विश्वविद्यालय का लक्ष्य केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि ऐसे देव-मानव तैयार करना है जो अपनी संस्कृति और मूल्यों के आधार पर समाज और विश्व में सकारात्मक बदलाव ला सकें, जिससे धरती पर स्वर्ग का सपना साकार हो सके। इन आयोजनों में गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ता रमेशचंद्र मोदी, कन्हैयालाल मोहरी, रामनिवास कुशवाह, कांतिलाल पटेल, रमेश नागर, प्रदीप दुबे, देवीशंकर तिवारी, हजारीलाल चौहान, सालिगराम सकलेचा, लक्ष्मण पटेल, विक्रमसिंह चौधरी आदि का सराहनीय सहयोग मिल रहा हैं।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने ग्राम कुड़ाना के जैविक एवं प्राकृतिक कृषि प्रक्षेत्र का निरीक्षण किया

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने आज मोहन बड़ोदिया विकासखंड के ग्राम कुड़ाना में जैविक एवं प्राकृतिक कृषि प्रक्षेत्र का निरीक्षण किया।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने ग्राम कुड़ाना के कृषक श्री शिवनारायण शर्मा एवं श्री अशोक शर्मा के जैविक एवं प्राकृतिक कृषि प्रक्षेत्र में की जा रही जैविक खेती-गेहूं, प्याज, आलु, तुअर, हल्दी, धनिया आदि एवं तैयार किये जा रहे जीवामृत, धनजीवामृत, निमास्त्र ब्रम्हास्त्र एवं मदर कल्चर संजीवनी खाद, केंचुआ खाद, गोबार खाद तथा संचालित कच्ची घानी मशीन, वाटर रिचांजिंग सिस्टम, प्याज भण्डारण विधि तथा 100 फलदार पौधें की रोपणी आदि का भी निरीक्षण कर उक्त कृषकों से अपनायी जा रही तकनीक, लागत एवं इससे होने वाले लाभ आदि के बारे में जानकारी ली।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने उक्त कृषकों द्वारा जैविक एवं प्राकृतिक कृषि प्रक्षेत्र में किये जा रहे कृषि कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि उक्त कृषकों के प्रयासों से न केवल क्षेत्र में बल्कि पूरे शाजापुर जिले में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिल रहा है। इस दौरान उन्होंने जैविक एवं प्राकृतिक खेती से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने बताया कि आगामी समय में प्राकृतिक खेती अंतर्गत जिले में बीआरसी का चयन किया गया है, जिसके माध्यम से लगभग जिले के 250 कृषक जुड़कर प्राकृतिक खेती की उन्नत तकनीकों एवं पद्धतियों का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

जैविक प्रमुख कृषक श्री शिवनारायण शर्मा एवं प्राकृतिक खेती मास्टर ट्रेनर श्री अशोक शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके द्वारा लगभग 12 एकड़ क्षेत्रफल में जैविक एवं प्राकृतिक खेती अंतर्गत गेहूं की एचआई 1544 (पूर्णा), एचआई 1636 किस्म तथा आलू की टोरस एवं ज्योति किस्म, हल्दी की सेलम एवं सभी प्रकार कि सब्जियों एवं फलों की खेती कर फसल विविधीकरण अपनाया जा रहा हैं। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन योजना अंतर्गत प्रस्तावित बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर जिसमें वर्तमान में प्राकृतिक खेती यूनिट डॉ. डी.के. तिवारी वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र के मार्गदर्शन में जीवामृत, धनजीवामृत, निमास्त्र ब्रम्हास्त्र एवं मदर कल्चर संजीवनी खाद तैयार की जा रही है।

दिव्यांग बच्चों के साथ अब उनकी माताएं भी बनेंगी आत्मनिर्भर

अमलतास की अनूठी पहल- हुनर सीखेंगी दिव्यांग बच्चों की माताएं, मजबूत होगा परिवार

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नए साल की शुरुआत अमलतास स्पेशल विद्यालय समाज के लिए एक प्रेरणादायक पहल कर रहा है। यह पहल न सिर्फ दिव्यांग बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में है, बल्कि उनके साथ रहने वाली माताओं को भी आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त प्रयास है।

अमलतास विशेष विद्यालय में इलाज एवं प्रशिक्षण के लिए आने वाले दिव्यांग बच्चों के साथ कई माताएं परिसर में ही रहती हैं। इन माताओं की मेहनत, संघर्ष और समर्पण को देखते हुए अब उनके लिए वोकेशनल ट्रेनिंग एवं रोजगार से जुड़ी सुविधा शुरू की जा रही है।

इस नई पहल के अंतर्गत माताओं को लिफाफे बनाना, झालर तैयार करना, गणेश जी की मूर्तियां बनाना, सजावटी एवं अन्य हस्तनिर्मित वस्तुएं तैयार करना सिखाया जाएगा। खास बात यह है कि इन उत्पादों को केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि बेचने की व्यवस्था भी की

जा रही है, जिससे माताओं को उनके श्रम का उचित मेहनताना मिल सके।

अमलतास स्पेशल विद्यालय वर्षों से दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष शिक्षा, थेरेपी और कौशल विकास का कार्य कर रहा है। यहां बच्चों को उनकी जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भर जीवन की ओर बढ़ सकें। अब इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए बच्चों की माताओं को भी आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह सराहनीय कदम उठाया गया है।

अमलतास वैलफेयर सोसायटी के चेयरमैन महोदय द्वारा बताया गया की यह पहल न सिर्फ आर्थिक रूप से मददगार साबित होगी, बल्कि माताओं के आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाई देगी।

पुलिस ने प्रेसवार्ता में बताई 2025 की उपलब्धियां, तीन अधिकारियों को दी भावभीनी विदाई

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बुधवार को एबी रोड स्थित पुलिस कंट्रोल रूम में एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इसमें शाजापुर पुलिस की वर्ष 2025 की उपलब्धियों की जानकारी दी गई। इसी दौरान एसडीओपी शाजापुर गोपाल सिंह चौहान और दो उप निरीक्षकों का विदाई समारोह भी संपन्न हुआ। पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत ने कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण पर विस्तृत जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत ने बताया कि वर्ष 2025 में जिले में कुल 5,159 अपराध दर्ज किए गए, जिनमें से 95 प्रतिशत मामलों की जांच पूरी कर ली गई है। केवल 246 प्रकरण ही लंबित हैं। उन्होंने यह भी बताया कि वर्ष 2024 में 4,996 अपराध दर्ज हुए थे, जिनमें 22 प्रतिशत प्रकरण लंबित थे। न्यायालय में प्रस्तुत 1,897 प्रकरणों में से 1,365 मामलों में दोष सिद्धि कराई गई, जो पुलिस की प्रभावी जांच को दर्शाता है। गंभीर अपराधों की बात करें तो वर्ष 2025 में हत्या के 8 मामले दर्ज हुए, जिनकी 100 प्रतिशत जांच पूरी की गई। वर्ष 2024 में हत्या के 11 मामले सामने आए थे। संपत्ति संबंधी अपराधों में 284 चोरी के मामले दर्ज किए गए, जिनमें से 72 प्रतिशत मामलों का निराकरण कर लगभग 1 करोड़ 84 लाख रुपए की संपत्ति बरामद की गई।

युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप रोजगार मेला आज

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन की मंशा अनुसार एवं कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना के निर्देशानुसार एक ही छत के नीचे युवा संगम रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेन्टिसशिप रोजगार मेला जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई, जिला उद्योग केंद्र एवं म.प्र. डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन शाजापुर द्वारा 01 जनवरी 2026 को प्रातः 11 बजे से 03 बजे तक प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सिलेंस बी.के.एस.एन. गवर्मेंट कॉलेज शाजापुर में किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि युवा संगम रोजगार मेला में आमंत्रित निजी क्षेत्र की संभावित नियोजक स्वतंत्र माईक्रोफिन भोपाल, आईपीएस रूप आयशर देवास, नवभारत फर्टिलाईजर भोपाल, यशस्वी अकेडमी फॉर स्कील देवास, एलपीएल बी-एबल फाउंडेशन इन्दौर, पुखराज हेल्थ केयर भोपाल, आम फाउंडेशन इंडिया फीडम एम्प्लॉयबिलिटी अकादमी नई दिल्ली, विजेए एग्रो भोपाल, न्यू जील फेशन वियर धार, हैक्स एग्रो इंडस्ट्रीज अहमदाबाद, अग्निहोत्री एंजिल वन सिक्यूरिटी शाजापुर, भारतीय जीवन बीमा निगम शाजापुर, एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस शाजापुर आदि कंपनियों, के द्वारा सेल्स मेन, ट्रेनी, सेल्स एवं मार्केटिंग, वर्कर, हेल्पर, मशीन आपरेटर, इलेक्ट्रिशियन, सहायक, हेल्पर, एक्जुक्यटिव फिल्ड ऑफिसर, बीमा सलाहकार, आदि पदों पर कम्पनियों के रिक्त लगभग 250 से अधिक पदों पर रोजगार प्रदान करने के लिए कम्पनियों के प्रतिनिधि आवेदकों के साक्षात्कार लेकर प्रारंभिक चयन करेंगें।

नलों से गंदे पानी की शिकायत का निगम आयुक्त ने किया तत्काल निराकरण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वार्ड 27 पुरान मछली मार्केट मोती बंगला स्थित फायर स्टेशन के सामने निवासरत अकरम शेख एवं उनके परिजनों के द्वारा क्षेत्र मे जल प्रदाय से होने वाले गंदे पानी की शिकायत की गई थी। जिसे आयुक्त दलीप कुमार के द्वारा तत्काल संज्ञान मे लिया जाकर जल प्रदाय से संबंधित निगम के तकनिकी अमले एवं अमृत 2.0 योजना अन्तर्गत शहर मे डाली जाने वाली पाईप लाईन के ठेकेदार बानको कन्स्ट्रक्शन के स्टॉफ एवं पीडीएमसी शाह टविनकल के फिल्ड इंजिनियरों को मौका निरीक्षण कर स्थल पर गंदे पानी की शिकायत के संबंध मे तथ्यात्मक जानकारी प्राप्त करने एवं रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये थे।

जिसके तारतम्य मे निगम सहायक यंत्री दिनेश चौहान अपने दल के साथ मौको पर जाकर वस्तु स्थिती का अध्ययन कर कर पुरानी पाईप लाईन के डेमेज होने से गंदा पानी सप्लाय होने के संबंध मे आयुक्त को अवगत कराने पर उनके द्वारा तत्काल नयी 110 एमए डाया की पाईप लाईन बिछाई जाने के निर्देशों के साथ साथ मौके पर पीने के पानी का टेंकर खडा करने एवं नई पाईप लाईन शीघ्र डाली जाने के निर्देश दिये गये।

कॉलेज में घुसकर मारपीट करने वाले चार बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज

एनएसयूआई ने भी जताया विरोध, प्राचार्य की कुर्सी पर लगाया गूंगे, बहरे व अंधे का पोस्टर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। लालघाटी थाना पुलिस ने कॉलेज में घुसकर छात्रों के साथ मारपीट करने व धमकाने के आरोप में चार बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस मामले को लेकर एनएसयूआई ने भी कॉलेज पहुंचकर विरोध जताया। हालांकि प्राचार्य के न होने से उनकी चर्चा तो नहीं हो सकी, लेकिन एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्राचार्य की कुर्सी पर गूंगे, बेहरे व अंधे प्राचार्य का पोस्टर चस्पा कर अपना विरोध जताया।

मंगलवार को नगर के पीएम कॉलेज आफ एक्सीलेंस पंडित बालकृष्ण शर्मा नवीन महाविद्यालय में हुई मारपीट की घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया था। वीडियो आने के बाद लालघाटी पुलिस ने कार्रवाई की है। इस मामले में चार आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। यह कार्रवाई छात्र विजय धाकड़ की शिकायत पर की गई है। लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे ने बताया कि फरियादी विजय धाकड़ (22) निवासी सुनेरा बी.के.एस.एन कालेज में बीए द्वितीय वर्ष का छात्र है। छात्र ने पुलिस को बताया कि मंगलवार को दोपहर करीब 1.30 बजे वह कॉलेज परिसर में धूप में बैठा था। इसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर विकास सावले अपने साथियों मनीष नाथ, बालू सौराष्ट्रीय और मनीष पवैया के साथ वहां पहुंचा। उन्होंने छात्र के साथ गाली-गलौज

शुरू कर दी। जब छात्र ने गाली देने से मना किया, तो चारों ने मिलकर उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट की। शिकायत के अनुसार विकास सावले ने पास पड़े लोहे के पाइप से छात्र के सिर पर वार कर घायल कर दिया। मारपीट के दौरान विजय के दोस्त अरविंद चोखटिया और सुनील गुर्जर बीच-बचाव करने पहुंचे। आरोपी जाते-जाते छात्र को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने से पहले घायल छात्र का मेडिकल कराया है और मामले में आगे की जांच जारी है।

समझाने के बदले हुआ विवाद- पीड़ित छात्र विजय धाकड़ ने बताया कि हमलावरों का आपसी विवाद चल रहा था। उसने सोमवार को एक्सीलेंस ग्राउंड में उन्हें समझाने की कोशिश की थी। उसी दौरान एक युवक को थप्पड़ लग गया था। इसके बाद मंगलवार को ये लोग 15-20 की संख्या में धोखे से आए और उस पर हमला कर दिया।

एनएसयूआई ने जताया विरोध- इस घटना के विरोध में बुधवार को एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। एनएसयूआई कार्यकर्ता प्रभारी प्राचार्य से चर्चा करने पहुंचे, लेकिन प्राचार्य कालेज में मौजूद नहीं थे। नाराज एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने प्राचार्य की कुर्सी पर एक पोस्टर चिपका दिया, जिस पर विरोध स्वरूप ॰गूंगे, बहरे, अंधे प्राचार्य॰ लिखा था। कार्यकर्ता रोहित ने बताया कि कालेज में बाहरी लोगों द्वारा छात्रों के साथ मारपीट की गई, जो निंदनीय है। संगठन इस गंभीर मामले को लेकर प्राचार्य से बात करना चाहता था, लेकिन उनकी अनुपस्थिति के कारण संवाद नहीं हो सका। रोहित के अनुसार, आरसी चौहान से चर्चा की गई, जिन्होंने बताया कि प्राचार्य के लौटने के बाद ही इस विषय पर बात रखी जा सकेगी। उन्होंने मांग की है कि कालेज परिसर में आने वाले प्रत्येक छात्र-छात्रा का ड्रेस कोड और परिचय पत्र अनिवार्य रूप से जांचा जाए। संगठन का कहना है कि जो लोग इन नियमों का पालन नहीं करते उसे बाहर किया जाए।

गौ माता को राज्य माता व गौ हत्या पर रोक लगाने की मांग को लेकर 25 को निकलेगी गौ सम्मान यात्रा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गौरक्षकों द्वारा गौ माता के सम्मान में गौ माता सम्मान यात्रा निकाली जा रही है। इसके लिए गौरक्षकों द्वारा तैयारियां की जा रही है और गांव-गांव संपर्क कर इस यात्रा को उद्देश्य बताते हुए अधिक से अधिक लोगों को गौ माता के सम्मान के लिए इस यात्रा में शामिल होने की अपील की जा रही है।

गौ रक्षा सेना ने बताया कि यह यात्रा नगर में 25 जनवरी को दोपहर 12 बजे एबी रोड स्थित मां राजराजेश्वरी माता मंदिर से प्रारंभ होगी। जो एबी रोड, बस स्टैंड, नई सड़क होते हुए आजाद चौक पहुंचेगी। जहां इस यात्रा में शामिल होने वाले संतों का उद्बोधन होगा जो गौ माता की

महिमा के बारे में आमजनों को बताएंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा जाएगा। इस ज्ञापन में गौ माता को राज्य माता का दर्जा दिए जाने, गौ तस्करी पर सख्त कानून बनाने, गौ हत्या पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाए जाने सहित 18 मांगे शामिल की जाएंगी।

100 गांवों में होगा संपर्क, हजारों लोग उतरेंगे सड़क पर- नगर में पहली बार वृहद स्तर पर गौ माता के सम्मान में यह यात्रा निकाली जा रही है, जिसके लिए गौरक्षा सेना द्वारा युद्ध स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। इसके लिए गांवों में भी संपर्क किया जा रहा है। गौरक्षा सेना के अनुसार 100 गांव के लोगों से संपर्क करने का लक्ष्य रखा गया है। इन लोगों को यात्रा का उद्देश्य के बारे में बताते हुए सभी को इस यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की जा रही है।

महापौर जनसुनवाई के आवेदनों को उपायुक्त जाफरी ने निराकरण के लिये भेजा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नागरिकों की निगम संबधि समस्याओं के निराकरण हेतु निगम मे प्रति बुधवार को महापौर श्रीमती गीता दुर्गेश अग्रवाल के द्वारा जनसुनवाई की जाती है। इसी अन्तर्गत के अन्तर्गत 31 दिसम्बर को महापौर के जिला विकास सलाहकार समिती की बैठक मे शामिल होने के कारण महापौर जनसुनवाई निगम उपायुक्त जाकिर जाफरी के द्वारा की गई। जनसुनवाई मे प्राप्त आवेदनों पर उपायुक्त ने संबधित अधिकारियों से चर्चा कर उनका निराकरण किये जाने के निर्देश दिये। नागरिकों द्वारा दिये गये जिसमे वार्ड 13 न्यू मुखर्जी

नगर निवासी राजेन्द्र उपाध्याय ने रोड पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर आवागमन बाधित करने, वार्ड 41 मोहसीनपुरा निवासी शेख इस्माइल द्वारा नाले पर फर्सी रखवाने, देवास झोन क्रमां 2 निवासीगण एवं दुकानदार द्वारा गेट के समीप के अतिक्रमण हटाने, भगतसिह मार्ग निवासी बाला साहेब पलसे द्वारा विवादित संपति पर निर्माण कार्य रोकने, वार्ड 39 मनियार बाखल रहवासी गणों द्वारा आवागमन हेतु गली चौडीकरण करने एवं अतिक्रमण हटाने, वार्ड 27 लक्ष्मी पार्क निवासी आयुशी सिंघल द्वारा चेम्बर की सफाई कराने, वार्ड 22 फौजी नगर के रहवासी गणों द्वारा रोड बनाये जाने आदि सहित अन्य समस्याओं के आवेदन दिये गये जिनका निराकरण समय सीमा मे किये जाने के निर्देश उपायुक्त द्वारा संबधित अधिकारियों को दिये गये। महापौर जनसुनवाई के दौरान उपायुक्त श्री जाफरी के द्वारा निगम उपायुक्त देवबाला पिपलोनिया, उपायुक्त वित्त दिपक पटेल के साथ 7 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के भवनों का अबंटन, 5 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रमाण पत्रों व 3 व्यवसाईयों को खाद्य व अखाद्य लायसेंसों का वितरण किया गया। इस अवसर पर प्र. कार्यपालन यंत्री जगदीश वर्मा, सौरभ त्रिपाठी, सहायक यंत्री दिनेश चौहान, प्र. राजस्व अधिकारी अनुभूति श्रीवास्तव, प्र. स्वास्थ्य अधिकारी जितेन्द्र सिसोदिया, उपयंत्री पलक श्रीवास्तव, स्वच्छता निरीक्षक हरेन्द्रसिंह ठाकुर, प्रवीण पाठक, विकास शर्मा, उमेश चतुर्वेदी, विशाल जगताप आदि उपस्थित रहे।

निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समयवधि में पूर्ण कराए- कलेक्टर सुश्री बाफना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना की अध्यक्षता में आज ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग अंतर्गत धर्मस्व विभाग के प्रचलित कार्यों की वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिसमें ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं मंदिर समिति के सदस्यगण वीसी के माध्यम से शामिल हुए।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग अंतर्गत धर्मस्व विभाग के प्रचलित कार्यों की बिन्दुवार समीक्षा की। उन्होंने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के अधिकारी को निर्देश दिये कि धर्मस्व विभाग के कार्यों की गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं करें। उक्त सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री आरईएस को निर्देश दिये कि पुनरीक्षित तकनीकी स्वीकृति एवं पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति की आवश्यकता होने पर प्रस्ताव भेजें। उन्होंने सख्त निर्देश दिये कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में लापरवाही पाई जाती है तो संबंधितों के विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि जो ठेकेदार समय सीमा में कार्य नहीं कर रहे हैं उन्हें नोटिस जारी कर टेंडर टर्मिनेशन की कार्रवाई कर ब्लैकलिस्टेड करने की कार्रवाई करें।

कलेक्टर ने ग्राम पंचायतों के सरपंचों से कहा कि वे अपनी-अपनी ग्राम पंचायतों में किये जा रहे निर्माण कार्यों का समय-समय पर निरीक्षण करें एवं उनकी देखरेख में निर्माण कार्यों को कराएं। यदि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में लापरवाही होती हैं तो इसकी जानकारी दें। साथ ही उन्होंने सभी से कहा कि उक्त निर्माण कार्यों को मार्च से पहले पूरा कराएं, ताकि पैसा लेप्स न हो।

इस दौरान सरपंचों ने कलेक्टर को बताया कि उनकी ग्राम पंचायतों में धर्मस्व से संबंधित निर्माण कार्य बहुत धीमी गति से हो रहा हैं, इस पर कलेक्टर ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग के अधिकारी को निर्माण कार्यों में गति लाने एवं सतत रूप से कार्यों का निरीक्षण करने के निर्देश दिये।

वैश्य महासम्मेलन ने की उपमुख्यमंत्री से भेंट

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश की देवास जिला इकाई के प्रतिनिधि मंडल द्वारा प्रदेश के उपमुख्यमंत्री तथा देवास जिले के प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा से सौजन्य भेंट की गई। इस अवसर पर वैश्य महासम्मेलन के जिला अध्यक्ष गौरव खंडेलवाल ने प्रभारी मंत्री को वैश्य महासम्मेलन द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यो तथा संगठन की जानकारी दी गई। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने वैश्य महासम्मेलन द्वारा प्रकाशित कैलेंडर का विमोचन करते हुए प्रदेश में वैश्य महासम्मेलन द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की प्रशंसा करते हुए वैश्य महासम्मेलन के कार्यक्रमो को अनुकरणीय बताया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रायसिंह सेंधव, जिला पंचायत अध्यक्ष लीला अटारिया, पूर्व जिला अध्यक्ष बहादुर मुकाती, नंदकिशोर पाटीदार, वैश्य महासम्मेलन के जिला अध्यक्ष गौरव खंडेलवाल, तहसील अध्यक्ष रजनीश पोरवाल, जिला महामंत्री शिवकुमार संघवी, विपिन संघवी, नवीन संघवी और राजेश धनोतिया आदि उपस्थित थे।

करोड़ों की सीसी निर्माण का पूर्व मंडल अध्यक्ष ने निरीक्षण

श्री सिसोदिया ने दो टूक शब्द मे निर्माण धिन कार्य कर रहे ठेकेदार को किया निर्देशित

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र में विधायक एवं मंत्री इंदर सिंह परमार नेतृत्व में क्षेत्र में किया जा रहा है विकास कार्य के तहत ही ग्राम मदाना गांव में सरस्वती शिशु मंदिर से बाड़ी गांव मार्ग तक करीब तीन किमी की पक्की सड़क मंजूर करवाई थी जिसके चलते रोड बनाकर पूरी तरह से तैयार हो गई थी लेकिन ग्राम मदाना गांव स्थित आबादी क्षेत्र में मंगलवार को सीसी रोड निर्माण ठेकेदार द्वारा प्रारंभ किया है।

मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री सूरज सिंह जी सिसोदिया वरिष्ठ ग्राम के देवीसिंह सिसोदिया हजारीलाल लोहार मनोहर प्रजापत की मौजूदगी में सीसी रोड निर्माण का निरीक्षण किया यहां श्री सिसोदिया ने निर्माण दिन कार्य के ठेकेदार को दो टूक शब्दों में उच्च स्तरीय सामग्री से निर्माण कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया है श्री सिसोदिया सहित ग्राम के अनेक ग्रामीण जन पिछले विधानसभा चुनाव से पूर्व से ही उक्त रोड को पक्की सड़क के लिए मांग कर रहे थे लेकिन इंदर सिंह परमार ने पिछले विधानसभा चुनाव में अपने प्रचार के दौरान मदाना पहुंचे थे इसी दौरान पथरिया के जंगल स्थित ग्रामीण जनों को आश्वासन दिया था कि जल्द ही आपकी रोड बनवा दी जाएगी और आज वह रोड बनकर तैयार हो गई है ग्रामीण क्षेत्र व आबादी क्षेत्र में सीसी रोड का निर्माण कार्य चल रहा है जिसकी आज श्री सिसोदिया ने मौके पर पहुंचकर गुणवत्ता जांची है साथी ग्रामीण जनों ने ठेकेदार सहित मंत्री इंदर सिंह परमार से सीसी रोड के दोनों और पानी निकासी के लिए नाली निर्माण की भी मांग की पूर्व मंडल अध्यक्ष ने शासकीय इंजीनियर से लेकर ठेकेदार आदि निर्देशित कर सीसी रोड निर्माण कार्य करने से पहले पूरे रोड का बेस बनाकर ले जाने की लिए भी निर्देशित किया है।

सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए आवश्यक इंतजाम करें

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने मंगलवार रात्रि में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में उपस्थित सड़क निर्माण विभाग से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपनी अपनी सड़कों की समय-समय पर रिपेयरिंग करते रहें, तथा सड़क मार्ग में जो भी ब्लैक स्पॉट एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं, वहां सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय करें। बैठक में बैठक में जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा, अपर कलेक्टर श्री के आर बडोले तथा श्री अरविंद चौहान सहित यातायात पुलिस, मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम, राष्ट्रीय राजमार्ग विकास प्राधिकरण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और लोक निर्माण विभाग विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

बैठक में यातायात पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि खंडवा शहर में माताचौक से रामनगर, चीरा खदान से टीटिया जोशी, बैतूल फाटे से फॉरेस्ट डिपो आशापुर, मांधाता शनि मंदिर के पास और रोशिया फाटे पर इस तरह के दुर्घटना संभावित क्षेत्र चिन्हित किए गए हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने इन सभी दुर्घटना संभावित क्षेत्रों पर सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा इंतजाम करने के निर्देश सड़क निर्माण एजेंसियो को दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों के आसपास झाड़ियां उग जाने से जहां यातायात बाधित होता हो वहां झाड़ियां तत्काल काटी जाएं। इसके साथ ही डिवाइडर युक्त मार्गों पर, जहां डिवाइडर तोड़कर ग्रामीणों ने रोड क्रॉस करने के रास्ते बना लिए हैं, उन्हें बंद किया जाए ताकि सड़क दुर्घटना की आशंका न रहे।

जबलपुर में सरयू की तर्ज पर 500 करोड़ से संवरेंगे नर्मदा तटः राकेश सिंह

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिव महापुराण का यह आयोजन अत्यंत दिव्य है और यहाँ का पूरा वातावरण भक्तिमय है। मैं माँ नर्मदा के दर्शन को जाने वाली सभी माताओं-बहनों से 2 वर्ष का समय मांगता हूँ, जबलपुर में भी अयोध्या के सरयू घाट की तर्ज पर भव्य और सुंदर घाटों का निर्माण होने जा रहा है।÷ यह उद्बोधन लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने आज गोहलपुर थाने के पीछे, अग्रवाल लॉन में चल रही दिव्य शिव महापुराण कथा में की। व्यास पीठ का पूजन और संतों का सम्मान कार्यक्रम में पहुंचकर मंत्री श्री सिंह ने सबसे पहले व्यास पीठ का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। उन्होंने कथा व्यास पंडित श्री दिनेश गर्ग महाराज का पुष्पमाला से स्वागत कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर भी उपस्थित थे। 400 से 500 करोड़ की लागत से बनेगा 1 किमी चैनल धर्मप्रेमी बंधुओं और मातृशक्ति को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि भगवान शिव का नाम लेने मात्र से मुक्ति मिलती है। उन्होंने विकास का खाका खींचते हुए बताया कि जिलहरी घाट से लेकर आगे तक 400 से 500 करोड़ रुपये की लागत से भव्य घाटों का निर्माण होगा, जिसका जल्द ही भूमिपूजन किया जाएगा। उन्होंने प्रोजेक्ट की जानकारी देते हुए कहा, यहाँ 1 किलोमीटर लंबा और 50-60 फीट गहरा चैनल बनाया जाएगा। इसमें 1-2 मीटर जल स्तर रहेगा जो गौमुख से प्रवाहित होकर आएगा और फिल्टर होकर वापस जाएगा।

कॉलेज चलो अभियान के तहत स्कूलों का भ्रमण कर विद्यार्थियों को कॉलेज में प्रवेश के लिए किया जा रहा है प्रेरित

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उच्च शिक्षा विभाग शासन के निर्देशानुसार सीहोर के पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस द्वारा कॉलेज चलो अभियान का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। यह अभियान ई-प्रवेश सत्र 2026-27 के अंतर्गत विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसरों, पाठ्यक्रमों, प्रवेश प्रक्रिया तथा करियर संभावनाओं से अवगत कराने के लिए संचालित किया जा रहा है।

कॉलेज प्राचार्य डॉ रोहिताश्व शर्मा ने बताया कि अभियान के अंतर्गत कॉलेज की टीम द्वारा शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों का भ्रमण कर कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को ई-प्रवेश प्रक्रिया, उपलब्ध पाठ्यक्रम, करियर अवसरों तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख प्रावधानों–बहुविषयक शिक्षा, क्रेडिट बैंक, कौशल आधारित पाठ्यक्रम, विषय चयन आदि–की जानकारी सरल एवं व्यावहारिक रूप में दी जा रही है। स्कूलङ्ककॉलेज संपर्क कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूलों में विज़िट तथा आओङ्कजानें महाविद्यालय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को कॉलेज की शैक्षणिक सुविधाएँ, प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय, स्मार्ट कक्षाएँ, खेल परिसर एवं अन्य आधारभूत संसाधनों का अवलोकन कराया जा रहा है। इसी क्रम में टीम द्वारा जिले के अनेक स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों से चर्चा की और उन्हें आगे की शिक्षा को जारी रखते हुए कॉलेज में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान प्राध्यापक डॉ राजकुमार राय सहित टीम के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

जेसलमेर की कलाओं ने यात्रियों के मन को मोह लिया

जैन सोश्यल ग्रुप नागदा की पांच दिवसीय यात्रा सानंद सम्पन्न हुई

नागदा/ अनुज नाहर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन सोश्यल ग्रुप नागदा की पांच दिवसीय धार्मिक एवं मनोरंजन यात्रा अध्यक्ष धर्मेन्द्र बंम के कुशल नेतृत्व में सानंद सम्पन्न हुई । 25 दिसम्बर को साध्वीश्री रम्भा कुंवर जी की मांगलिक से प्रारंभ हुई यात्रा में एक ओर जहां शंखेश्वर पार्श्वनाथ जी, नाकोड़ा भैरवनाथ जी, जीरावला पार्श्वनाथ जी, जहाज मंदिर, भेरुतारक, नवीन पावापुरी तीर्थ के दर्शन तो किए ही गए साथ ही जेसलमेर डेजर्ट में जीप सफारी एवं केमल राइडिंग ने प्रत्येक यात्री को रोमांचित कर दिया । टैंट सिटी के राजस्थानी कलाकारों ने विभिन्न कला प्रदर्शन से दर्शकों का मन मोह लिया । नवीन पावापुरी तीर्थ की गौशाला में 5200 गायों को यात्रियों द्वारा चारा एवं गो लड्डू खिलाकर गो सेवा का लाभ लिया गया । वार म्यूजियम में 1971 के युद्ध की अमिट यादों को फिल्म के माध्यम से देखकर समस्त यात्रियों के मन में देश भक्ति की भावना प्रेरित हुई । यात्रा के दौरान यात्रा संयोजकों दिलीप कांठेड़, श्रेणिक बम, यशवंत धूपिया, सुनील जैन एवं शैलेन्द्र छोरिया का जैन सोश्यल ग्रुप नागदा द्वारा बहुमान किया गया । यात्रा के सफल संचालन के लिए अमित बम, रवि संघवी, दीपक गांग, प्रमोद जैन, सचिन सकलेचा, पार्थ कांठेड़ आदि अनेक सदस्यों का सहयोग सराहनीय रहा । सुभाष छोरिया, डा दीपक जैन, अनूप जैन, आदि सदस्यों ने विभिन्न प्रकार के मनोरंजन के साथ यात्रा को रुचिकर बनाया । शिक्षा, संस्कार एवं मनोरंजन के मिश्रण से युक्त यह यात्रा 29 दिसम्बर को मधुर यादों के साथ सम्पन्न हुई।

जल जीवन मिशन की पूर्ण पेयजल योजनाओं का निरीक्षण कर रिपोर्ट दें सभी एस डी एम- कलेक्टर श्री गुप्ता ने दिए निर्देश

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने जिले के सभी एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने क्षेत्र में जल जीवन मिशन के तहत पूर्ण हो चुकी पेयजल योजनाओं का निरीक्षण कर उसके संबंध में विस्तृत रिपोर्ट भेजें। उन्होंने यह निर्देश मंगलवार शाम को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए । कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि तहसील क्षेत्र में जितने भी ठेकेदारों ने जल जीवन मिशन की पेयजल संबंधी योजनाओं में कार्य किया है, प्रत्येक ठेकेदार की कम से कम दो-दो पेयजल योजनाओं का सैंपल निरीक्षण किया जाए, और उसकी रिपोर्ट भेजी जाए। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ डॉक्टर नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा, अपर कलेक्टर श्री के आर बडोले तथा श्री अरविंद चौहान सहित अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को बैठक में निर्देश दिए के अपने-अपने क्षेत्र की पेयजल योजना से लाभान्वित परिवारों से जलकर की राशि पंचायत सचिव के माध्यम से नियमित रूप से वसूल की जाए, ताकि पेयजल योजना संचालन एवं मरम्मत जैसे कार्यों के लिए राशि की आवश्यकता हो तो पंचायत जल कर के रूप में वसूल की गई राशि में से खर्च कर सके। उन्होंने प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना के तहत सभी विकासखंडों में चयनित आदर्श ग्रामों में लंबित कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश सभी जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र में भी रक्तदान शिविरों का आयोजन नियमित रूप से किया जाए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा बैठक में बताया गया कि रक्तदान शिविर 1 जनवरी को ग्राम अटूटखास में और 3 जनवरी को ग्राम सुलगांव में आयोजित किए जाएंगे। बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने एक बगिया मां के नाम योजना तथा बोरी बंधान निर्माण की प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि इस योजना के तहत 1103 स्थानो पर बगिया लगाकर 111850 पौधे लगाई जा चुके हैं। इसके साथ ही जिले में वर्षा ऋतु के बाद अब तक 5550 बोरी बंधान संरचनाओ का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है।

एकादशी पर अकोदिया नरेश के दर्शन हेतु उमडा भक्तों का सैलाब

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया पुत्रदा एकादशी के अवसर पर मंगलवार को शनि धाम स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर पर दर्शन हेतु श्रद्धालुओं का ताता लगा रहा कड़कडाके की ठंड के बावजूद भक्तों की आस्था भारी रही अल सुबह से ही दर्शनो हेतु भक्तों का आना प्रारंभ हो गया था इस दौरान श्री श्याम प्रभु का फूलों से आकर्षक श्रंगार किया गया दोपहर 3ऱ00 बजे महिला मंडल द्वारा ताली कीर्तन का आयोजन किया गया जिसमें महिला मंडल द्वारा अखंड ज्योत प्रज्वलित कर श्याम नाम का गुणगान किया गया अखंड ज्योत का लाभ पवन शर्मा ने लिया एवं महाआरती का लाभ समाज सेवी अरुण शर्मा बाबा ने लिया महाआरती पश्चात 51लीटर केसरिया दूध प्रसादी अरुण शर्मा द्वारा वितरित की गई इस अवसर पर मंदिर के पुजारी हेमंत शर्मा ने उपस्थित श्रद्धालुओं को एकादशी की बधाई देते हुए एकादशी का महत्व बताया अल सुबह से लेकर रात्रि 10ऱ00 बजे तक श्रद्धालुओं का दर्शनो हेतु ताता लगा रहा।

श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण और प्रभु स्मरण से होता है पूरे समाज का कल्याण- राकेश सिंह

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह आज सगड़ा, लम्हेटाघाट रोड स्थित आयुषी धरा कॉलोनी में आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण कथा के समापन समारोह में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उपस्थित धर्मप्रेमी बंधुओं को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रभु का स्मरण और भागवत कथा का श्रवण केवल व्यक्तिगत शांति ही नहीं देता, बल्कि इससे पूरे समाज का कल्याण होता है। मंत्री श्री सिंह ने कथा व्यास पूज्य महाराज जी का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मुखारविंद से हम सभी को उस दिव्यता के दर्शन हुए हैं, जो श्रीमद् भागवत गीता और प्रभु की लीलाओं में निहित है। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने व्यास पीठ को नमन किया और ईश्वर से प्रार्थना की कि यहाँ उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली सदैव बनी रहे।

उपार्जन कार्य में अनियमितता बरतने पर चार केंद्रों के कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उपार्जन केंद्रों पर वास्तविक किसानों से ही धान की खरीदी करने और उपार्जन व्यवस्था का अनुचित लाभ उठाने की कोशिशों करने वाले बिचौलियों या व्यापारियों पर सख्त कार्यवाही करने के कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर जहाँ प्रशासनिक अधिकारियों एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों द्वारा उपार्जन केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया जा रहा है, वहीं खरीदी कार्य में अनियमितता पाये जाने पर संबधित अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्यवाही भी की जा रही है। जिला आपूर्ति नियंत्रक प्रमोद कुमार मिश्र ने बताया कि अधिकारियों द्वारा खरीदी केंद्रों के निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाये जाने पर एक उपार्जन केंद्र के प्रभारी को निलंबित कर दिया गया है, वहीं कई कर्मचारियों-अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किये गये हैं। उन्होंने बताया कि कुंडम तहसील के अन्तर्गत सेवा सहकारी समिति गौरी द्वारा वाधवा वेयरहाउस टिकरिया में संचालित उपार्जन केंद्र की कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी कुंजन सिंह राजपूत द्वारा की गई जांच में अनियमितता पाए जाने पर समिति प्रबंधक संतोष पाण्डेय, उपार्जन केन्द्र प्रभारी धनीराम साहू एवं गोदाम संचालक अशोक बाधवा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। मझौली तहसील के अन्तर्गत सेवा सहकारी समिति सहजपुरा द्वारा श्री हनुमतें वेयरहाउस में संचालित खरीदी केंद्र की कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ब्रिजेश जाटव द्वारा की गई जांच में अनियमितता पाए जाने पर उपार्जन केन्द्र प्रभारी रवि श्रीवास्तव एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर विकास खरे को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। तहसील पनागर तहसील के अन्तर्गत सेवा सहकारी समिति सिंगोद द्वारा सन्चालित रामकेश बाबा वेयरहाउस स्थित उपार्जन केंद्र की अनुविभागीय राजस्व अधिकारी जबलपुर द्वारा की गई जांच में अनियमितता पाए जाने पर उपार्जन केंद्र प्रभारी शिवम कुमार बर्मन एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर अविनाश पटेल को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। इसी प्रकार पाटन तहसील में सेवा सहकारी समिति सकरा द्वारा संचालित उपार्जन केन्द्र के प्रभारी अखिलेश यादव को खरीदी कार्य में अनियमितता बरतने पर निलंबित कर दिया गया है तथा कम्प्यूटर ऑपरेटर ललित यादव एवं गोदाम संचालक सुधीर तिवारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

कलेक्टर श्री सिंह ने झिरिया में उद्यम संस्कार शिविर में समृद्ध जीवन के लिए किया प्रोत्साहित

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक गहलोत ने आज कुंडम विकासखंड के ग्राम पंचायत झिरिया में उद्यम संस्कार शिविर के साथ जन सुनवाई आयोजित की। शिविर में कलेक्टर श्री सिंह ने स्वरोजगार से संबंधित जानकारी के साथ स्वरोजगार के क्षेत्र में आने वाली समस्याओं की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आर्थिक समृद्धि व रोजगार-स्वरोजगार के लिए छोटे-छोटे उद्यम लगाना शुरू करें। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने भी ग्रामीणों से स्वरोजगार से जुड़े विषयों पर चर्चा की। इस दौरान महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र श्री विनीत रजक द्वारा एमएसएमई अंतर्गत उद्यम स्थापित करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। प्रभारी अधिकारी जनजातीय कार्य विभाग द्वारा भी जनजातीय क्षेत्रों में स्वरोजगार के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। जिसमें मुख्य रूप से भगवान बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना और मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के बारे में बताया गया।

कलेक्टर ने किया मत्स्य विभाग द्वारा संचालित बायो फ्लॉक पॉन्ड एवं नवनिर्मित फिश फीड मील का निरीक्षण

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिले के ग्राम हसनाबाद में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित बायो फ्लॉक पॉन्ड एवं नवनिर्मित फिश फीड मील का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बायो फ्लॉक तकनीक के माध्यम से किए जा रहे मत्स्य उत्पादन, फीड निर्माण की प्रक्रिया, गुणवत्ता मानकों तथा विभागीय व्यवस्थाओं की विस्तार से जानकारी ली।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि बायो फ्लॉक तकनीक आधुनिक और वैज्ञानिक पद्धति है, जिससे कम जल में अधिक उत्पादन संभव है और यह तकनीक मत्स्य कृषकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकती है। उन्होंने मत्स्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्थानीय मत्स्य कृषकों को उत्तम गुणवत्ता का फिश फीड उचित एवं किफायती दरों पर उपलब्ध कराया जाए, ताकि फीडिंग बेस्ड फिश कल्चर को बढ़ावा मिल सके और जिले में मत्स्य उत्पादन में निरंतर वृद्धि हो।

कलेक्टर ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण फीड उपलब्ध होने से मछलियों की वृद्धि बेहतर होगी, उत्पादन लागत कम होगी और किसानों की आय में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि अधिक से अधिक किसानों को बायो फ्लॉक तकनीक के प्रति जागरूक किया जाए तथा प्रशिक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जाए, जिससे वे इस प्रणाली को अपनाकर आत्मनिर्भर बन सकें। निरीक्षण के दौरान मत्स्य विभाग के सहायक संचालक श्री प्रशांत हर्ष सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जिले में हो रहा पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना का प्रभावी क्रियान्वयन

अधिकारी बच्चों से भेंट कर ले रहे शिक्षा एवं स्वास्थ्य की जानकारी

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में पीएम केयर फॉर चिल्ड्रन योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। विभाग के अधिकारियों द्वारा योजना के हितग्राहियों का निरन्तर फॉलोअप किया जा रहा है और बच्चों से भेंट कर उनकी शिक्षा एवं स्वास्थ्य लाभ संबंधी जानकारी भी प्राप्त की जा रही है।

इसी क्रम में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ज्ञानेश कुमार खरे ने इछावर क्षेत्र के लाभार्थी बच्चों से भेंट की। उन्होंने बच्चों से उनकी पढ़ाई एवं स्वास्थ्य के संबंध में चर्चा की और शिक्षण सामग्री उपहार स्वरूप भेंट की। इसके साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं पर्यवेक्षक को बच्चों की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु निर्देशित किया।

बाल संरक्षण अधिकारी श्री अनिल पोलाय ने बताया कि इस योजना के तहत ऐसे बच्चे जिनके माता–पिता दोनों की मृत्यु कोविड–19 से हुई हो या दोनो में से किसी एक की पूर्व में मृत्यु हो गई हो, या फिर जीवित एकल अभिभावक की कोविड–19 से मृत्यु हो गई हो, तो ऐसे बच्चे इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र हैं। योजना में 10-10 लाख रुपये की सहायता राशि बच्चों के डाकघर बैंक खाते में जमा कराई गई जाती है, जो कि बच्चे की आयु 23 वर्ष पूर्ण होने पर बच्चे को प्राप्त होती है। इस योजना के अलावा जिले में इस श्रेणी ऐसे बच्चों जिनकी आयु 18 वर्ष से कम है उन्हें स्पॉन्सरशिप के माध्यम से 4000 रुपये प्रतिमाह दिया जा रहा है। इसके साथ ही 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हितग्राही को डाकघर के माध्यम से 5500 रुपये प्रतिमाह स्टायफंड प्राप्त हो रहा है। विभाग द्वारा योजना से लाभान्वित सभी बच्चों के आयुष्मान कार्ड भी बना गए हैं।

ग्वालियर मेले में पुरुष व महिला पहलवानों की होंगीं अलग-अलग रोमांचक कुश्तियां

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेला में इस बार भी कुश्ती प्रतियोगिता (दंगल) का आयोजन होगा। पुरुष पहलवानों की जिला, संभाग व राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगितायें होंगीं। वहीं महिलाओं की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता होगी। महिलाओं व पुरुषों की अलग-अलग और विभिन्न वजन वर्ग में कुश्ती प्रतियोगितायें होंगीं। इनकी तिथियाँ निर्धारित कर दी गई है। दंगल का आयोजन मेला परिसर में स्थित मंगल वाटिका प्रांगण में होगा।

दंगल की तैयारियां जोर-शोर से जारी हैं। दंगल में अधिकाधिक महिला व पुरुष पहलवानों की भागीदारी के उद्देश्य से संभाग के सभी जिलों सहित सम्पूर्ण मध्यप्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी एवं जिला शिक्षा अधिकारियों को अपने-अपने जिले के अखाड़ा, क्लब एवं प्रशिक्षण केन्द्रों से जुड़े पहलवानों को इस प्रतियोगिता में शामिल होने के लिये प्रेरित करने के लिये पत्र भेज दिए गए हैं। मेला में आयोजित होने जा रहे दंगल के नोडल अधिकारी एवं जिला खेल व युवा कल्याण अधिकारी श्री जोसेफ बक्सला ने बताया कि पुरुष पहलवानों की जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 19 से 20 जनवरी तक आयोजित होने जा रही है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता 45, 51, 57, 61, 65, 70, 74, 79, 84 व 86 किलोग्राम वर्ग में होगी। पुरुषों की संभाग स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 51, 57, 61, 65, 70, 74, 79, 84 व 86 किलोग्राम वर्ग में 21 से 22 जनवरी तक आयोजित होगी। मेले में पुरुष पहलवानों का राज्य स्तरीय दंगल 23 से 25 जनवरी तक आयोजित किया जायेगा। इसमें राज्य भर के 51, 57, 61, 65, 70, 74, 79, 84 व 86 किलोग्राम वर्ग के पहलवान अपने दाँव-पेंच दिखायेंगे। महिला पहलवानों का राज्य स्तरीय दंगल 23 से 25 जनवरी तक होगा ग्वालियर मेले में महिला पहलवानों का राज्य स्तरीय दंगल (कुश्ती प्रतियोगिता) 23 से 25 जनवरी तक आयोजित किया जायेगा। महिला दंगल में 50, 55, 60 व 65 किलोग्राम वर्ग की महिला पहलवान भाग लेंगीं। दंगल में भागीदारी के लिये इनसे करें संपर्क ग्वालियर मेले में आयोजित होने जा रही पुरुष व महिलाओं की अलग-अलग कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी जिला खेल व युवा कल्याण अधिकारी श्री जोसेफ बक्सला (मोबा. 7049010656), जिला कुश्ती प्रशिक्षक डॉ. कुँवर राज (मोबा. 9826968411) व मध्यप्रदेश पुलिस के श्री करमवीर सिंह (मोबा. 7049111408) से संपर्क कर सकते हैं।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित व नियम विरूद्ध प्रयोग पर नियंत्रण हेतु प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कानून व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए ध्वनि विस्तारक यंत्रों (लाउडस्पीकर/डीजे/बैण्ड/प्रेशर हान) के अनियंत्रित व नियम विरुद्ध प्रयोग पर नियंत्रण हेतु जिले में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर नियंत्रण जनहित में आवश्यक है। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 की धारा 2 (ग) में जिला दण्डाधिकारी को जिले की सीमा में उक्त नियमों को लागू करने हेतु प्राधिकारी बनाया गया हैं।

अतः इस प्ररिप्रेक्ष्य में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नेहा मीना के अनुमोदन पर अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी श्री चंदरसिंह सोलंकी द्वारा ध्वनि द्वारा प्रदूषण नियंत्रण हेतु भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 (1) (2) के तहत् झाबुआ जिले की राजस्व सीमा हेतु आदेशित किया है किः-

1- झाबुआ जिले के अंतर्गत समस्त उत्सव/आयोजन के दौरान लाउड स्पीकर, डी.जे., बैण्ड, प्रेशर हार्न तथा अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग, विहित प्राधिकारी की अनुमति के बगैर प्रतिबंधित रहेगा।

2- ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 द्वारा निर्धारित शेडयूल अनुसार निर्धारित ध्वनि का स्तर मानक सीमा से बाहर प्रतिबंधित रहेगा।

3- रात्रि समय 10.00 बजे से सुबह 6.00 बजे तक किसी भी प्रकार के लाउड स्पीकर, डी.जे., बैण्ड, प्रेशर हार्न तथा अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग, पूर्ण रूप से प्रतिबंधित होगा। चूंकि यह आदेश आम जनता के महत्व का है तथा आम जनता को सम्बोधित है, जिसकी व्यक्तिशः सूचना दी जाना संभव नहीं होने से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163(2) के तहत एकपक्षीय पारित किया जाता है।

उक्त आदेश 31 दिसम्बर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक प्रभावशील रहेगा तथा उक्त प्रभावशील अवधि में उक्त आदेश का उल्लघंन भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 अन्तर्गत दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आएगा।

शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के तारतम्य में आम जन को इस तथ्य से अवगत कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है कि 14 फरवरी 2000 को केन्द्र सरकार ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत दी गई शक्तियों का प्रयोग कर सार्वजनिक स्थलों में विभिन्न स्त्रोतों द्वारा होने वाले ध्वनि प्रदूषण के बढ़ते स्तर को नियंत्रित करने के लिए ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 को अधिनियमित किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एवं म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ जबलपुर द्वारा ध्वनि प्रदुषण नियंत्रण के संबंध में जारी निर्देशों के कड़ाई से अनुपालन कराने तथा ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित किये जाने के संबंध में प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देश दिये गये है। यह नियम म.प्र. राज्य में भी लागू है।

शहर में ध्वनि विस्तारक यंत्र, लाउड स्पीकर, डी.जे. बैण्ड इत्यादि के प्रयोग से ध्वनि का स्तर बढ़ता है। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 के उल्लघंन के संबंध में उच्चतम न्यायालय, खण्डपीठ ने ध्वनि प्रदूषण पर फैसला देते हुए लाउडस्पीकरों और हार्न के यहां तक कि निजी आवासों में भी इस्तेमाल पर व्यापक दिशा निर्देश जारी किए हैं, जिसमें लाउडस्पीकरों, वाहनों आदि से उत्पन्न होने वाले शोर आदि को भी कवर किया गया है।

ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2000 यथासंशोधित के नियम 3(1) व 4(1) के अनुसार नियमावली के शेड्यूल में Ambient Air Quality Standards पद respect of Noice Pollution के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों जैसे औद्यौगिक, वाणिज्यिक, रिहायसी व शांत क्षेत्र में दिन व रात के समय अधिकतम ध्वनि तीव्रता निर्धारित की गई है, जो निम्नवत है-

औद्योगिक क्षेत्र में प्रातः 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 75 डेसीबल, रात्रि 10ः00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक 70 डेसीबल, वाणिज्यिक क्षेत्र में प्रातः 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 65 डेसीबल, रात्रि 10ः00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक 55 डेसीबल, आवासीय क्षेत्र में प्रातः 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 55 डेसीबल, रात्रि 10ः00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक 45 डेसीबल, शांत क्षेत्र में प्रातः 06.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक 50 डेसीबल, रात्रि 10ः00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक 40 डेसीबल निर्धारित की गई है।

म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा गत वर्षो में समय-समय पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों क्रमशः शांत क्षेत्र, रहवासी क्षेत्र, व्यावसायिक क्षेत्र एवं औद्योगिक क्षेत्र में परिवेशीय ध्वनि मापन का कार्य किया गया तथा यह पाया गया हैं कि उक्त क्षेत्रों में ध्वनि का स्तर मानक सीमा से अधिक है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आगामी त्यौहारों के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों, लाउड स्पीकर एवं डी.जे. इत्यादि के प्रयोग से ध्वनि प्रदूषण बढ़ने की संभावना व्यक्त की गई है एवं म.प्र. शासन, गृह विभाग वल्लभ भवन के द्वारा ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के निर्देश प्राप्त हुए है।

हर बच्चा महत्वपूर्ण है, परीक्षा परिणाम जिले के भविष्य की नींव- कलेक्टर

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी परीक्षाओं में जिले के परीक्षा परिणाम को उत्कृष्ट बनाने और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि ष्परीक्षा परिणाम केवल अंकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जिले के भविष्य की नींव है, इसलिए हमारे लिए हर एक बच्चा महत्वपूर्ण है।ष् उन्होंने सभी शिक्षकों को निर्देश दिए कि वे आगामी परीक्षाओं के मद्देनजर प्रत्येक बच्चे पर व्यक्तिगत रूप से फोकस करें। ट्विन स्कूल सिस्टम से होगा शैक्षणिक सुधार बैठक के दौरान कलेक्टर ने ट्विन स्कूल सिस्टम की कार्ययोजना साझा करते हुए बताया कि अर्द्धवार्षिक परीक्षा में जिन स्कूलों का प्रदर्शन बेहतर रहा है, उन्हें कम परिणाम वाले स्कूलों के साथ जोड़ा जाएगा। इस सिस्टम का मुख्य उद्देश्य संसाधनों का साझाकरण, शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय और विद्यार्थियों को श्रेष्ठ शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराना है। इस पहल के अंतर्गत, बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्कूलों के शिक्षक अपने मूल विद्यालय में अध्यापन के साथ-साथ उन स्कूलों में भी जाकर पढ़ाएंगे जहाँ का परिणाम निम्न रहा है। इस दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन विषयों में विद्यार्थी पिछड़ रहे हैं, उनके लिए अतिरिक्त कक्षाएं और विशेष मार्गदर्शन सुनिश्चित किया जाए। परीक्षा से पहले विद्यार्थियों को पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों और मॉक टेस्ट के माध्यम से सघन अभ्यास कराया जाए। विद्यार्थियों को उत्तर लिखने की कला का विशेष प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे परीक्षा में बेहतर प्रस्तुति दे सकें।

स्वरोजगार योजनाओं में लक्ष्य अनुसार प्रकरण स्वीकृत कर हितग्राही को राशि वितरित करें

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। सरकार की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं में शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य अनुसार प्रकरण स्वीकृत करें, और हितग्राहियो को स्वीकृत राशि वितरित भी करें। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने यह निर्देश मंगलवार रात्रि में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैंकर्स की बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि महिला स्व सहायता समूहों के खाते बैंकों में प्राथमिकता से खोलें और उन्हें ऋण दें, ताकि वे छोटा-मोटा व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर हो सकें। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा और अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा के साथ-साथ रिजर्व बैंक एवं नाबार्ड बैंक के प्रतिनिधि और जिले के अग्रणी बैंक प्रबंधक भी मौजूद थे। कलेक्टर श्री गुप्ता ने इस अवसर पर बैंकर्स से कहा कि विभिन्न स्वरोजगार योजनाओ के तहत प्राप्त आवेदनो में जो भी कमियां हों, उनकी पूर्ति करवाने के बाद ही आवेदन लें, ताकि गरीब आवेदकों को छोटे-छोटे ऋण के लिए बैंकों के बार बार चक्कर ना लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि किसी भी आवेदक का आवेदन अनावश्यक लंबित ना रखें, या तो उसे स्वीकृत करें या उचित कारण बताते हुए निरस्त करें। कलेक्टर श्री गुप्ता ने बैंकों की ऋण वसूली की प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया।

आगामी त्यौहारों/पर्वो के दौरान कानून व्यवस्था, सुरक्षा एवं साम्प्रदायिक सद्राव की स्थिति को बनाये रखने के लिये भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए 01 जनवरी 2026 को नववर्ष, 14 जनवरी 2026 को मकर सक्रांति, 23 जनवरी 2026 को बसंत पंचमी, 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस, 01 फरवरी 2026 को गुरु रविदास जयंती, 15 फरवरी 2026 को महाशिवरात्रि, 25 फरवरी 2026 से भगोरिया पर्व आदि अन्य त्यौहार मनायें जायेंगे। आगामी त्यौहारों/पर्वो के दौरान कानून व्यवस्था, सुरक्षा एवं साम्प्रदायिक सद्भाव की स्थिति को बनाये रखने के लिये असामाजिक तत्वों, अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों तथा निहित स्वार्थी तत्वों की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए सम्पूर्ण जिला झाबुआ क्षेत्रान्तर्गत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया जाना लोकहित में समुचित होगा।

पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ के पत्र द्वारा जिले में उक्त त्यौहार/पर्व में समाजजनों द्वारा रैली/जुलूस आदि निकाले जाते हैं अथवा किसी संगठन/आमजन द्वारा धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया जाता है, जिससे समाज में लोक परिशांति प्रभावित होती है एवं रैली/ जुलूस के दौरान कुछ लोग हथियार लेकर सम्मिलित हो जाते है। जिससे अप्रिय घटना घटित होने की प्रबल संभावना रहती है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला झाबुआ नेहा मीना के अनुमोदन पर अपर कलेक्टर एवं अपर जिला दण्डाधिकारी श्री चंदरसिंह सोलंकी द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (1) (2) में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया- झाबुआ जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा में आपत्तिजनक साम्प्रदायिक और धार्मिक उन्माद फैलाने वाले गाने बजाने व सोशल मीडिया के संसाधन, फेसबुक, व्हाटसएप, ट्विटर, इंस्ट्राग्राम, इन्टरनेट आदि से ऑपत्तिजनक फोटो, कमेंट, चित्र पोस्ट करने अथवा अन्य आपत्तिजनक संदेश पोस्ट करना पूर्णतः प्रतिबंधित होगा।

झाबुआ जिले की सीमा में किसी भी संगठन द्वारा कोई धरना प्रदर्शन, जुलूस, रैली का आयोजन किये जाने से पूर्व आवेदन क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी को आवेदन प्रस्तुत कर अनुमति प्राप्त किया जाना अनिवार्य होगा। सभी कार्यक्रम के लिये आवेदन सक्षम पुलिस अधिकारी के अभिमत के साथ कम से कम 48 घण्टे पूर्व किया जाना तथा पुलिस अधिकारी के बिना आवेदन पत्र कम से कम 72 घंटे पूर्व प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। अनुमति प्राप्त करने वाले आयोजकों की यह जिम्मेदारी होगी कि वह पूरे कार्यक्रम/आयोजन की वीडियोग्राफी कराएंगें। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं हिंसा रहित हो यह उत्तरदायित्व आयोजक संस्था का होगा।

प्रशासनिक अनुमति प्राप्त आयोजनों में ऐसे नारे/बैनर/पोस्टर का प्रयोग नहीं किया जायें, जिनसे किसी भी धर्म/वर्गो की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचे। किसी भी कार्यक्रम के दौरान शस्त्र प्रदर्शन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। ऐसा पाये जाने की दशा में संबंधित त्रुटिकर्ता के साथ-साथ कार्यक्रम के आयोजक/आयोजकों का भी उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाकर उनके विरूद्ध विधिसम्मत कार्यवाही की जाएगी।

समस्त प्रकार के आयोजनों की अनुमति प्रशासनिक अधिकारियों से प्राप्त किया जाने के उपरांत ही आयोजन किया जाएगा। अनुमति प्राप्त नहीं होने पर किये जाने वाले आयोजनों को अवैधानिक घोषित करते हुए आवश्यक वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

चूंकि यह आदेश सर्व साधारण को संबोधित है व व्यक्तिशः समस्त को तामिल किया जाना संभव नहीं होने से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 (2) के अंतर्गत एकपक्षीय पारित किया जाता है। उक्त आदेश 01 जनवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक प्रभावशील रहेगा तथा उक्त प्रभावशील अवधि में आदेश का उल्लघंन भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 अन्तर्गत दण्डनीय अपराध की श्रेणी में आएगा।

झाबुआ में कड़कनाथ पालन को बढ़ावा देने हेतु CLF दीदियों का जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। झाबुआ जिले में जीआइ टैग प्राप्त कड़कनाथ कुक्कुट पालन को आजीविका संवर्धन का सशक्त माध्यम बनाने के उद्देश्य से जिला पंचायत के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM–आजीविका मिशन), पशुपालन विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र झाबुआ के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जिले की क्लस्टर लेवल फेडरेशन से जुड़ी आजीविका दीदियों को कड़कनाथ पालन के तकनीकी एवं व्यावहारिक पक्षों पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान दीदियों को कड़कनाथ की विभिन्न किस्मों एवं विशेषताओं, चूजों की देखभाल, आहार प्रबंधन एवं स्वच्छता, टीकाकरण, दवाइयों एवं रोग प्रबंधन आदि पर विस्तार से जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में कड़कनाथ पालन को विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़ने, अनुदान, तकनीकी सहायता एवं विपणन समर्थन के माध्यम से आजीविका दीदियों की आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करने पर विशेष चर्चा की गई। साथ ही झाबुआ के कड़कनाथ को जिले से बाहर एवं राज्य स्तर पर प्रमोट करने की रणनीतियों पर भी विचार किया गया। प्रशिक्षण सत्र में पहले से कड़कनाथ पालन कर रही दीदियों ने अपने अनुभव साझा किए, जिससे अन्य दीदियों को इस गतिविधि को अपनाने के लिए प्रेरणा मिली।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का विभागीय अभिसरण एवं समन्वय Transform Rural India Foundation (TRI) के PPIA Fellows सुश्री ज्योति मौर्य एवं श्री वैभव दलवी द्वारा किया गया, जिसमें उप संचालक पशुपालन विभाग श्री अमर दिवाकर, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. जगदीश मौर्य एवं NRLM की जिला परियोजना प्रबंधक श्रीमती सोनिया कटारिया ने तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया। अधिकारियों ने बताया कि कड़कनाथ पालन के माध्यम से जिले की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

सक्षम कार्यक्रम की प्रगति की जिला स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग झाबुआ के मार्गदर्शन में सक्षम कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा हेतु जिला स्तरीय विभागीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में झाबुआ जिले के समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ), विशिष्ट प्राचार्य, संकुल प्राचार्य एवं विद्यालय प्राचार्य उपस्थित रहे। बैठक में सक्षम जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री रवि प्रताप सिंह तोमर द्वारा दिसंबर माह तक सक्षम कार्यक्रम की प्रगति की विस्तृत जानकारी सभी प्रतिभागियों के साथ साझा की गई। समीक्षा के दौरान सहायक आयुक्त द्वारा रेड जोन विद्यालयों की प्रगति में सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। विशेष रूप से कन्या शिक्षा परिसर रामा, एकलव्य मॉडल विद्यालय राणापुर एवं थांदला में सक्षम कार्यक्रम की प्रगति को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। अधिकारियों को विद्यालयों का भ्रमण कर लिंक के माध्यम से सत्र मॉनिटरिंग सेशन फॉर्म नियमित रूप से भरने के निर्देश भी दिए गए। इसके साथ ही विद्यालयों में सक्षम वॉल लोगो, 'मेरी सीख' की कॉपी, बीएमएस चार्ट, स्पोर्ट्स किट एवं चाइल्ड कैबिनेट को सक्रिय एवं प्रभावी रूप से संचालित करने हेतु दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक के सफल आयोजन एवं समन्वय में सक्षम ब्लॉक प्रबंधक श्री कैलाश राठौर द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए नहीं, बल्कि नियमित रूप से करें सफाई- कलेक्टर

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। हमारे देश में स्वच्छता सर्वेक्षण इसलिए चलाया जाता है, कि हम सभी स्वच्छता को अपनाकर आगे बढ़ सके। अलग-अलग मापदण्डों पर यह सर्वेक्षण होता है अतः हमें भी अपनी स्थिति के अनुसार ही कार्य करना चाहिए। ऐसा नही होना चाहिए कि हम सर्वेक्षण आये तभी काम करे बल्कि स्वच्छता के लिए हमे हमेशा काम करना चाहिए। जिससे कि हमारी स्थिति बेहतर होकर हम दूसरी निकायों को पीछे करते हुए नंबर वन पर आ सके। कलेक्टर श्रीमति जयति सिंह ने उक्त बाते बुधवार को कलेक्टर कार्यालय बड़वानी के सभागृह में आयोजित शहरी विकास अभिकरण की बैठक के दौरान नगरीय निकायों की समीक्षा करते हुए कही। बैठक में परियोजना अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर श्री सोहन कनाश, संयुक्त कलेक्टर श्री राजा रवि वर्मा सहित समस्त नगरीय निकायो के सीएमओ उपस्थित थे। बैठक में दिये गये निर्देशः- ऽ कचरा संग्रहण के लिए कचरे के संग्रहण के साथ ही उसके परिवहन एवं पृथक्करण पर भी कार्य करे। ऽ नगर परिषद एवं नगर पालिका के बस स्टेण्ड भी ऐसे होना चाहिए जिससे कि यह पता चल सके की यह शहर का बस स्टेण्ड है या नगरीय निकाय का। ऽ शहर एवं नगरीय निकायों के शौचालयों की नियमित सफाई हो तथा वहां पर एक कर्मी रखा जाये जो निर्धारित शुल्क वसूल कर लोगों से स्वच्छता के प्रति फीडबैक प्राप्त कर सके। ऽ शहर एवं नगरीय निकायों में साफ-सफाई नियमित हो तथा साफ-सफाई की शिकायतों के लिए एक नंबर जारी किया जाये जिस पर कोई भी रहवासी अपनी शिकायत दर्ज कर सके। उक्त शिकायतों का रिकार्ड संधारित कर उसमें प्रविष्टि भी की जाये कि शिकायत का निराकरण कितने समय में हुआ। ऽ नगरीय निकाय ग्रे-वाटर मैनेजमेंट पर भी कार्य करे। ऽ सार्वजनिक स्थानों पर डस्टबीन रखे जाये, साथ ही दुकानदारों को भी डस्टबीन में ही कचरा संग्रहण हेतु प्रेरित किया जाये।

पशुपालन से आत्मनिर्भरता की ओर रमेश वास्केल

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पशुपालक श्री रमेश वास्केल ने पशुपालन को आजीविका का साधन बनाकर आत्मनिर्भरता की एक प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है। उन्होंने वर्ष 2017 में उद्योग विभाग से 7 लाख रुपये का ऋण लेकर पशुपालन व्यवसाय की शुरुआत की। प्रारंभ में मात्र 5 भैंसों से आरंभ किया गया यह कार्य आज एक सफल एवं व्यवस्थित डेयरी व्यवसाय के रूप में स्थापित हो चुका है।

वर्तमान में श्री वास्केल के पास 3 गाय एवं 12 भैंसें हैं। पशुओं के उपचार, टीकाकरण एवं कृत्रिम गर्भाधान की सुविधाएँ उन्हें पशुपालन विभाग के माध्यम से नियमित रूप से प्राप्त हो रही हैं। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री डेयरी प्लस योजना के अंतर्गत उन्हें 75 प्रतिशत शासकीय अनुदान पर हरियाणा के सिरसा से मुर्रा नस्ल की 2 भैंसें भी प्राप्त हुई हैं।

श्री वास्केल द्वारा प्रतिदिन लगभग 120 लीटर दूध का उत्पादन किया जाता है। इसमें से 60 लीटर दूध सांची दुग्ध समिति नरवाली डेयरी को तथा शेष 60 लीटर खुले बाजार में विक्रय किया जाता है। इस व्यवसाय से उन्हें प्रतिमाह लगभग 1 लाख 70 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही है। व्यय घटाने के पश्चात उनकी मासिक शुद्ध बचत लगभग 90 हजार रुपये है।

पशुपालन विभाग द्वारा उन्हें चाफ कटर एवं चारा बीज उपलब्ध कराए गए हैं तथा सभी पशुओं का बीमा भी कराया गया है। उनके उत्कृष्ट दुग्ध उत्पादन के लिए उन्हें गत वर्ष गोपाल पुरस्कार में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ, जिसके अंतर्गत 11 हजार रुपये की नगद राशि प्रदान की गई।

शासन की योजना बनी संजय डामोर की सफलता की राह

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आत्मनिर्भर बनने की दिशा में उठाया गया एक सही निर्णय व्यक्ति के जीवन की दिशा बदल सकता है। जब सोच स्पष्ट हो, मेहनत निरंतर हो और योजनाओं का सही लाभ मिले, तो सीमित संसाधनों में भी सफल आजीविका स्थापित की जा सकती है। झाबुआ जिले के नगर राणापुर निवासी श्री संजय डामोर ने इसी विश्वास के साथ स्वरोजगार की राह चुनी और सफलता हासिल की।

श्री संजय डामोर ने 12वीं तक की शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने का संकल्प लिया। स्थानीय नागरिकों की आवश्यकता एवं अपनी आजीविका को ध्यान में रखते हुए उन्होंने फोटो स्टूडियो एवं फोटो कॉपी सेंटर इकाई की स्थापना का निर्णय लिया। इकाई प्रारंभ करने के लिए आवश्यक आर्थिक संसाधनों की पूर्ति हेतु उन्होंने आदिवासी वित्त एवं विकास निगम झाबुआ से संपर्क किया। निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा उन्हें मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना संबंधी जानकारी, मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया गया। इसके पश्चात बैंक ऑफ इंडिया, झाबुआ शाखा के माध्यम से ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई, जिसमें बैंक प्रबंधन द्वारा भी हितग्राही को समुचित सहयोग मिला।

शासन की मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत श्री संजय डामोर को रु. 3.00 लाख का ऋण स्वीकृत हुआ। ऋण प्राप्त होते ही उन्होंने अपनी फोटो स्टूडियो एवं फोटो कॉपी सेंटर इकाई स्थापित कर व्यवसाय प्रारंभ किया। जहाँ पूर्व में श्री संजय डामोर शिक्षित बेरोजगार के रूप में रोजगार की तलाश कर रहे थे, वहीं आज वे न केवल आत्मनिर्भर बन चुके हैं, बल्कि अपने व्यवसाय के माध्यम से अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं।

यह सफलता की कहानी इस तथ्य को दर्शाती है कि शासन की योजनाएँ जब सही पात्र तक पहुँचती हैं, तो वे आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बनती हैं। विभाग श्री संजय डामोर के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

सिंचाई योजनाओं के माध्यम से अंतिम छोर के किसान के खेत तक पानी पहुंचाएं

खण्डवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिले में संचालित विभिन्न सिंचाई योजनाओं के माध्यम से खेतों में होने वाली सिंचाई के संबंध में समीक्षा की। उन्होंने जल संसाधन विभाग और नर्मदा घाटी विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिंचाई योजना के माध्यम से अंतिम छोर के किसान के खेत तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था करें। बैठक में विधायक श्री नारायण पटेल, विधायक श्रीमती छाया मोरे तथा विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तन्वे जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेडे के अलावा कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता भी मौजूद थे।

सांसद श्री पाटिल ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों एवं जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर अपने अपने क्षेत्र की सिंचाई योजना के संबंध में आने वाली समस्याओं की जानकारी लेते रहें और उनका समय-समय पर निराकरण भी करते रहें। उन्होंने कहा कि निर्धारित शेड्यूल अनुसार विद्युत आपूर्ति होना चाहिए और शेड्यूल का पालन करते हुए निर्धारित समय सीमा में खेतों तक पानी भी पहुंचाया जाना चाहिए। बैठक में उन्होंने कहा कि किसानों से सिंचाई कर की नियमित रूप से वसूली भी की जाए। सांसद श्री पाटिल ने बैठक में निर्देश दिए की नहर समितियों की नियमित रूप से बैठक आयोजित की जाए।

जावर क्षेत्र में सिंचाई में किसानों को आ रही समस्याओं को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्री गुप्ता ने एसडीएम खंडवा को निर्देश दिए कि वे गुरुवार को ही जावर जाकर विभागीय अधिकारियों एवं किसानों के साथ मौका देखें और सिंचाई में आने वाली समस्याओं का निराकरण करवाएं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्र में सिंचाई योजनाओं में किसानों को आ रही समस्याओं पर नजर रखें और अपने स्तर से उनका निराकरण करवाएं।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

साल 2026 में चार बार लगेंगे सूर्य-चंद्र ग्रहण

उज्जैन व भारत में अधिकांश नहीं दिखेंगे - साल का एकमात्र पूर्ण चंद्रग्रहण 3 मार्च को

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2026 खगोलीय घटनाओं के लिहाज से खास रहने वाला है। इस वर्ष सूर्य और चंद्रमा पर कुल चार ग्रहण लगेंगे, जिनमें दो सूर्यग्रहण और दो चंद्रग्रहण शामिल हैं। हालांकि इनमें से अधिकांश ग्रहण भारत और उज्जैन में दृश्य नहीं होंगे, जिससे आमजन इन खगोलीय घटनाओं को प्रत्यक्ष रूप से नहीं देख पाएंगे।

वेधशाला अधीक्षक डॉ. आरपी गुप्त ने बताया कि वर्ष का पहला ग्रहण 17 फरवरी 2026 को आंशिक सूर्यग्रहण के रूप में होगा। यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। इसके बाद 3 मार्च 2026 को वर्ष का एकमात्र पूर्ण चंद्रग्रहण लगेगा, जो सैद्धांतिक रूप से उज्जैन में दृश्य क्षेत्र में आएगा, लेकिन सूर्यास्त और चंद्र उदय के समय के कारण इसे प्रत्यक्ष रूप से देख पाना संभव नहीं होगा। साल का तीसरा ग्रहण 12-13 अगस्त 2026 को पूर्ण सूर्यग्रहण के रूप में होगा, जो यूरोप, अफ्रीका और उत्तरी अमेरिका सहित कई क्षेत्रों में दिखाई देगा, परंतु भारत में यह भी अदृश्य रहेगा। इसके बाद 28 अगस्त 2026 को आंशिक चंद्रग्रहण लगेगा, जो भारत में दिखाई नहीं देगा। उन्होंने कहा कि ग्रहणों का अध्ययन वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, भले ही वे किसी विशेष क्षेत्र में दृश्य हों या नहीं। इन घटनाओं के माध्यम से सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी की गति तथा उनके पारस्परिक संबंधों को समझने में सहायता मिलती है। 3 मार्च 2026 के चंद्रग्रहण के दिन उज्जैन में सूर्यास्त शाम 6-31 बजे होगा। चंद्रमा आंशिक ग्रहण की अवस्था में उदय करेगा, लेकिन केवल 16 मिनट में ग्रहण समाप्त हो जाएगा। चंद्रमा के स्पष्ट रूप से दिखने से पहले ही ग्रहण का मोक्ष हो जाएगा।

2026 के ग्रहण एक नजर में

17 फरवरी 2026- आंशिक सूर्यग्रहण, भारत व उज्जैन में दृश्य नहीं

3 मार्च 2026- पूर्ण चंद्रग्रहण, तकनीकी रूप से उज्जैन में, परंतु प्रत्यक्ष रूप से नहीं दिखेगा

12-13 अगस्त 2026- पूर्ण सूर्यग्रहण, भारत में दृश्य नहीं

28 अगस्त 2026- आंशिक चंद्रग्रहण, भारत में दृश्य नहीं

साल 2025 में हत्या के 47 केस दर्ज, चेन झपटने के 3 मामले

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहरी क्षेत्र के पुलिन थानों में इस साल के आखिरी दिन तक हत्या के 47 केस दर्ज हुए हैं। जबकि 3 मामले चेन झपटने के भी सामने आए हैं। एसपी कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक इस साल 1 जनवरी से लेकर आज 31 दिसंबर तक शहरी क्षेत्र के पुलिस थानों में हत्या के 47 केस दर्ज किए गए हैं। वहीं 3 वारदात चेन स्नेचिंग की भी हुई है। अधिकांश मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और कुछ मामलों में अपराधियों की तलाश की जा रही है। पकड़े गए आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद उन्हें जेल भी भेजा गया है और कई को सजा भी हो चुकी है। शेष फरार आरोपियों की लगातार तलाश की जा रही है।

3 साल में 130 हत्या, 20 चेन स्नेचिंग- पुलिस रिकार्ड के अनुसार शहरी थाना क्षेत्रों में वर्ष 2023 से लेकर 2025 दिसंबर तक हत्या के कुल 130 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें वर्ष 2023 में 39, 2024 में 44, 2025 में 47 मामले हैं। जबकि 3 साल में चेन स्नेचिंग की 20 वारदातें हुई है, इनमें वर्ष 2023 में 5, वर्ष 2024 में 12 तथा वर्ष 2025 में 3 मामले दर्ज हुए हैं।

एसिड पीने वाली महिला की हुई मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चिमनगंज थाना क्षेत्र के राजीव नगर में रहने वाली पुष्पा पति राजेश महावर 38 साल को मंगलवार शाम एसिड पी लिया था जिनकी उपचार के दौरान बुधवार सुबह मौत हो गई। चिमनगंज थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। बताया जा रहा है कि पुष्पा का खाना बनाने की बात को लेकर पति से विवाद हुआ था इसके बाद उसने घर में टॉयलेट साफ करने के लिए रखा एसिड पी लिया था। पुलिस परिवार के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू करेगी।

कलेक्टर ने श्री महाकालेश्वर मंदिर परिसर का भ्रमण कर दर्शन व्यवस्थाओं का जायजा लिया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने बुधवार को श्री महाकालेश्वर मंदिर के परिसर का भ्रमण कर दर्शन व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उल्ललेखनीय है कि अंग्रेजी नव वर्ष के अवसर पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं का उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर और अन्य प्रमुख मंदिरों में दर्शन के लिए आना संभावित हैं। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा चारधाम मंदिर के समीप की गई बैरिकेडिंग, शीघ्र दर्शन काउंटर, जूता स्टैंड और अन्त्य प्रमुख व्लयवस्त्थाओं का जायजा लिया गया।

आज शाम ढलते ही शराब पीकर वाहन चलाने वालों की धरपकड़ हो जाएगी शुरू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आज साल 2025 का आखिरी दिन है और शाम ढलते ही पुराने साल की बिदाई और नये साल के आगमन का जश्न शुरू हो जाएगा इस दौरान शाम 6 बजे से शराब पीकर वाहन चलाने वालों की पुलिस जाँच करेगी। शराब पीकर वाहन चलाने वालों के लिए बुरी खबर यह है कि शाम 6 बजते ही सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस ब्रीथ एनेलाईजर मशीनें लेकर चैकिंग करेगी और शराब पीकर वाहन चलाते पाए गए तो चालान बनेगा और वाहन भी कोर्ट से छुड़ाना पड़ेगा। एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि आज शाम 6 बजे से शराब पीकर वाहन चलाने वाले लोगों की जाँच का अभियान चलाया जाएगा। सभी थानाप्रभारियों को इसके निर्देश दे दिए गए हैं। प्रत्येक थाने की सीमा में पुलिस जवान तैनात रहेंगे और ब्रीथ एनेलाईजर मशीन से शराब पीकर वाहन चलाने वाले लोगों की जाँच करेंगे। जाँच में अगर शराब पीकर वाहन चलाते पाए गए तो ऐसे लोगों का चालान बनाया जाएगा और वाहन जब्त किया जाएगा।

साल की आखरी भस्म आरती में सुबह साढ़े 5 हजार श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष के अंतिम दिन 31 दिसंबर को तडक़े हुई भगवान महाकाल की भस्म आरती में चलते चलते साढ़े 5 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। शाम तक दर्शनार्थियों का आंकड़ा डेढ़ लाख के पार पहुंच गया था।

महाकालेश्वर मंदिर में वर्ष 2025 की अंतिम भस्म आरती बुधवार सुबह की गई। महाकालेश्वर मंदिर में नव वर्ष पर आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर की दर्शन व्यवस्था में बदलाव करते हुए प्रोटोकॉल में गिने चुने श्रद्धालुओं को ही अनुमति दी गई थी। बाकी सभी श्रद्धालुओं को महाकाल के भस्म आरती दर्शन मिल सके इसके लिए चलित भस्म आरती से श्रद्धालुओं को दर्शन करवाए गए। चलित भस्म आरती में दर्शन व्यवस्था के कारण देशभर से आए सभी श्रद्धालुओं ने महाकाल के दर्शन आसानी से किए। मंदिर प्रबंध समिति द्वारा अधिक श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए चलित भस्म आरती व्यवस्था पर अधिक ध्यान देकर सभी श्रद्धालुओं को दर्शन करवाए जा रहे हैं। महाकाल मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि आज सभी श्रद्धालुओं को कार्तिक मंडपम से चलित भस्मारती दर्शन करवाए गये थे। सुबह लगभग साढ़े 5 हजार श्रद्धालुओं ने चलित भस्म आरती के दर्शन किए हैं। उन्होंने बताया कि शाम तक महाकाल दर्शन के लिए आज डेढ़ लाख से अधिक लोग महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। सभी व्यवस्थाएं पुख्ता की गई है। आज नए वर्ष के पहले दिन भी मंदिर में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी।

कारो के कांच फोड़ बदमाशो ने चुराये रुपयों से भरे बेग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नव वर्ष से पहले देशभर से श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन पहुंच रहे हैं। आस्था की भीड़ में बदमाशों ने भी दस्तक दी है। अब तक बदमाश तीन वारदात कर चुके हैं। पुलिस को फुटेज भी मिले हैं जिसके आधार पर तलाश की जा रही है।

नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के ट्रेजर बाजार के समीप बीती शाम बदमाशों ने प्रॉपर्टी ब्रोकर आकाश लश्करी की ऑफिस के बाहर खड़ी कार का कांच फोड़ कर उसमें रखा लाखों रुपए से भरा बैग चोरी कर लिया। वारदात का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखने शुरू किया जिसमें बदमाश दिखाई दिए। पुलिस बदमाशों को पहचान पाती और उनका पता लगा पाती उससे पहले सामने आया कि बदमाशों ने माधव नगर थाना क्षेत्र के सेठी बिल्डिंग के समीप खड़ी कार के कांच फोड़ कर बैग चोरी किया है। कार बाहर से आए श्रद्धालु की थी, माधव नगर थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में जांच शुरू की गई है। नानाखेड़ा क्षेत्र में हुई वारदात में शामिल बदमाश ही सेठी बिल्डिंग तक आए थे। दो वारदात सामने आने के बाद इस बात की जानकारी सामने आई की बदमाशों ने महाकाल थाना क्षेत्र के हरसिद्धि पाल पार्किंग में खड़ी पुणे के श्रद्धालु की कार का कांच फोड़कर भी बैग चोरी किया है जिसमें नगद रुपए और कीमती सामान रखा हुआ था। थाना प्रभारी गगन बादल के अनुसार मामले में शिकायत दर्ज कर बदमाशों का पता लगाया जा रहा है। जिस तरह से एक के बाद एक तीन वारदात होना सामने आई है उसके चलते आशंका जताई जा रही की बदमाश बहरी हो सकते है। नानाखेड़ा क्षेत्र में मिले फुटेज सभी थाना पुलिस को भेजे गए हैं जिसके आधार पर बदमाशों की तलाश की जा रही है।

शराब पीकर वाहन दौड़ने वाले तीन लोगों का निकाला जुलूस

स्कूटी सवार को टक्कर मारने के बाद तोड़ा था बेरीकैट्स

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगर रोड पर शराब के नशे में तेजगति से वाहन चलाने वाले चालक और उसके साथियों को पुलिस ने पीछा कर पकड़ा और उनका जुलूस निकाला। टवेरा वाहन चालक ने स्कूटी सवार को टक्कर मारी थी और पुलिस का बैरिकेट्स तोड़ दिया था।

चार पहिया वाहन टवेरा क्रमांक एमपी 13 टीए 2526 में सवार तीन युवक नशे की हालत में आगर रोड से मंगलवार रात निकले थे। उन्होंने अपनी रफ्तार से चिमनगंज थाना क्षेत्र के आगर रोड पर स्कूटी सवार कनुज सुराना को टक्कर मार दी। तीनों वहां रुके नहीं और कोयला फाटक क्षेत्र में आकर पुलिस चेकिंग के लिए लगाया गया बैरिकेट्स तोड़कर भाग निकले। रफ्तार से दौड़ती टवेरा को पकड़ने के लिए देवासगेट, जीवाजीगंज और चिमनगंज थाना पुलिस ने पीछा कर घेराबंदी शुरू की। सुदामा नगर मार्ग से देवास गेट पुलिस ने वाहन को रोक तीनों युवकों को हिरासत में लिया। तीनों ने पुलिस से अभद्रता शुरू कर दी। बमुश्किल उन्हें थाने लाया गया तो वहां भी जमकर हंगामा किया। तीनों को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल ले जाया गया यहां भी तीनों युवकों ने जमकर उत्पात किया। देवास गेट थाना पुलिस ने तीनों के खिलाफ शराब पीकर वाहन चलाने का मामला दर्ज किया और प्रतिबंधात्मक धारा में कार्रवाई करते हुए टवेरा को जप्त कर लिया। चिमनगंज थाना पुलिस ने स्कूटी सवार को टक्कर मारने का प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। देवास गेट थाना पुलिस के अनुसार तीनों युवक संजय पिता गंगाराम सिसोदिया निवासी खिलचीपुर, राजेश पिता बद्रीलाल मालीपुरा और दिलीप पिता नगुलाल चौहान निवासी नानाखेड़ा होना सामने आए हैं। तीनों के हंगामा करने पर उनका क्षेत्र में जुलूस निकाला गया बुधवार दोपहर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

जानलेवा हमला करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुरानी रंजिश में युवक पर चाकू से हमला करने वाले चार बदमाशों को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। जिन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया 29 दिसंबर की रात आवेश खान पिता अफजल खान निवासी बेगमपुरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने साथियों शोएब, अयान व दाऊद के साथ बंधन गार्डन में एक शादी समारोह में शामिल हुआ था। वहां विराट नगर निवासी आफताब, आदिल व अमन भी मौजूद थे, तीनों ने अपने एक साथी के साथ शादी में खाना खाने आए हुए थे। तीनों पुरानी रंजिश के कारण शोएब को घूर रहे थे। शादी समारोह से बाहर निकलते ही उक्त आरोपियों ने शोएब पर हमला कर दिया। आफताब, आदिल व अमन ने शोएब पर जान से मारने की नीयत से चाकू से कई वार किए, जिससे शोएब गंभीर रूप से घायल हो गया है। आरोपियों ने बी बचाव करने पर उसके साथ भी मारपीट की है। आवेश की शिकायत पर चार आरोपियों के खिलाफ जानलेवा हमले का प्रकरण दर्ज किया गया था। जिनकी तलाश करने पर बुधवार सुबह चारों को गिरफ्तार कर लिया गया। तीन नाम ज्यादा आरोपियों के साथ चौथा साथी नाटू उर्फ तोहिद पिता ताजुद्दीन शेख होना सामने आया है चारों की निशानदेही पर तीन चाकू बरामद किए गए हैं। चारों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

लाखों की धोखाधड़ी करने पर ईओडब्ल्यू ने कर्ज किया प्रकरण

आरोपी ने बैंक में बंधक भवनो को तोड़ फ्लैट बनाकर बेचे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश गृह निर्माण मंडल कर्मचारी के लिए आवंटित भवनो को तोड़कर फ्लैट बनाकर बेचने के मामले में ईओडब्ल्यू द्वारा आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। उक्त भवन बैंक में बंधक थे बावजूद आरोपी ने दस्तावेजों में बंधक होना नहीं बताया था।

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) मुख्यालय भोपाल में प्राप्त शिकायत के सत्यापन पर पाया गया कि बैंक के ऋण धारक विजय) पिता कैलाश चन्द्र जैन, निवासी 308 बागडिया टॉवर, नजरअली मार्ग, उज्जैन एवं अन्य के द्वारा बैंक में गिरवी रखे भवन को अवैधानिक रूप से तोड़कर व उसका स्वरूप बदलकर, स्वयं को सदोष लाभ पहुंचाने के लिए संपत्ति आम लोगों को विक्रय कर दी गई। इस प्रकार आरोपी विजय जैन द्वारा बैंक तथा आम लोगों के साथ धोखाधड़ी कर सदोष हानि पहुंचाने का आरोप प्रमाणित पाये जाने पर आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ द्वारा अपराध पंजीबद्ध किया गया। आरोपी विजय जैन द्वारा मुनिनगर स्थित म.प्र. गृह निर्माण मण्डल के कर्मचारियों के लिए निर्मित भवन क्रमांक एचबी 07 व 09 को क्रमशः वर्ष 2011 व 2012 में क्रय किया गया। भवन क्र0 एचबी 07 को क्रय करने हेतु विजय जैन द्वारा 15 लाख रूपये का होम लोन स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एवं जयपुर शाखा उज्जैन से लिया गया। उक्त बैंक बाद में भारतीय स्टेट बैंक में विलय हो गई थी तथा विजय जैन का ऋण खाता भी भारतीय स्टेट बैंक, फ्रीगंज उज्जैन में स्थानांतरित हो गया। उक्त दोनों भवन म.प्र. गृह निर्माण मण्डल द्वारा किराया पद्धति पर मण्डल कर्मचारियों को दिए गए थे जिनको आरोपी विजय जैन द्वारा नियम विरूद्ध तरीके से बिना मण्डल की अनुमति के तोड दिया गया व उन पर बिना

वैधानिक अनुमति प्राप्त किए बहुमंजिला फ्लेट का निर्माण कर लिया गया। आरोपी द्वारा उक्त संपत्ति बैंक में बंधक होने के बाद भी बिना अनुमति के निर्मित 8 फ्लेट का विक्रय आम लोगों को कर दिया। विक्रय हेतु आरोपी विजय जैन के द्वारा रजिस्ट्रीयों में यह गलत लेख किया कि उक्त संपत्ति कहीं भी बंधक नहीं है। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ इकाई उज्जैन द्वारा शिकायत में लगाए गए उपरोक्त आरोप सत्यापन के दौरान सही पाए जाने पर विजय जैन के विरूद्ध धारा 420 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। उक्त अपराध में बैंक या अन्य व्यक्तियों की आपराधिक संलिप्पता विवेचना में पायी जाने पर उनके विरूद्ध भी कार्यवाही की जावेगी।

फिल्म अभिनेता, लीजेंड स्टैंडअप कॉमेडियन आशीष विद्यार्थी 11 जनवरी को ठहाका सम्मेलन में देंगे प्रस्तुति

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के सुप्रसिद्ध फ़िल्म अभिनेता एवं लीजेंड स्टैंडअप कॉमेडियन आशीष विद्यार्थी 11 जनवरी को अंतर्राष्ट्रीय ठहाका सम्मेलन में अपनी सशक्त एवं मनोरंजक प्रस्तुति देंगे। आशीष विद्यार्थी इस आयोजन के प्रमुख आकर्षण रहेंगे।

यह भव्य आयोजन 26वें अंतर्राष्ट्रीय ठहाका महोत्सव के अंतर्गत सायं 7 बजे कालिदास संस्कृत अकादमी के मुक्ताकाशी रंगमंच पर आयोजित किया जाएगा। चार दिवसीय यह महोत्सव 8 से 11 जनवरी तक कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन में संपन्न होगा।

उक्त जानकारी देते हुए ठहाका सम्मेलन के संस्थापक संयोजक डॉ. महेन्द्र यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में नगर के समस्त कवि, साहित्यकार, कलाकार एवं कला-प्रेमी मिलकर इस आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप दे रहे हैं। बीते 26 वर्षों से अनवरत आयोजित हो रहा ठहाका सम्मेलन हास्य, साहित्य, कला एवं संस्कृति के संवर्धन का एक प्रतिष्ठित मंच बन चुका है।

महोत्सव के अंतर्गत नए एवं उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर दिया जा रहा है। कलाकारों का चयन ऑडिशन के माध्यम से किया जाएगा, जिसके लिए इच्छुक प्रतिभागी कालिदास अकादमी अथवा आयोजन समिति से संपर्क कर सकते हैं।

चार दिवसीय महोत्सव में 8 जनवरी को ओपन माइक (कॉमेडी एवं पोएट्री), 9 जनवरी संगीत समारोह, 10 जनवरी नृत्य प्रतियोगिता होगी। उपरोक्त सभी कार्यक्रम सायं 7 बजे से कालिदास अकादमी के अभिरंग नाट्यगृह में होंगे। वहीं 11 जनवरी प्रातः 9 बजे कवि समागम, जिसमें मंज़र भोपाली, पॉपुलर मेरठी सहित लगभग 200 कवि सहभागिता करेंगे। 11 जनवरी सायं 7 बजे मुक्ताकाशी मंच पर अंतर्राष्ट्रीय ठहाका सम्मेलन होगा।

मैं से हम की भावना को सशक्त करता सहकारिता आंदोलन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पं. जवाहरलाल नेहरू व्यवसाय प्रबंध संस्थान (जेएनआईबीएम), सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन एवं इफको टोकियो समूह के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 समापन के अवसर पर सहकार समृद्धि सम्मान प्रसंग का आयोजन किया गया। इस जीवन्त अकादमिक परिसंवाद में सहकारिता के बहुआयामी स्वरूप, उसके सामाजिक-आर्थिक योगदान तथा भविष्य की संभावनाओं पर व्यापक विमर्श हुआ।

इस अवसर पर अपने आशीर्वचन एवं शुभकामना संदेश में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. डॉ. अर्पण भारद्वाज ने प्रबंध संस्थान के संकाय अध्यक्ष प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता द्वारा सहकारिता को प्रबंध संकाय में विशिष्टता (स्पेशलाइजेशन) कोर्स के रूप में शामिल किए जाने पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थी अध्ययन पूर्ण कर सहकारिता आंदोलन से जुड़ेंगे तथा सहकारिता विभाग को प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध होगा, जिससे सहकार गतिविधियों को गति मिलेगी।

संकाय अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद के सदस्य प्रो. डॉ. राजेश टेलर ने बताया कि एक सहकारिता संस्था के संचालन की संभाव्यता परीक्षण भी विचाराधीन है, जिससे अकादमिक ज्ञान को व्यवहारिक स्वरूप प्रदान किया जा सके।

सहकार रत्न सम्मान एवं युवाओं के अनुभवों से मिली नई दृष्टि कार्यक्रम के दौरान जेएनआईबीएम के निदेशक एवं संकाय अध्यक्ष प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता की उपस्थिति में कैंपस आउटरीच के अंतर्गत संस्थान के प्रतिष्ठित एल्युमिनी एवं सहकार क्षेत्र के युवा प्रबंधक श्री अंकित शर्मा एवं श्री हरिशंकर शर्मा को उनके समर्पण एवं सहकार सेवा भाव के लिए सहकार रत्न उपमा से अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अदिति त्रिवेदी एवं खुशी वाधवा भी उपस्थित रहीं।

अपने अनुभव साझा करते हुए युवा प्रबंधकों ने सहकारी संस्थाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने एफपीओ, एफपीसी सहित हथकरघा एवं लघु उद्यमियों से जुड़े विभिन्न उत्पादों–हैंड एम्ब्रॉयडरी, ज्वैलरी, टेराकोटा, लकड़ी पर नक्काशी, गलीचे-दरी, जरी एवं जरी गुड्स, चमड़ा, पॉटरी एंड क्ले, आयुर्वेद, ऑर्गेनिक उत्पाद, बायोफर्टिलाइज़र, माइक्रोन्यूट्रिएंट्स, बीमा आदि–में सहकारिता की सक्रिय सहभागिता के उदाहरण प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि सहकारिता केवल उत्पादन और वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि गरीबी उन्मूलन, लैंगिक समानता, सतत आजीविका और पर्यावरण संरक्षण जैसे 17 सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय के गठन के निर्णय की दूरदर्शिता की भी पुरजोर सराहना की गई। वक्ताओं ने कहा कि सहकारिता का मूल उद्देश्य मैं से हम की भावना को सशक्त बनाना है और भारत में सहकारिता कोई नई अवधारणा नहीं, बल्कि हमारे जीवन दर्शन का अभिन्न अंग रही है। इस अवसर पर जेएनआईबीएम, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के विद्यार्थी मुस्कान कुरील, मुस्कान बाथम, अदिति राठौर, तनु बालोनिया, राहुल तिवारी, विशाल फाटे, रितेश शर्मा, विवेक सिंह एवं धर्मेंद्र कानूनगो उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर मुख्य शाखा प्रबंधक विजया वासनिक ने कुलगुरु प्रो. डॉ. अर्पण भारद्वाज एवं निदेशक-डीन प्रो. डॉ. धर्मेंद्र मेहता के प्रति अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष समापन के अवसर पर इस अकादमिक सत्र एवं सम्मान संयोजन के सफल आयोजन हेतु आभार व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान सफलतापूर्वक मनाया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता यानी साफ सफाई स्वस्थ जीवन की कुंजी है जो हमें बीमारियों से बचाती है।

यह उदगार प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ.एके दीक्षित कृषि विज्ञान केंद्र ने 16 से 31 दिसंबर तक मनाए गए स्वच्छता अभियान पखवाड़े में व्यक्त किए।

डॉ. दीक्षित ने अपने उद्बोधन में कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे हाथ धोना और पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखना दोनों ही हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। स्वच्छता अभियान कार्यक्रम की नोडल डॉ. रेखा तिवारी वरिष्ठ वैज्ञानिक ने स्कूली छात्र तथा विद्यालय अध्ययन छात्र एवं छात्राओं को स्वच्छ भारत अभियान जैसे प्रयास समाज में स्वच्छता की भावनाओं को बढ़ावा देने तथा अपने स्वयं के प्रयासों से सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान में भागीदारी बढ़ाने हेतु जन जागृति करने के लिए प्रेरित किया।

संस्था के डॉ.एसके सिंह वरिष्ठ वैज्ञानिक ने खेती में नरवाई ना जलाना तथा फसलों के अपशिष्टों से जैविक खाद बनाने के तरीके बताएं। डॉ.आशीष बोबडे वैज्ञानिक ने प्राकृतिक खेती को अपनाकर स्वच्छ जीवन हेतु विभिन्न तरीके बताएं। जिसमें रसायन मुक्त सब्जियों की पोशाक वाटिका बनाने हेतु प्रेरित किया। डॉ. सविता कुमारी ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देते हुए घनाअमृत, जीवामृत, बिजामृत इत्यादि बनाने की विधियां बताई।

डॉ. हंसराज जाटव ने आसपास के परिसर को स्वच्छ बनाने हेतु प्रेरित किया। डॉ. मोनी सिंह वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने व्यक्तिक साफ-सफाई के बारे में बताया। कार्यक्रम संस्था तथा उज्जैन के अंगीकृत गांव में मनाया गया। जिसमें कृषि महाविद्यालय इंदौर के छात्रों का सराहनीय सहयोग रहा।